

सं 0 48]

नई विल्ली, शनिवार, नवम्बर 28, 1981 (अग्रहायण 7, 1903)

No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 28, 1981 (AGRAHAYANA 7, 1903)

इस मांग में भिन्न पृष्ठ संस्था वी जाती है जिससे कि यह अजग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

कर्षक्व न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयीग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गुई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 अक्तूबर 1981

सं पी/1814-प्रशा.-।।—भारत के मौसम विभाग के मौसम विज्ञानी ग्रेड ।। तथा संघ लोक संवा आयोग के कार्यालय में सम्प्रति विरिष्ठ प्रोग्रामर श्री जफर इलाही शेख को कार्मिक भीर प्रशासनिक सुधार विभाग के पत्र संख्या 7/30/80-एफ. एस. दिनांक 8-1-1981 की शर्तों के अनुसार उनके प्रायोजन र विदेश समुनिद्देशन योजना के अन्तर्गत इराक सरकार के श्रधीन प्रोग्रामर के पद पर नियुक्ति होतू उनके चयन हो जाने के गिरणामस्वरूप एत्त्व्वारा उन्हें संघ लोक सेवा आयोग के कार्यान्य से 15-10-1981 के अपराहन से कार्यभार स्कत किया गता है।

य. रा. गांधी अवर सचिव, **कृतें** अध्यक्ष मेच तोक सेवा आयोग

ती-अध्या निर्मात 16 अक्तूबर 1981 ह0-प्रधा - 11 - अध्या मंघ लोक व्यारा भा प्रारा से नहीं दिल्ली के स्थागी कि का तथा संघ लोक मेंद्रा आमोग को कार्यालय में कि प्रधानर श्री भरत तिहा के स्थानिक किए जाने तक, जो भी पहले हो, वरिष्ठ प्रोग्रामर के प्रदाप तदर्थ आधार पर स्थानापनन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं। 2. श्री भरत सिंह अवगत कर लें कि वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और यह उक्त ग्रेड में विलियन अथवा वरिष्ठता का उन्हें कोई हक प्रदान नहीं करोगी।

डी. एस पाह्वा अन्भाग अधिकारी, कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

नर्ष दिल्ली-110011, दिनांक 15 अक्तूबर 1981

2. श्री आर.पी. सिंह यह अवगत कर लें कि सम्पता प्रबंधक एवं बैठक अधिकारी के पद पर उनकी तदर्थ नियाकित का उन्हें उक्त ग्रेड में नियमित विलियन अधवा विश्वित का स्वतः हक नहीं मिलेगा।

डी. एस. पास्वा अनुभाग अधिकारी, पंघ लोक सेवा आयोग रङ दिल्ली, 110001, दिनांक 15 अक्स्टर 1981

मं. ए. 35014/1/79-प्रशा.।।——सचिष, संघ लोक संवा आयाग एकदिवारा संघ लोक सेवा आयोग के सवर्ग में के स.सं. के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री डी. आर. मदान को 12-8-81 से 11-11-84 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी (विशेष-सेवाए) के पद पर सदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. अनुभागू अधिकारी (यिशेष सेवाए) के पर्द उनकी उनकी निम्नुक्ति हो जोने के परिणामस्वरूप श्री डी. आर. मदान का वेतन समय-समय एर यथासंशोधिक विस्त मंत्रालय, व्यय विभाग के का. जा सं. एफ. 10 (24)-ई.।।। दिनांक 4-5-61 की शतों के अनुसार विनियमित होगा।

डी. एस. पास्या, अनुभाग अधिकारी, कृते सचिव, संध लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, विनांक 24 सितम्बर 1981

सं.ए.32013/1/81-प्रशा.।——केन्द्रीय सिचालय सेवा के निम्निलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अविध के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के अवर सिचय के पद पर त्रदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

फ्र. सं. ू नाम अविधि

सर्व श्री

- य. रा. गांधी, 26-5-81 से 25-8-81 तक
- 2. बंद प्रकाश, 26-5-81 से 31-7-81 तक
- बी. के. भट्टाचार्या, 16-6-81 से 15-9-81 तक
- 4. एस. के. भिश्र, 29-6-81 से 28-9-81 तक

एच . सी . जाटव संयुक्त सचिव, मंघ लोक सेवा आयोग

नर्इ दिल्ली-110011, दिनांक 8 सितम्बर 1981

सं. ए. $11016^{1}/76$ -प्रशा. ।।।---संघ लोक सेवा आयोग के निम्निचित्र अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा 1-9-81 से तीन मास की अविध के लिए अथवा आगामी आदोशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए महर्ष नियुक्त किया जाता है:—

ऋ सं. नाम

- 1. श्रीकौलाश चन्द्र
- 2. श्री एम. सी. खुराना
- 2. उपयुवित अधिकारी कार्मिक और प्रशासिनिक सुधार विभाग के का. जा. सं. 12/1/74 सी. एस. (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की घर्ती के अनुसार रु. 75/- प्र.मा. की दर से विशेष बेतन प्राप्त करों।

विनांक 28 सितम्बर 1981

सं. ए. 11016/1/76-प्रशा.।।।—संघ लोक सेवा आयोग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री योगिन्दर नाथ को राष्ट्रपति द्वारा 1 अक्तूबर, 1981 से 19 नवम्बर, 1981 या आगामी आदोशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

2. कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का. जा. स. $12^{7}1/74$ -सी. एस. (1) दिनांक 11 दिसम्बर 1975 की घर्ती के अनुसार श्री योगिन्दर नाथ रह. 75/- प्र. मा. की दर से विशेष बेतन प्राप्त करेंगे।

विनांक 21 अक्तूबर 1981

मं. ए. 19014/12/80-प्रशा.।—राष्ट्रीय शिक्षा अनु-संधान तथा प्रशिक्षण परिषद् के लेक्चरर (शिक्षा) तथा इस समय संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सिचव के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर कार्यरत् श्री मोहम्मद मीयां को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नर्ष विल्ली मे रीडर के पद पर नियुक्ति के लिए चयन हो जाने पर 21 अक्तूबर, 1981 अपराहन से इस कार्यालय से कार्यभार से म्क्त किया जाता है।

> य. रा. गांधी अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का एवं प्र. सु. विभाग

केन्द्रीय अन्येषण व्यूरो

नक दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1981

सं. एस 19/65-प्रशासन-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री शम्भू लाल शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, ने दिनांक 31-10-1981 के अपराह्म से प्लिस अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं. ए-19021/7/81-प्रशा.-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री गुरबचन जगत, भारतीय पुलिस सेवा (पंजाब-1966), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, चंडीगढ़ शासा की सेवाएं दिनांक 30-10-1981 के अपराहन से पंजाब सरकार को वापिस सौंप दी गई।

दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. ए-19036/1/81-प्रशा.-5--इस कार्यालय. की अधि-सूचना संख्या ए-19036/1/81-प्रशासन-5, दिनांक 29-5-81 के अधिकमण में, निद्देशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से असम राज्य पुलिस के अधिकारी श्री रंजीत कुमार शोष, पुलिस उपाधीक्षक को दिनांक 11-5-1981 के पूर्वाहन से अगले आदोश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रति-नियुक्ति पर स्थानापंन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. ए-19036/3/81-प्रशासन-5--इस कार्यालय की अधिसूचना सं. ए-19036/3/81-प्रशा -5, दिनंक 16-10-81 के अधिकमणा में, निव शक, केन्द्रीण अन्वेषण व्यूरो एवं प्लिस महानिव शक, विशेष प्लिस स्थापना, अपने प्रसाद से मणिपुर राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एस. दोरेन्द्र सिंह, पुलिस उपाधीक्षक को दिनंक 6-10-81 के पूर्वाहन से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरों में प्रति-

नियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की. ला. ग्रांवर प्रशासनिक अधिकारी (स्था.) केन्द्रीय अन्येषण ब्यूरो

महानिद्दोशालय, को. रि. पु. बल नर्द्य दिल्ली-110022, दिनांक 5 नवम्बर 1981

प्रथम

सं. पी-तीन-7/80-प्रशा-।।। (के. डब्ल्)--शी रूप नारायण अग्रवाल, प्रशासन अधिकारी, महानिद्देशालय, के. रि. पू. बल ने सरकारी सेवा से निवृत्ति हो जाने के कारण प्रशासन अधिकारी के पव का कार्यभार दिनांक 30-9-81 (अपराह्न) को त्याग दिया है।

द्वीतीय

श्री रूप नारायण अग्रवाल जिन्हें 6 महीने की अविधि के लिए 1/10/81 में 31-3-82 तक पूनिर्मयोजित किया गया है, ने महानिद्येशालय, के रि. पू. बल में दिनांक 1 अक्टूबर, 81 (पूर्वाह्न) को प्रशासन अधिकारी का कार्यभार संभाल लिया है।

ह. अपठनीय उप निदोशक (प्रशा.)

नक्षे दिल्ली-110022, दिनांक 4 नवम्बर 1981

सं. ओ. दो-1606/81-स्थापना—-राष्ट्रपति डाक्टर औप प्रकाश को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी. डी. ओ. ग्रेड-।। (डी. एस. पी./कम्पनी कमान्डर के पद पर दिनांक 19-10-81 के पूर्वाह्न से, डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाए जाने की शर्तपर, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 नवम्बर 1981

- सं अो. दो -- 1575/81-स्थापना—महानिद्शेक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा. (कुमारी) साधना गुप्ता को 30--10-1981 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित होने तक इनमें जो भी पहले हों उस तारी ए तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल से किनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर सदर्थ रूप में नियनत किया है।
- मं. ओ. दो. 1589/81-स्थापना—महानिदंशक, केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल ने डाक्टर रनवीर सिंह को 14-10-1981 के पूर्वाह्न से केशल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित होने तक इनमें में जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल मे कनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के ण्द पर तक्ष्य रूप में नियक्त किया है।
- मं. ओ. दो. 1591/81-स्थापना—-राष्ट्रपति ने कनिष्ट चिकत्सा अधिकारी (जी. डी. ओ. ग्रेड-।।) डा. औम प्रकाश पटवारी 64वी वाहिनी केन्द्रीय रिजर्व पृष्टिस बल को केन्द्रीय सिक्ल रोवा (अस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस किस्मापित पर दिनांक 27-10-1981 हो अपराहन भे कार्य भार मृक्स कर दिया है।

ए. के. सूरी, सहायक निदंशक (स्थापना)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय: निदंशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य,

नुई दिल्ली-2, दिनांक 4 नवम्बर 1981

सं प्रशा 1/का आ 299—श्रीमान निद्धिक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय राजस्व) इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के आगे दर्शाई गई तिथि से अगले आदंश तक, 840-1200 के वेतनक्षम में स्थानाएन्न ले. प अधि नियक्त करते हैं:—

ऋ.सं. नाम

तिथि

- . सर्वश्री—
- 1. सुरिन्वर मोहन पुरी

30-10-1981

2 . राजेन्दर सिंह-।।

30-10-1981 (अपराह्न)

ह. अपठनीय संयुक्त निद्येषक ले. प. (प्र.)

महालेखाकार का कार्यालय, आंधू प्रबोध हैवराबाद दिनांक 31 अक्तूबर 1981

सं. प्रशा. ।/8-132/81-82/314---श्री एम. एल. शास्त्री, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय, आंध्र प्रदेश-। सेवा से निवृत्त हुये दिनांक 30-9-81 अपराह्न।

दिनांक 5 नवम्बर 1981

सं. प्रशा. । /8-132/81-82/316--श्री इ. एस. विजय-राधवन लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय, आंध्र प्रदेश-। सेवा से निवृत हुये विनांक 31-10-81 अपराह्न।

> रा . हरिहरन विशष्ट उप महालेखाकार (प्र)

वाणिज्य मंत्रालय

म्ख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

नहीं दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1981

सं. 6/1359/81-प्रका. (राज.) 4856—-राष्ट्रपति, श्री ए. पी. शर्मा, भारतीय प्रशासंनिक संवा (एम. टी.-1972) को अगला आदोश हांने तक 25 जुलाई, 1981 के दापहर पूर्व से संयुक्त म्ख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, कानपूर के रूप में नियंक्त करते हैं।

मणि नारायणस्वामी मुख्य नियंत्रक, आयास-निर्यास

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय न \mathbf{r}^{r} दिल्ली-110011, दिनांक 5 नवस्वर 1981

मं ए.-19018/4/73-प्रशा. (राजः) — वादरा एवं नगर हवंती प्रशासन. सिलवासा के अधीन जिला उद्योग केन्द्र में महाप्रबन्धक के पद पर प्रतिनियुक्ति होने पर, श्री जी. पी. माथूर ने दिनांक 7 सितम्बर, 1981 (अपराह्न) से विस्तार केन्द्र, मेरठ (लघ उद्योग सेवा संस्थान, कान्पूर के अधीन्) के

सहायक निद्यासक, ग्रेंड-2 (यांत्रिकी) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ए.-19018/535/81-प्रशा. (राज.)—-राष्ट्रपति, श्री आर. एस. राय मंडल को लघु उद्योग शासा संस्थान, सिलधर मे दिनांक 1 अक्तूबर, 1981 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक, सहायक निवंशक, ग्रेड-। (यांत्रिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी. सी. राय उप निवंशकः (प्रशासन

इस्पात और खान मंत्रालय खान विभाग भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 6 नवम्बर 1981

सं. ए.-19011 (295)/81-स्था. ए.--संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री डी. के. सिलंकर, स्थानाएन वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूबिज्ञान) को दिनंक 24-9-81 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरों में सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद पर स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस. वी. अली कार्यालय अध्यक्ष भारतीय ज्ञान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिद्शालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्तूबर 1981

सं 10/14/80-एस -3--आकाशवाणी महानिद्दोशक श्री एल के गंडोतरा, विरिष्ठ इजीनियरिंग सहायक, आकाशवाणी, नई दिल्ली को अगले आदोशों तक उच्च शिक्त प्रेषित, आकाशवाणी खामपुर, नई दिल्ली में 30-9-81 के पूर्वीहन से सहायक इंजीनियर के पद पर अस्थायी क्षमता में नियुक्त करते हैं।

ह. अपठनीय प्रशासन उपनिदोशक (ई) कृतो सहानिदोशक

नर्ह दिल्ली, दिनांक 28 अक्तूबर 1981

सं. 4/3/81-एस. एक--श्री अशोक क्मार जेरथ को, महानिद्शक, आकाशवाणी 29 सितम्बर, 1981 से अगले आदोशों तक रोडियों कश्मीर, जम्मू में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एच. सी. जयाल प्रशासन उपनिदशक कृते महानिदशक

(सिथिल निर्माण स्कन्ध)

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1981

सं. ए.-12011/1/81-सी. डब्ल्यू-।--महानिदेश्क, आकाशवाणी, श्री अनन्त त्यागराज को 650-30-740-35-

810-रोक-35-880-40-1000-रोक-40-1200 रुपमे के वेतनमान में 30-7-81 की अपराह्न से आकाशवाणी बंगलीर के सिविल निर्माण स्कन्ध में सहायक इंजीनियर (सिविल) के पद पर स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

2. श्री त्यागराज की नियुक्ति, उन्हें पहले से ही जारी नियुक्ति पत्र में निहित शतों दुवारा नियंत्रित होगी।

ए. ई. के. म्दालियर अपर मृस्य इंजीनियर (सिविल) का इंजीनियरी अधिकारी कृते महानिद्येक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बाई-400 026, दिनांक 23 अक्तूबर 1981

सं 24013/6/80-स्था (।)—-फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने श्री एस ए नाई क स्थायी विकता फिल्म प्रभाग, बम्बई को श्री पी एस रावतेल शाखा प्रबन्धक के अवकाश पर जाने के कारण दिनांक 23-10-1981 के पूर्वीहन से 21-11-81 तक शाखा प्रबन्धक के पद पर नियक्त किया है।

एस के. राय सहायक प्रशासकीय अधिकारी कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य संवा महानिव शालय

नक्षे दिल्ली, दिनाक 31 अक्तूबर 1981

मं. ए - 19018/24/80-के. स. स्वा. यो - 1 — स्वास्थ्य सेवा महानिक के जा. (श्रीसती) आशालका के. आफले को 3 सितम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में होम्योपीथक चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 3 नवम्बर 1981

सं. ए.:19018/2/81-के. स. स्वा. यो.:1—स्वास्थ्य सेवा महानिद्यालय ने डा. बी. एस. शर्मा को कोन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 1-10-81 पूर्वाह्न से अस्थाई आधार पूर आयुर्वेदिक फिजिसियन के पद पर नियुक्त किया है।

विनंकि 5 नवम्बर 1981

मं. ए.-19018/5/81-सी. जी. एच. एस.—स्वास्थ्य सेवा महानिद्योक ने डा. एम. बी. सिंह, आयुर्वेदिक चिकित्सक को 31 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्न में नियमित् रूप से नियुक्त कर दिया है।

सं. ए.-19018/6/81-के. म. स्वा. यां. ।—स्वास्थ्य संवा महानिदंशालय ने डा. किशोरी लाल को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 23-9-1981 के पूर्वाहन से अस्थाई आधार पर आयुर्वेदिक फिजिसियन के पद एर नियुक्त किया है।

> टी. एस. <u>राव</u> उपनिदोशक प्रशासन

ग्रामीण प्नर्निमाण संत्रालय

विषणन एवं निरीक्षण निद्यालय

फरीदाबाद-121001 दिनांक 4 नदम्बर 1981

सं. ए.-19027/2/80-ए. तू.—हस निवंशालय के अधीन फरीदाबाद में हिन्दी अधिकारी के पद पर श्री धनेश्वर प्रसाद बन्दूनी की तदर्थ नियुक्ति को 30 नवम्बर 1981 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, बज़ाया गया है।

बी. एल. मिनहार निद्याक प्रधासन कृते कृषि विषणन संलाहकार भारत सरकार

परमाण् उत्जी विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 13 अक्तूबर 1981

- सं विप्राहप्र/3 (282)/76-स्थापना-।-14782—विद्युत्त प्रायोजना इजीनियरिंग प्रभाग, बस्बई के निद्याक, भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र के एक स्थायी सहायक लेखा अधिकारी क्रागरी एन एम मर्थेट को, उनका भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र से स्थानान्तरण हो जाने के फलस्बरूप, इस प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर रु. 650-30-740-35-880-द रो -40-960 के वंतनमान पर सितम्बर 7, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदोश जारी होने तक के लिए नियुक्त करत है।
- सं. विप्राइप्र/3 (282)/76-स्थापना-।-14783—विद्युत प्रायोजना इजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निद्याल, क्रय सथा भंडार निद्यालय के एक स्थायी लेखाकार एवं स्थानापन सहायक लेखा अधिकारी श्री बी. एम. गणात्रा को, उनका क्रय तथा भंडार निद्यालय से स्थानान्तरण हो जाने के फलस्वरूप, इस प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के एद प्र रु. 650-30-740-35-880-द. रो.-40-960 के बेतनमान पर, सितम्बर 21, 1981 के पूर्वाहन से आगामी आदेश जारी होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

आर. व्हि. बाजपेयी सामान्य प्रशासन अधिकारी

बम्बई-5, विनाक 2-नवम्बर 1981

सं. विप्राह्म/3 (235)/76-प्रशासन-14796—विद्युत्त प्रायोजना इजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदंशक, श्री ए मोहम्मद अली, स्थायी सहायक एवं स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी को उनका सम्पदा प्रबंध निदंशालय से स्थानान्तरण हो जाने के फलस्वरूप, इस प्रभाग में उसी एवं पर रा. 650-30-740-35-880-द. रो.-40-960 के बेतनमान पर, सितम्बर 16, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने त्क के लिए नियुक्त करते हों।

ब. वि. थत्ते प्रशासन अधिकारी

कय और भंडार निवेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 31 अक्तूबर 1981

सं. क. भ. नि./अ/32011/3/76-स्थापना-21080— निद्धांतक, कय और भंडार निद्धांतय, परमाणु उन्नर्ज विभाग, इस निव्धांतय के अस्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री आर. पी. डिसोजा की छुट्टी मन्जूर होने पर, अस्थायी महायक श्री के. रिवन्द्रन को स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर वेतन कम रह. 650-30-740-35-880-द. रो.-40-960 मा दिनांक 14-7-1981 (पूर्वोह्न) से दिनांक 23-10-1981 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

सा. क. भ. नि./23/4/80-स्थापना--क्य और अंडार न्विशालय, परमाणु उत्जर्ध विभाग ने श्री के. सी. एस. पिल्ले, सहायक अंडार अधिकारी की छुट्टी मंजूर हो जाने पर, श्री आर. पी. गुप्ता स्थायी अंडारी की दिनांक 17-8-1981 (पूर्वाह्न) से दिनांक 6-10-1981 (अपराह्न) तक के लिए, इसी निविशालय में रूपये 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के बेतन कम में सदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

के. पी. जोसफ प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 5 नवम्बर 1981

- सं. प. ख. प्र.-1/1/81-भतीं---परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निवंशक एत्रब्द्वारा श्री अनुपम बक्शी को परमाणु खनिज प्रभाग में 23 अक्तूब्र, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस. बी.' नियुक्त करते हो।
- सं. प स प्र-1/1/81-भती परमाणु जर्जा विभाग, पर-माणु सनिज प्रभाग के निद्येषक एतद्द्वारा श्री विकाश संन् गुप्ता को परमाणु सनिज प्रभाग मे 21 अक्तूबर, 1981 के पूर्वाहन से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड ''एस.बी'' नियुक्त करते हैं।
- सं. प खं. प्र.-।/1/81-भती परमाणु उत्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निद्याक एत्र्व्वारा श्री अशांक रंजन मुझोपाध्याय को परमाणु खनिज प्रभाग में 23 अक्तूबर, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदशे होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रंड 'एस.बी' नियुक्त करते हैं।
- मं. प स. प्र.-1/1/81-भर्ती परमाणु कार्जा विभाग, परमाणु रूनिज प्रभाग के निदा्तक एतद्द्वारा श्री यमुना सिंह को परमाणु स्तिज प्रभाग में 6 अक्तूबर, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदाश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस.बी' नियुक्त करते हैं।

एस . एस . राव , वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्राल्य (भारत मौसम विज्ञान विभाग) नर्द्र दिल्ली-3, दिनांक 7 नवम्बर 1981

मं. ए. 12040/1/81-स्था. । — राष्ट्रपति निम्नलिसित को भारत मौसम विज्ञान विभाग से मौसम विज्ञानी श्रेणी-2 के पव पर 30 सितंबर 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

- 1. श्रीडी. चऋवर्ती
- 2. श्री एस. एन. राय
- 3. श्रीटी, बी, पी, भाष्करराव
- 4 . डा. बी. के. बस्
- 5. डा. ए. के बोहरा
- 6. श्री कान्ति प्रसाव
- 7. डा. टी रमना राव
- 8. डा. एच. के. एन. त्रिवेदी
- सं. ए. 12040/1/81-स्था. ।—-राष्ट्रपति निम्निसिखत को भारत मौसम विज्ञान विभाग में मौसम विज्ञानी श्रेणी-2 के पद पर 30 सिरांबर 1981 पूर्वाहन सं आगामी आदोरों तक के लिए इस्थार्क रूप से नियुक्त करते हैं।
 - 1. श्री आर. एन. अधिकारी
 - 2. श्री एन. बाय. आप्टे
 - 3. डा. (का.) सुरिन्दर कौर
 - 4. श्री आर. एस. दत्तात्रयम

दिनांक 9 नवम्बर 1981

सं. ए. 32013 (मों। वि. उ. म. नि.) (तदर्थ)/1/80-स्था.।---22 जुलाई 1981 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्तम में राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्निलिखत निवेशकों को इसी विभाग में मौसम विज्ञान के उपमहा-निवेशक के रूप में की गई तदर्थ नियुक्ति को विनांक 27-8-1981 से तीन माह तक के लिए या पवों के नियमित रूप में भरे जाने तक के लिए, जो भी पहले हो, आगे बढ़ाती हैं।

- 1. डा. ए. को. मुखजी
- 2 . डा. ए. ए. रामशास्त्री
- 3. डा. ए. एस. रामनाथन
- 4. डा. एम. एम. कालश्रोब्ड
- 2 डा. ए. एस. रामनाथन स्वैच्छिक रूप स दिनांक 1-10-1981 (पूर्वाह्न) से सेवानियृत हो चुके हैं।

एस. को. दास, मौसम विज्ञान को अपर महानिदोशक (उ.)

महानिद्येशक भागर विमानन का कार्यालय

नर्इ दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. ए. 32014/1/80-ई. एस. — महानिदंशक नागर विमानन ने श्री एस. एस. रावत, भण्डार सहायक को दिनांक 24 अक्तूबर 1981 (पूर्णह्न) से छः मास की अविध के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें मों जो भी चहले हो, क्षेत्रीय निदेशक, बंबई क्षेत्र, बम्बई एयर-पोर्ट, बम्बई के कार्यालय में भण्डार अधिकारी (समूह ''ख'' पद) के एद पर तबर्ध आधार पर निय्कत किया है।

जगदीश चन्द गर्ग, महायक निद्शाक प्रशासन विद्येश संचार सेवा

बम्बद्दं, दिनांक 7 नवम्बर 1981

- सं. 1/404/81-स्था.—ि दिदोश संचार सेवा के महा-निदोशक एतद्द्यारा कलकत्ता शाखा के सहायक प्रशासन अधिकारी श्री एस. दासगुप्ता को नियगित आधार पर 26-9-81 के पूर्याहन से आगामी आदोशों तक नई दिल्ली शाखा में स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।
- सं. 1/482/81-स्था.—-विदेश संचार संवा के महा-निदेशक एतद् द्वारा मद्रास शासा के पर्यवेक्षक श्री टी. राममूर्ति को तदर्थ आधार पर अल्पकालीन साली जगह पर 2-3-81 से 18-4-81 तक और 6-7-81 से 20-7-81 तक की अविध के लिए उसी शासा में स्थानापन्त रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।
- सं. 1/342/81-स्था.—विदोध संचार सेवा के महा-निदोधक एसव्ववारा मदास शाखा के पर्यवेक्षक श्री ए. आर. श्री निवासन को तदर्थ आधार पर अल्पकालीन खाली जगह पर 2-3-81 से 23-3-81 तक की अवधि के लिए उसी शाखा में उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।
- सं. 1/288/81-स्था. निवदेश संचार सेवा के महा-निवदेशक एतव्ववारा कलकत्ता शाखा के अधीक्षक श्री स्तापेस दास को नियमित आधार पर 14-9-81 के पूर्वाह्न से आगामी आवेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सष्टायक प्रशासन अधिकारी नियक्त करते हैं।

एच . एल . मलहाँका, उप निवासक (प्रका.) कृत महानिवासक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, दोहराबान, दिनांक 18 अक्ताबर 1981

सं. 16/278/77-स्थापना-।—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महास्विद्यालय, दहरादून, ने श्री महन्द्रपाल, अनु-संधान अधिकारी (इन्डिया - डोनिडा प्रोजेक्ट) वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, दहरादून, के अधीन का दिया हुआ त्यागपत्र 7-9-81 के अपराह्न में स्वीकृत किया है।
दिनांक 8 नवस्बर 1981

मं. 16/371/81-स्थापना-।—अध्यक्ष, वन अन्संधान एवं महाविद्यालय, विहरादान, ने श्री लालजी प्रसाद, अन्संधान सहायक, प्रथम वर्ग, वन अनुसंधान मंस्थान एवं महाविद्यालय, दहरादान, को दिनांक 20-4-8। के पूर्वाह्न में उसी कार्यालय में अगले आदिशों तक सहर्ष अनुसंधान अधिकारी (प्रलेखपोषण) नियक्षत किया है।

रजत क्रमार, कुल स**च्यि** वन अनुसंधान संस्थान एवं म**हाधिद्**यालय

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाश्ल्क समाहर्तालय

भूवनेश्वर, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

ऋम सं. - 11/81---सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाशनक के समाहर्तालय, राउरकेला प्रमंडल मा - स्थापित हुए श्री ए यी के राव दिनांक 30 सितंबर 1981, दांपहर को इस विभाग से अवसर लिये।

> प्रि एन रूरली, सहायक समाहर्रा (मुख्या)

सगठन और प्रबंध सदाए

निदशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन श्लक

नई विल्ली, दिनाक 4 नवस्वर 1981

स 2/81—श्री दीप चद गुप्ता, जो कि संगठन और प्रबंध संवाए च्वित्वालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पावन शुल्क, नई विल्ली में, अतिरिक्त सहायक निद्देशक के पद पर तैनात थे विनांक 30 स्तिबर 1981 के अपराहन से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

के जे रामन, निद्योक संगठन एवं प्रबन्ध रोवाएं निद्योगस्य

निरीक्षण एव लेखा परीक्षा निदोशालय, सीमा शूल्क एव कोन्द्रीय उत्पादन शूल्क

नर्क विल्ली, विनांक 7 नवस्थर 1981

स 15/81—-श्री राक्षेश भाटिया ने, जो पहल, सहायक निद्याक, प्रशिक्षण निद्यालय, नई दिल्ली के पद पर कार्यरस थे, राजस्व विभाग के दिलाक 3-8-81 के आदेश म 144/81 (फा स ए 22012/77/81-प्रशा ।।) के ख्वारा, निरीक्षण एव लेला परीक्षा निद्यालय, सीमा श्ल्क एव केन्द्रीय उत्पादन श्ल्क के गाजियाबाद स्थित, उत्तरी प्राद्यिक यूनिट मो, स्थानातरण होने पर, दिनाक 21-8-81 (पूर्वास्न) को सहायक निद्याक, ''ग्रुप ए'' के पद का कार्यभार सम्भान लिया।

एस बी सरकार, निरीक्षण निद्येशक

केन्द्रीय जल आयोग

नहिं दिल्ली-22, दिनाक 7 नवम्बर 1981

स ए-19012/958/81-स्था- पाच--अध्यक्ष. केन्द्रीय जल आयोग, श्री डी के दास, पर्यविक्षक, को रू 650-30-740-35 810-व रो 35-880 40-1000 व रो -40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीन्यर (इंजीनियरी) के ग्रेड में स्थानापन रूप में 1 अक्तूबर, 1981 की अपराह्न से छ महीने की अविध अथवा इस पद को नियम्ति आधार पर भरा जाने तक, जो भी इहरे हा, पर्णत अस्थायी एव तदर्थ आभार पर नियक्त करते हैं।

म ए-19012/967/82-स्था पाच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री फ्लन्स राय, पर्यवेक्षक, को रा 150-30-740-35 810-द रो 35 880-40-1000-द रो -40-1200 के बेतनसान में अतिरिया महायक निद्येषक/सहायक इजीनियर (इजीनियर) के येड में 2 नवम्बर, 1981 की पर्वाइन में ल महीने की अवधि अथवा इस प्द को नियमित आधार पर भरो जाने तक, जो भी पहले हों, स्थानापन्न कप में पर्णत अरथारी एय सुदर्श आधार पर निय्वत करते हैं।

स ए-19012/980/81-स्था पाच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री बी जी राव, पर्यवैक्षक को रु 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-द रो -40 1200 के बेतनमान में अतिरिक्त सहायक निद्याक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 10 अगस्त 1981 की पूर्वाह्मन में छ महीन की अविध अथवा इस प्द को नियम्ति आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहल हा, भ्यानापम्न रूप में पूर्णत अस्थायी एवं सार्वर्थ आधार पर नियुक्त करत है।

ए भट्टाचार्य, अटर रुफिब, कन्द्रीय जट आयोग

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी विधि बोडि

कम्पीनयों के रिअस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम 1956 एव ईंनी लिली एण्ड कम्पनी (इडिया)

प्राइवेट लिम्टिंड के विषय में

बम्बर्घ, दिनाक 6 नवम्बर 1981

स 610/7831/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की भारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्यारा सूचना दी जाती हैं कि इली लिली एण्ड कम्पनी (इडिया) प्राइवेट लिमिट डे का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उकत कम्पनी विषटित हो गई है।

औमप्रकाश जैन, कम्पनियो का अतिरक्त रजिस्ट्रार,

कम्पनी अधिनियम, 1956 और काशीपूर किल्न प्राह्यटे लिमि-टोड को विषय मो

नई दिल्ली, दिराट 23 अक्तूबर 1981

म 5991/19838— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव् द्वारा यह सूचना जाती है कि इस तारीख से तीन भास के अवसान पर काशीप्रम फिल्न प्राईपेट लिम्टिंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण प्रदर्शित न किया गया तो रिजिस्ट्र में काट दिया आयेगा और उन्नत कम्पनी विघटित कर दी आयेगी।

जी वी सक्सेना, सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री कमा महोक्वरी ट्रोडिंग एण्ड चिट फण्डस्प प्राइविट लिमिटेड के विषय मो

बरलूर, दिनाक 7 नवम्बर 1981

म 1632/560/81-82-- न्यापी अधिनियम, 1956 की भारा 560 की उपधारा (3) के अनसरण में एतददवारा यह सचना दी जाती है कि इस तारील से तीन मास के अवसान पर श्री उत्मा महस्वरी ट्रेडिंग एण्ड चिट फण्डस प्राह्बेंट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विष्टित कर दी जाएगी। कम्पनी अधिनियम, 1956 और एम. आर. मेटलम प्रा. लि. के विषय मे

बंगल्र, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. 3210/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की भारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्द्यारा यह सूचना वी जाती है कि एम- आर. मेटलस प्रा. लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियस, 1956 और सूदादेर ठीरोडिन्त अन्ड चिट फण्डस प्रवेड लिमिटड के विषय मो

बंगलूर, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. 2292/560/81-82—-कम्प्नी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतब्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारील से तीन मान के अवसान पर स्वादेर ठीरेडिन्त अन्ड चिट फन्डस प्रवेड लिमिटेड का नाम इसके प्रति-कृल कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर वी जाएगी।

वि. एन. जगन्नाथ, कम्पनियों का रजिस्टार

आय-कर अपील अधिकरण बम्बर्ड-400020, दिनांक 3 तथम्बर 1981

सं. एफ 48-एडी (एटी) 81—1. श्री एम. के. वलवी, आयकर अपील अधिकरण के अध्यक्ष के वैयवितक सहायक, जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में महायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, पूणे न्यायपीठ, पूणे में विनांक 2-8-1981 (पूर्वाटन) से तीन महिनें की अधिध तक स्थाना-पन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, वे सियो, इस कार्यालय के विनांक 27-8-1981 की अधिसूचना क्षमांक एफ 48-एडी (एटी)81, को अब आयकर अधिकरण, पूणे न्यायपीठ पूणे में त्यार्थ आधार पर, अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर विनांक 2-11-1981 से 30-11-1981 तक या तब तक जबतक कि उक्त पब होतू नियमित नियुक्ति संघ लोक मेवा आयोग द्वारा नहीं की जाती, जो भी शीष्तर हो, स्थानापन्न रूप में कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपपूर्वत नियुक्ति तदर्थ आधार पर ही और यह श्री एम. के. दलवी को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रवान करोगी और उनके द्वारा तदर्थ आधारपर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्तत किये जाने की पात्रता ही प्रवान करोगी।

टी. डी. शुग्ला, अध्यक्ष

प्ररूप भाइं. टी. एस. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज , 57 , राम तीर्थ मार्ग , लखनउर

लखनऊ, विनांक 24 सितम्बर 1981

निवर्षासं जी अार्द्र आर. एम . 127 /अर्जन---अतः, मुक्ते, अमर सिंह बिसेन,

अरुपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उमित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 2.8 है तथा जो मो. सुरक्षो छावनी बरोली मों स्थित है (और इससे उपान्द्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोली में रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, **विनां**क 20-3-1981

को पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से क्षम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाकित संपरित का उचित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नेहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयुकी बाबत[्] उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

्रअतः अत्र, उक्तः अधिनियम्, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्तिलिख्त व्यक्तियों अधीत :--

2-346GI/81

1. इंग. इन्द्रजीत सिंह ।

(अन्तरका)

 (1) श्री म्यारी लाल (2) श्री धनर यामवास (3) सतीश चन्दं (4) बिशनु कुमार (5) श्रीमती रमादेवी पत्नी श्री सुरक्षचन्द्र निवासीगण मोहल्ला साहुकारा पोस्ट---किला दरोती ।

(अन्तरिती)

 उपरोक्त बिक्रेता । (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ती हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हिस्त+ बबुध किसी व्यक्ति बुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हु*ै।

आराजी प्लाट नं 28 रकवबर्द 2585 वर्गगज स्थित सुरखो छावनी तहसील व जिला बरोली व वह सम्पूर्ण सम्परित जो सेलंखीड एवं फार्म 37-जो संख्या 1269 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्टार बरोली को कार्यालय में विनांक 20-3-1981 को कियाच्का है।

> अमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनउर

तारीख: 24-9-1981

प्रकप बाई वी • एन • एर •---

अ।यकर व्यक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^नज, कलकरता

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निद^{क्षं}श सं. 947/ए.मी.क्यू. आर-।।/81-82---यत[.], मुभ्ने, आर्ष्ट्रवी.एस. जुनेजा,

कार्यकर प्रिमियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्ति वाजार मूल्य 25,000/- कें बी प्रक्षिक है

और जिसकी सं. 25 है तथा जो वटारलू स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्मय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, तारीस 4-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-कल के लिये अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबन उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिन्ध के लिए:

भतः वन, उक्त जिथिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित् व्यक्तियों अर्थातः— 1. श्री सूरिन्वर कुमार दास ।

(अन्तरक)

2. श्री अम्बर ग्रांप्रेटीस प्राइवेट लि.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति वृवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास व्यक्ति में किए जा सक्तेगे।

स्पद्धीकरणः--इसमे प्रयूवन शब्दों और पदो का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विय गया है।

अनुसूची

25, बटारलू स्ट्रीट, कलकत्ता, 19-के. 13-सी एच-जमीन पर मकान देलिल में 1646 ।

> आर्इ. वी. एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।। 54, रफीअहमद किदवार्इ रोड फलकल्ता-16~~

ता्रील : 7**-**9-1981

माहर:

प्ररूप वार्षं.टी.एन्.एस. ------

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 7 सितम्बर 1981

निद्धाः सं. 948/ए.सी.क्यू.आर-।।।/81-82--यतः, मुफ्ते, आइ.बी.एस. जुनेजा, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 25 है तथा जो वाटरलू स्ट्रीट, कलकरता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित हैं), रिजस्टीकर्ता अधिकारों के कार्यालय कलकरता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 4-3-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रिएफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उथत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्थिया
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्म अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के. अनुसरक्ष मों, मी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्थितस्यों, अर्थात् :-- 1. अरुण कुमार दास ।

(अन्तरि**ती**)

2. श्री अम्बर प्रोपिटिंस प्राइवेट लि.,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25, वटारलू स्ट्रीट कलकत्ता । 19के-13सी एच . अमीन पर मकान बलिल सं . 1645 ।

> आर्दः वी. एस. पुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) कलकत्ता-16

तारीब : 7-9-1981

प्ररूप आहर् टी . एन् . एस् .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1981

निवर्षेश सं. 949/ए.सी.क्यू.आर.-111/81-82--यतः मुक्ते, आई. बी. एस. जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 25 है तथा जो वाटरलू स्ट्रीट, कलकरता में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकरता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-3-1981

कार ख 4-3-1981 का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सी हुई किसी आये की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुधने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्मिनिखित व्यक्तियों न्यांत् :-- 1. श्रीसमरकुमारवास।

(अन्तरक)

2. अगर प्रोप्रटीज प्राइविट लि. ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पूर्वांक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछिकिस्णः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25, बाटरलू स्ट्रीट, कलकत्ता । 19 के-13 सी एच जमीन पर मकान र्वे हिस्सा देवित सं. 1647 ।

> आई. वी. एस. जुनेजा। समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।। 54, रफीअहमद किदवाई रोड कलकरता-16

तारील : 7-9-1981

प्ररूप् आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 सितम्बर 1981

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिस्का उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 8 है तथा जो बलागढ़, हुगली स्थित है (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हुगली में, रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-3-1981

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्म है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप में का थत नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा त्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

1. श्री अनाथं बन्धु घोष ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती भरना सिन्हा राय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

जमीन मकान समेत् 3क. 14 कि: माजा 8 नं. ब्लागढ़, चूचड़ा, जि. हुगुली पर स्थित, वस्तावेज सं. 1981 का 1595।

के. सिन्हां सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, कलकत्ता 54, रफीअहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

अतः अतः, उक्त अधिमियमं, की धारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थातः :---

तारील : 8-9-1981

म्हेर:

प्ररूप माई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-१, अहमदाबाव अहमदाबाद, दिनांक 15 अक्तूबर 1981

निदोश नं. पी.आर नं. 1428 अर्जन रॉज 23-। $^{\prime}$ 81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर औधनिएस, 1961 (1061 वा 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,(00/रु. से अधिक है

और जिसकी मं. सर्वो न 1935/2 बख्याण है। तथा जी सूरोन्द्र नगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्स्य, बढ्याना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम ,1908 (1908 का 16) के अधीन 24-8-81

को पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से काम के इश्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिष्ठल से, एसे इश्यमान प्रतिष्ठल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल किल निम्नलिमिन उव्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिमित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी क्षाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) ए^२. गंगाधर अमृतलाल शाह धरगघरा, जिला सुरोन्द्रनगर

(अन्तरक∦

(2) (1) श्री महोन्द्र सिंह, इन्द्रसिंह शाहुबाग, पढवाण जिला सुरोन्द्रनगर (2) पटल हरीलाल भारनलाल गांव-जुना देवालिया, तालुका-दलपद लीला सुरोन्द्रनगर (3)पटोल धरमशी उफाभार गांव-सुवादर तालुका-दलपद, जीला सुरोन्द्रनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविध्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 -के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन जिसका कृत क्षेत्रफल 38720 वर्ग पाई है, 8 एकर, जिसका सर्व्यों नं. 1935/2 और वख्वाण सुरोन्द्रनगर में स्थित है सथा जिसका पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकर्ता बढवाण विकासाता नं. 975/24-3-81 में दिया गया है।

जी सी गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

दिनांक : 15-10-81

प्रकप भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अ<mark>धीन स्</mark>चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 अक्तूबर 1981

निद्योग नं. पी. आर. नं. 1429 अर्जन रॉज 23-1[/]81~ 82---अतः मूभ्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), जी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक ह⁹ और जिसकी सं. सर्वे नं. 19/2 पैकी प्लाट नं. 7 ही तथा जो सबलपुर गांव जिला-जुनागढ़ में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जुनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1981 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तेयह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापुर्वोक्त सम्पन्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पाँप्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अप्तिरितियों) के बीच एैसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिमित उबदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे बचने में मृतिभा को लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) धा उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रमणीक लाल भगवान जी कारीया (हस्तांतरणकर्ता)
- (2) श्री बाल मुकन्द बंसीलाल जोशी, इस्पात ट्रोडिंग कं. 7, लारी प्लाट, राजकाटे। (हस्तांतरिती)

कार्य शह सूचना जारी करके पृत्रांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी गविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् जिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पोरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 6734 वर्ग मीटर है जिसका सबे मं. 19/2 पैकी प्लाट मं. 7 तथा जो गांव सबलपुर जिला-ज्नागढ़ में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता जूनागढ़ विकिश्वाता नं. 1913/ मार्च 1981 में विया गया है।

> जी सी गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

विनोक: 15-10-81

मोहर 🗄

प्रकप् आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 अक्तूबर 1981

निथिश नं, पी.आर. नं. 1430 अर्जन रंज 23-। [/]81-82---अतः स्फो, जी. सी. गर्ग, आयकाः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्मे इसके पदचात् 'उक्तः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,∪00/-रा. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. सर्वें नं. 19/2 पैकी प्लाट नं. 8 है तथा जो सबलपुर जिला-जूनागढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुस्ती मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावय, जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन मार्च 1981 को पूर्वोक्ति सम्पत्सि के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसको दश्यभान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त) रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल. निम्नलिखित उदब हेय से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, मुर्थात् :---

(1) श्री रमणीक साल भगवान जी कारीया

(अन्तरक)

(2) श्री रामिकशन भारत्वान पटोल के आफ इस्पात ट्रोडिंग कंपनी 8, लाटी बाजार, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पळीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 3416 वर्ग मीटर है तथा जिसका जूनागढ़ में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीफार्म, जूनागढ़ बिकी खत गं 1911 मार्च, 1981 में विया गया है। सबें नं 19/2 चैफी प्लाट नं 8 तथा जो गांव सबालपूर जिला पैकी।

जी सी गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (रिरक्षिण) अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

विनांक : 15-10-81

प्ररूप आहु . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 सितम्बर 1981

आदेश संख्या राज/सहा. आ. अर्जन/1053---यतः म्फ्रो, एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक **है**

और जिसकी सं. आवासीय मकान है तथा जो चौमू मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरें में, रीजस्ट्रीकरण अभिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी**ख** 9-3-- .

को पूर्वाकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपति का उचित गाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफाल से एसे इध्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उसन अधिनियम की धारा 269-ग की, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) डा. रमा कान्त प्रोहित पुत्र बन्सीलाल जी, बर्तमान में राजकीय चिकित्सालय फ्लेरा, जिला जयपुर (अन्तरक)
- (2) बजरण लाल प्त्र छोतरमल अग्रवाल निवासी चाम् जिला जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचनाक्रो राजपत्र में प्रकाशन की तारील सी 45 दिन की अविध या तत्संबंभी व्यक्तियों सूचना की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीक रणः -- इ.स.में प्रयुक्त शब्दाें और पदाें का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्तर अध्याय में विष्या गया है।

अनुसूची

अविभाजित आधा भाग, प्रोहितों के माहल्ले में स्थित मकान सम्पत्ति का जो उप पंजियक, आमीर द्वारा कम संख्या 130 दिनाक 9-3-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणिंस है।

> एमः एल चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, जयपूर

तारील : 14-9-1981

मोहर:

3-346GI/81

प्ररूप आइ .टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 सितम्बर 1981

आदोश संख्या राज. महा. आ. अर्जन/1059——यतं: मूके, एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रहा से अधिक है

और जिसकी स. आवासीय मैंयान हु तथा जो चौम् (जयप्र) में स्थित है, (और इससे उपाइद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजम्हीकार्ता अधिकारी के कार्यालय आमेर में, रिजम्हीकरण अधिनिष्म 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-3-1981

करों पूर्वा बित सम्पत्ति के उणित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उणित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल, निम्नलिणित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है..--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धीने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १००२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, १००२ या धन-कर अधिनियम, १०६० (१०६० का २००) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ब्लिया स्विधा के सिए;

ज्तः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्तरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्निशिखित व्यक्तियों स्थित् :--

- (1) डा. रमाकान्त पुरोहित पुत्र श्री बंशीसाल जी, राज-कीय जिकित्सालय, फुलेरा जिला जयपुर
- (2) श्री छोतरमल पुत्र भवरलाल अग्रवाल निवासी श्रीमू जिला जयपुर (अन्तरिती)

को यह सुबना जारो करके पूर्वीकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासु लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

मोहल्ला परोहितान, चौमू में स्थित आवासीय मकभन में आधां भाग, जी उप पंजियक, आमेर ब्वारा कम संख्या 129 दिनांक 9-3-81 पर पंजिबब्ध विकास पत्र-में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम. एल. चहानि सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरजे, जयपुर

तारीख : 14-9-1981

मोहर 🕫

प्रकम बाइं.टी.एन्.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

शारत चरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयप्र

जयपूर, दिनांक 12 अक्तूबर 1981

आदोश रांख्या राज/सहा . आ अर्जन 1061--यत : मुक्ते, ए.म. एल. चौहान,

वायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है' कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000 र र. से अधिक है

और जिसकी सं. फौक्टरी शेंड है तथा जो महन गंज सं स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय किशनगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-4-198।

को प्रवेक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिस उद्वेदश्य से उस्त अन्तरण निस्ति में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरम् से हुई किसी जाग की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी नाम या किसी भून मा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकष्ट महीं किया प्रवा का वा किया जाना वाहिए था कियाने में स्विभा के विष्णा

जत: अब, उक्त ऑफिनियम की भारा 269-ग के, अमुसरण में, में, उक्त अधिमियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) श्री पन्ना लाल बल्द मदनचन्द वरिष्ठया, साहेनलाल पुत्र सुगनचॅद गर्ग, रामिनवास पुत्र बजर गलाल गायल निवासी मदनगंज मैसर्स प्रोम, प्रिन्टिंग एण्ड डायंग फौक्टरी के भागीदार

(अन्तरक)

(2) श्री बंबकीनन्दन पुत्र मोतीलाल, मोहरी बार्ड धर्म-पत्नि मोती लाल कारीवाल, पुष्पावंवी धर्मपत्नि आम-प्रकाश कारीवाल जो मैस्स राजकृष्ण री फैक्टरी के मालिक हैं जि. जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

ं अमृस्ची

चन्द्रा कालांनी, भदनगज, किशनगढ़ मा स्थित है फौक्टरी शैंड जो उप पण्डियक, किशनगढ़ जिला अजमेर द्वारा कम संख्या 253 दिनाक 10-4-81 पर पंजिबद्ध विकास पत्र मो और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम. एल. चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

तारीख़ : 12-10-81

प्रकृप साई•डी•इन•एस•--

आयुक्तर **व्यक्तिमन, 1961 (1961 का 43) की धारा** 26**9-व (1) के प्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, विनांक 12 अक्तूबर 1981

आदशे संख्या राज/सहा. आ. अर्जन/1062--- यतः मुक्ते, एम. एल. चौहान,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 45) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं. आंपन प्लाट है तथा जो डीडवाना में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डीडवाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियमं 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29 अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है धीर मुझे बह विश्वास करने का कारण है कि युवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित क्षाआर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पम्बह प्रतिगत से धिषक है धीर धम्तरक (धम्तरकों) धीर धम्तरिती (धम्तरितियों) के बीद ऐसे जम्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिकल, मिम्नलिखित उद्दश्य से उस्त धम्तरण निखित में वास्तविक कप से कथिल नहीं किया गया है। --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बावत, उनत अधितियम के अधीन भर देने के अम्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अव, उक्त मिविनियम की धारा 269-म के सनुसरण में, में, उक्त मिविनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्री लक्ष्मीनारायण पुत्र मनसुखदासभूदङा नि. डीडवाना ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री मांगीलाल, औमप्रकाश, चैनाराम, बल्ला-राम, कमलेश कुमार पुत्रान सुन्डाराम माली निवासी छीडवाना । (अन्तरिती)

को यह सूत्रता नारी चरके पुर्वोतन सम्पत्ति के मुर्जन के लिए कार्यवा**हियां कर**ता हुं।

उक्त समात्ति के अर्जन के लंबंघ में कोई भी आक्षेप ।---

- (क) इत सूचना क राज्यत्र में प्रकातन की तारीख में 45 दिन की घवछि-या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर प्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी घवछ चाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजरज में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य स्थक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में । क्ये जा सर्वेगे.

स्रव्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्रों और पद्यों का, जो 'उक्त प्रधिनियम' के प्रस्थाय 20-क में परिमाणित हैं, बही अर्थ होगा जो उस घटवाय में दिया गया है।

अनुसूची

आंपन प्लाट आफ लेण्ड, स्टोशन रोड़, डीडवाना जो उप पंजि-यक, डीडवाना द्वारा दिनांक / 229-4-8। पर पंजिबक्ष विकास पत्र मो और विस्तृत रूप से विविणित हो।

> एम. एल. चीहान सक्षम प्राधिकारी **बहायुक आयुक्त (नि<u>र</u>क्षिण्)** अर्जन रॉज, जयपुर

तारी**ल** : 12-10-81

प्ररूप काइं. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 क ▲3) की भारा 269-ष (1) के बुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निर्नीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अक्तूबर 1981

आदेश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1063——यतः मुक्ते, एम. एन. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं होटेल हैं तथा जो आबूरोड़ में स्थित हैं, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आबूरोड़ मो, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 फरवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मैल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी. करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

- (1) श्री इजाहीम भाई हबीबभाई 2. हूरीबाई हाजी हजीबभाई, 3. हलीबाई अब्दुल रहीम 4. हनीफा- वाई परिन गुलाम हुसैन, 5. हूरी बाई परिन ईसमाईन 6. रहीमभाई हाजी हबीबभाई 7. गुलामहुसैन हाजी हबीबभाई नि. रसूलपूर तालुक्का महसाना गुजरात
- (2) (1) श्री भंवर लाल सुरोश चन्द्र बापना पुत्र छोगगमल जी बापना निवासी सिरोही हाल मदास 2. मुकेश कुमार कल्याण मल मोदी निवासी सिरोहीहाल आबुरोड़।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

अबूरोड़ मो माउन्ट रोड पर स्थित एवरोस्ट हाटल, आं उप पंजियक, आबूरोड़ द्वारा कम संख्या 74/81 दिनांक 18-2-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और बिस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम. एल. **चीहा**न) सक्षम प्राधिकारी सहाय**क** आय**क** आ<mark>यक (निरीक्षण)</mark> अर्जन रजे, जयपर

तारीख: 12-10-81

मोहरः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त अर्जन रॅज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अक्तूबर 1981

आदोश संख्या राज /सहा आ. अर्जन/1064—स्वतः मुक्तं, एम. एलः चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुत से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं 60 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से वर्णित हैं) रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 फरवरी 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण विश्वित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाम की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविक के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी' आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्धातः :---

- (1) श्री श्यामसुन्वर पिता शोभानाल गेलखानिवासी उदयपुर (मन्तरक)
- (2) श्री षीस लाल पुत्र मोहन लाल चणलिया व रमेश चन्द्र पिता रामस्बरूप जी गुप्ता निवासी उदयपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके. पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में ।'दसा गया है।

अनुस्ची

प्लाट नं. 60 वाके उदयपुर गेलडा कालांनी में स्थित है और उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा कमें संख्या 325 दिनांक 19-2-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम एल **वौहा**न सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक श्रायकर श्रायुक्त अर्जन रॉज, जयपुर

नारीख : 12·10-81

मोहरः

प्रकृप बाइ . टी. ऐन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 12 अक्तूबर 1981

आदेश संख्या राज ं /सहा आ अर्जन / 1065——यतः मुक्ते, एम एल घोहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रत. में अधिक हैं और जिसकी सं लगरा नं 267 हैं तथा जो ब्यावर में स्थित हैं, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं) रिजस्ट्रीक तो अधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रिजस्ट्रीक रण अधिनयम 1908 का 16) के अधीन, तारील 6 फरनरी 1981 को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विष्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रस्यमान प्रतिफल से, एसे द्रस्यमान प्रतिफल का जन्दह प्रतिगत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उब्दारेय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक

रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

लत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग वं अन्यरण मी, मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेजिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री माणक चन्द वजाज वल्य चांदमलंजी क्जाज किंगी मोहल्ला ब्यावर जिला अजमेर
 - (अन्तरक)
- (2) श्री साहानानान उर्फा भनका मंदवर ६ ल्द चान्दमलजी बजाज निवासी डिग्गी मोहल्ला ब्यावर जिला अजमेर (अन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वावत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से कियो व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिलक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वम्सूची'

मौजा नरसिंहपुरा तहसील ब्यावर की अचल सम्परित खाता नं . 13 साबिक खंसरा नं . 267 का दक्षिण भाग मय कोठिरिया निस्फं बंगला कुआ कोठा महित जो उप पंजियक, , ब्यावर द्वारा कम्मं संख्या 523 दिनांक 6-2-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विम्मृत रूप में विद्यारणित हैं।

> एकः एचः **चीहान** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) दर्जन रॉज, जयपुर

तारील 12-10-81 मो**हर** प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस.------

.(1) श्री सी. मुनिस्वामी

(अन्तरक)

(2) मंडम सरमा दनम

(अन्तरिती)

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 15 अक्तूबर 1981

निवोश सं. 9261--अतः मुभ्के, राधा बालकृष्नं, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-🛡 को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण $m{g}^{\dagger}$ कि स्थावर संपत्ति जिसका उत्तित बाजार मुल्य 25,000/-उत्त. से अधिक हैं। और जिसकी मं. सखे 192/5 है, जो राजाजि नगर ओलकरे में स्थित हैं (और उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओलुकरे (ठाकूमेट सं. 122/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 81 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम को दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफाम से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उदबोरम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए. श्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य अनस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वाक्त सम्पत्ति</u> के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविध या तत्मम्बन्धीः व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो अक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि और निर्माण सर्वे स. 192/5 राजाजिन नगर, पोंडी

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-।।, मक्रास

तारीख : 15-10-81

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की रण्धारा (1) के अभीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

भूकप् कार्ष. टो. एत्., एस. ----

बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मक्रास

मद्राम, दिनाक 14 अक्तूबर 1981

11342--अत मुफ्ते, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित गाजार मुख्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी स सबे 225, है जो किट्टामपालयम मूहे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कायम्बट्र (डाक्-मोट सं 1216/81) मो रिजम्द्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1981

को पर्वोक्त सपस्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (मन्तरितयों) के भीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फान निम्नलिखित उद्योदय से उत्कत अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसीं बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; मौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियस की धारा 269-घ की उपभारा (1) अ बधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात् :---4-346GI/81

(1) श्री मृत्तप्पा गौडर और अदर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस सरसबती

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु:।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;
 - (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि-सर्वे स 225, किट्टामपालयम (डाक्रमेट स 1216/80) |

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, मकारू

सारीख - 14-10-81 मोडर:

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रांज, मद्राम

मद्रास, दिनांक 14 अक्तूबर 1981

निविश सं. 11342--यतः मुभ्ते, राधा बालकृष्न, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) इसके परकात 'उक्क अधिनियम' कहा गया 🐉), की धारा 269-ख के अथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि** स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / रु. से अधिक **है** और जिसकी सं. सर्वें सं. 225, है जो किट्टामपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमवट्टर (डाकर्मोंट स. 1217/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मृत्तप्पा गाँडर और अदर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीजी जयश्री

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वांक्त सम्पृत्ति को अर्जन को सिए कार्यमाहियां करता हूं।

े उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछ्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वतसंची

भूमि-सर्वे सं. 225, किट्टामपालयम (डाकर्मेट सं. 1217/81)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात्:---

तारीख: 14-10-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेज, मद्रास

मन्नाम, दिनांक 14 अक्तूबर 1981

निद्ये मं. 11342—यतः मुक्ते, राधा बालकृष्णन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जिसकी सं. मर्वों सं. 225, हैं जो किट्टापालयम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबट्टर (डाकू-मेंट सं. 1218/81 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरदरी, 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रेतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्या में काथा गरी है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधि-नियम के ब्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मुर्थात् हि—— (1) श्री मृत्तप्पा गींडर और अदर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जी. बानिश्री।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखिन में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसर्में प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो धक्त श्रधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

भूमि-सर्वे सं. 225, किट्टासुपालयम (डाक्रूमेंट सं. 1218/81)।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, मदास

तारीख: 14-10-81

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०--

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के समीन सुनवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मन्नास

मदास, दिनांक 14 अक्तूबर 1981

निदंश सं. 9343---यतः मुभी, राधा बालकृष्णन, श्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें काले पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्रुप से अधिक है

और जिसकी मं. 3/9, है जो गोपाल राइस मिल्स स्ट्रीट, क्मारिलंगम, उठ्मलपेट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, किनयूर (डाक्यूमेंट सं. 133/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य है वस्त धन्तरण निखन में वास्तिकृत कर से कथिन नहीं किया गया है:——

- (हः) अस्तरण से तुई किसी आय श्री शावत स्वत अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी श्रायया किसी वन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिंकियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री मृत् गोपाल चेट्टियार।

(अंतरक)

(2) श्री नागूर मीरा रावतर।

(अंसरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि थो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो छक्त मिलियम के भन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस भन्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि, निर्माण मशीनरी-गोपाल राइस मिल, कुमारिलंगम, (डाकूमेंट सुं. 133/81)।

राधा बालकृष्णन **युक्तम् प्रा**धिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, मद्रास

तारीख: 14-10-81

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, मद्रास मद्रास, दिनांक 14 अक्सूबर 1981

निविध सं. 16131---यनः मुभ्ते, राधा बालकृष्नं, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000 / रत. से अधिक **है** और जिसकी सं. 178, है जो सेयनट मेरीस रांड मदास-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास स्त्रीत (ठाकड़में ट सं. 302/81) में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 81 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के रक्यमान गतिकल को लिए अन्तरित की, गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्ते संपत्ति का उपित बाजार मुल्थ, उसके रूपमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल का रन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निष्निस्तित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रीरविषंद्रन

(ध्रन्तरक)

(2) श्री कृष्नसरफ, उद्यासरफ, अनिल सरफ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिहर्या करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में ब्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तिसों में से किसी स्वित बुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि और निर्माण-178, संयनट मेरीस रोड, मद्रास-18 (ठाकू सेंट सं. 302/81) ।

राधा बालकृष्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, मद्रास

ता्रीख : 14-10-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रूज-।।, मन्नास

मद्रास, दिनांक 14 अक्तूबर 1981

निदोश सं. 16137--यतः मुक्ते, राधा बालकृष्णन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को मधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मृल्य 25,000 / रह. से अधिक हैं और जिसकी सं. 9, हैं जो कप्पूम्बिल स्ट्रीट, मद्रास-5 में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लिकेन (डाक_भेंट सं. 88/81) मं रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 81 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह दिख्यास करने का कारण है कि संभापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, ऐसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल. निम्नलिखित उवदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतियक रूप से कथित महीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्विस व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री दक्कान एस्टेटस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन. सुगलचन्य, चंदरा बाय।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रमुसूची

भूमि और निर्माण-9, कप्पु मृतु मृदिल स्ट्रीट, मदास-5। (डाक्]मेंट सं. 88/81)।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन <u>रोजनार</u>, मद्रास

तारीय : 14-10-81

मोष्टर 🗄

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्राम

मद्राम, विनाक 14 अक्तूबर 1981

निवंश म. 16149—यत मुक्ते, राधा बालकृष्म, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं 14, है जो विसर्वसवर म्ट्रीट, मद्रास-4 में स्थित है (और इसमें उपाबव्ध में और पूर्ण रूप स वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, मैलायूर (ठाक्म डे म 314/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 81

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कर से किथान नहीं किया गया है।——

- (क) अनुस्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-गृक अनुसरण में, मैं, एक्त अधिनियन की धारा 269-म की छपक्रारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री रा. के. सियरामकृष्नं

(अन्तरक)

(2) श्री एस ए बिक्र वोरकस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति को वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण '---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भगुतुची

भूमि और निर्माण-14, विसवेसवरपुरम स्ट्रीट, (ठाकूमें ट सं. 314/81) ।

रीक्षा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, मद्रास

ता्रीख: 14-10-81

प्रकप नार्ह. टी. एन्. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अक्तबर 1981

निद`श सं. 16133--यतः मुर्फे, राधा बालकुष्तं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपर्तिस जिसका उचित बाजार मृल्य और जिसकी सं. 95 , 96/1 , है जो अन्ना सालै मम्रास-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी. नगर (ठाकुमेट सं. 223/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 81 का, प्राधिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती

(अंतीरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

विक रूप से कि थित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

(1) श्री हाजी एन. अबदाल राजाक

(अन्तरक)

(2) श्री राम. सोहमद फरूक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विनुकी अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा :
- (क्त) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीचसे 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भूमी और निर्माण-95, 96/1, अन्ना साल 3 , भद्रास सी/8रोड, ठाका मेंट सं. 223/81)।

> राधा बालकुष्नं सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, मकास

बतः बंध, सबत अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

तारीख: 14-10-81

प्ररूप आर्इ.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, मद्रास

मदास, दिनाक 15 अक्तूबर 1981

निर्वोश मं 16145—यतः मुक्ते, राधा बालांकृष्णं, आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 16) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकों सं 11, बेमकटाचन मूबीन 1 नेन हैं जो मदाम 14 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेलायूर (डाक्रूमेट सं. 284/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, फरवरी 81 को पूर्वों क्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उन्ति काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 5-346GI/81 (1) श्री पी. धनेशमल सीकार और पुशपा बाय राजा मोहमद

(अन्तरक)

(2) श्री कामरुजीनसा

(अन्तरि**ती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जलत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण-।।, वेनकटाचल मृदिलि -। लेन, मन्नास- 14 (डाक्रमेंट सं. 284/81) ।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रज, मद्रास

नारीच 15-10-81 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 अक्तूबर 1981

निवंश मं. 16340—यत. मुभे, राधा बालकृष्तं, आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी मं 208/।-4, है जो पीटरम रोड मद्राम-14 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण से वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्राम नार्थ (ठाकूमेट मं. 516/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवारी 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उन्तिन बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुभे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक स्प से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई टिकसी जाय की बायत , उक्त अटियुक्त के अधीन कर वर्ग के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बुक्ते में सुविधा के सिए? बॉट/वा
- (क) एसी हिन्सी आयं वा किसी पून या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

मतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अक्षे अधीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों अधीत्। —— (1) हबीब्निमा और अवरम

(अन्तरक)

(2) श्री कट्ब और अदरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उकत अधिनिम्म, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया एया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण-208/1--4, पीटरस रोड मद्रास-14, (ठाक्मेट सं. 516/81)।

राधा बालकृष्तं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज , मक्सस

तारीख : 15-10-81

सील :

प्ररूप भाइ . टी. एन . एस . -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्राम

मदास, दिनाक 14 अक्तूबर 1981

निद्देशे सं. 11295-~यतः सभ्ते, राधा बालकष्नं, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रत. से अधिक ह^{*} और जिसकी सं. पंरियवलवाठि है, जो उठ्मलपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिनियम के कार्यालय, उठामलमंड (ठाकामंट सं. 504/ 81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क्या 16) के अधीन, फरवरी, 81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करा का कारण है कि यथापवाँक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अनहीरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेदण से उक्त अन्तरण निवित में बास्त्विक रूप से किशत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपान में सुद्धिभा के लिए;

(1) श्री जगदीशचन्द्रन

(अन्तरक)

(2) श्री रतीन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के िल्ए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपृ:--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारी करों 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखितु में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्**ची**

भूमी-पीरियवलवाठि (ठाकुमें ट सं 504/81) ।

राधा बालकृष्नं सक्षम् प्राधिकारी सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज्-4, कलकत्ता,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् ६--

तारीख: 15-10-81

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----(1) श्री एस. पठिमिनि

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन स्वना

(2) श्री एस. पुरुशांतभन चारुमति

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अक्तूबर 1981

निद्येश सं. 16147---यतः मुभ्ते, राधा बालकृष्नं, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रु. से **अधिक ह**ैं__ 25,000/ रु. संआधिक हु____ ___ __ __ __ ___ __ __ और जिसकी संप्लाट 6, 101, केन्क श्रीनगर हैं, जो कतद्रल रोड मदास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलावूर (ठाकूमें ट सं. 259/81) में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, फरवरी 81 को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक 👺प से कथित नहीं किया गया 🗗 🖫 --

- (क) अन्तरण सेहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्रो, जिन्हें भारतीय अगय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थअन्तरिती बुवाराप्रकट नहीं किया गया भाषा कियाजाना चाहिए था छिपाने में स्विधाके लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख)•इस स्चना के राजपत्र में प्रकाश्वन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगाओं उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लाट सं. 6, 101, कनक श्री नगर कलद्रल रोड, मद्रास ठाकुमेट मं. 259/81)।

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्रास

बत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-गुके, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 2.69-च की उपधारा (1) **को अभी**न निमनलिखित व्यक्तियों व्यक्ति्ध~=

तारीख : 16-10-81

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र ज, मद्राम

मद्रासं, दिनांक 16 अक्तूबर 1981

निद्देश सं 16147— यतः मुक्तं, राधा बालकृष्णनं, आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसक सं. प्लाट 4, हैं जो 101, कनक श्री नगर कथै-इत रोड, मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्समेट सं 258/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1981

की पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्ट्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; गौर/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ध-÷ (1) श्री एम पदिमनी

(अन्तरक)

(2) मीरा दीनदयाल केमलानि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपूत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट 4, 101, कनक श्री नगर कैथेड्रल रोड, मद्रास (डाक्र्येट सं 258/81)।

राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, मद्रास

ता्रीब : 16-10-81

प्ररूप भाई• टी॰ एन• एस॰----

भाग्कर भिभिनसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

'अर्जन रोज, मद्रास

मकास, विनांक 16 अक्तूबर 1981

निवंश सं. 16147—यतः मुक्ते, राधा बालकृष्णन, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लाट 1, 2, 3, 7, 101, कनक श्री नगर है, जो कैंथेडेज़ राड, मन्नास में स्थित है (और इससे उपायस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वि<u>र्णित हैं)</u>, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, माम्रलापुर (डाक् मेंट सं. 257/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का काएण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अग्नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या वक्के वचने में सुविधा के लिए; खौर/या;
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी बन या पण्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर घिक्षिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत घिष्ठित्वम, या धन-कर घिष्ठित्वम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्ञ: धव; उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के संग्रीम, मिक्नलिखित व्यक्तिमों, अर्वात :--- (1) एस. पदमिनी।

(अन्तरक)

(2) इनटरनेशनल दुंडर्स ।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध या तस्त्रंकी व्यक्तियों पर सूचन की सामीच से 30 विन की धविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्थाकरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, बो नेक्त अधिनियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट सं. 1, 2, 3, 7, 101, कनक श्री नगर, कैथेड्रल रोड, मुद्रास (डाक्यूमेंट सं. 257/81) ।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रॉज, मद्रास

तारीख : 16-10-81

प्ररूप आई. टौ. एन. एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के मधीन स्चना

(अन्तरक)

(2) श्री सी. रामरत्नम

(1) श्री सिनितिया द लिमसिग

(अन्सरिती)

भारत बद्धकाड

कार्यालय, तहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 अक्तबर 1981

निर्दोश नं. 16154--यत , मुभ्ते. राधा बालकृष्त, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं रा.-82, अटूर है जो शास्त्री नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सैदापेट (ठाक-मेट मं 335/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1981

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित गाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रक्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के मिए;

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के भूर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि और निर्माण-।।, XII कास शास्त्री नगर, मद्रास-20 (ठाक_ूमें ट सं. 335/81) ।

> राधा बालकष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियमः की भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए--

तारीस : 15-10-1981

मृहिर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनाक 16 अक्तूबर 1981

निर्दोश सं. 16147—यतः मुक्ते, राधा बालकृष्म, आयक र अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/—रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. प्लाट 8, 101, कनक श्रीनगर है जो कतीठल रोड, मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, मैलापूर (डाक्रूमेंट सं. 261/81) में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1981 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान

नजिए अन्तरित को उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्ति को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्ग, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तिब्क कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गावत, उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे गुभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् %-- (1) श्रीमती राम पठिमिनी

(अन्तरक)

(2) श्री के आर. राज क्मार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षोप:~

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्लाट 8, 101, कनक श्रीनगर कतीठूल रोड, मद्रास (डाक्रूमेट सं. 261/81) ।

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मद्रासु

ता<mark>्रील : 16-10-198</mark>1

मोहर ः

प्रस्प आहां. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज-।।, मदास

मदास, दिनांक 16 अक्तूबर 1981

निर्दोश सं. 16147—यतः मुक्ते, राधा बालकृष्णं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. प्लाट 5, 101, कनक श्रीनगर हैं जो कैथे- इन रोड, मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्यूमेंट सं. 260/81) में रजिस्ट्रीकरण विधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए लिसिटारत की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मूह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से विश्वत गही किया गया है. --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 6—346 GI/81 (1) श्रीमती एस. पविमनी ।

(अन्तरक)

(2) ट्रांसपोर्ट कार्पोरोशन आफ इण्डिया लिमिटोड। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट 5, 101, कनक श्रीनगर कैथेड्रल रोड, मद्रास (डाक्रूमेट सं. 260/81)।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मद्राम

तारी**ख**ः 16-10-1981

प्ररूप आहु .टी .एन .एस . -----

(1) श्रीमती एस पठिमनी

(अन्तरक)

(2) श्री प्रंटबुराय पी. शा

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व(1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्तत (निरीक्षण)

अर्जन रिंज-।।, मदास

मद्राम, दिनांक 16 अक्तूबर 1981

निर्देश सं. 16147---यतः मुभ्ने, राधा बालकृष्नं भायकर णिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रु. से अधिक हैं और जिसकी सं्ष्लाट 9, है जो 101 कनक श्रीनगर कतीडूल रोड, मद्राम मे रिथत है (और इससे उपादद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यातय, में लापूर (डाक्रूकेट सं. 262/81) में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1981 की पर्वोक्ति संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान भ्रातिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप ने किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कार्यवाहियां करता हुं। उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-•

बारे यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दनारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पद्धिकरण—इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट 9, 101, कनक श्रीनगर, कतीकथेंड्रल रोंड, मंद्रास (क्रांक मेंट सं. 262/81)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्रापिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मद्रास

तारीख : 16-10-1981 मोहर*:*

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण की मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलि<u>ष्</u>त व्यक्तियों अर्थात् ह—

प्ररूप आहर् . टो . एन . एस . -------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अक्तूबर 1981

निर्दोश सं. 16269--यतः मुक्ते, राधा बालकृष्न, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं 34 है जो ।। मेयन रोड, मद्रास-20 मे स्थित ही (और इससे उपाबद्ध जनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक्रमेंट सं 823/81) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक ह °और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के त्वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरणा लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; आरे/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात्;—— (1) श्री सुन्वर राज मूपनार

(अन्तरक)

(2) श्री सी एस . न्रसिमहन और अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-.
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-34, ।। संयन रोड, मक्सस-20 (डाक् मेट सं. 823/81)।

राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मद्रास

तारी**ख** : 16-10-1981

मोहर 🖯

प्रहा आई० टी० एत० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के घडीन सूचना

मारत सरकार

कार्याक्षा, सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्झ दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नथम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीक्न-1/एस-आर-3/3-81/3045 -चूं कि मैं, आर. बी. एस. अन्नवाल, अभ्यकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विसक्ता उचित बाजार मृहय 25,000/-र• से श्रधिक है

जिसकी संख्या 146 है एव जो सुन्दर नगर, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसुची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय मे दिनाक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्ट कन्सीडर भन) पर हस्तान्तरित कर वी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है पौर मुझे यह विण्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकत का पन्डह प्रतिशत से भिधक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रिक्तिन, निम्नलिकित छहेश्य से उन्त धन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कवित नहीं किया गया है:--

- (有) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बाह्य-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भविनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :---

(1) श्री नम मन्द रिकीयन, निवासी 146, सन्दर नगर, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अविनास चोपडा और श्रीमती स्था चोपडा, 146-सुन्दर नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई माक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उन्त स्थावर मम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकेंगे।

स्पट्टी तरमः :--इमर्ने प्रयुक्त शब्दों और पनों का, जो सकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उदय अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 146, सुन्दर नगर, नर्इ दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नर्इ दिल्ली

दिनाक 6-11-1981 मोहर :

प्राक्षप धाई• टी• एन• एस•---

आप्कर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के समीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज . 'एच' ब्लाक . दिकास भवन . इन्द्रप्रस्थ स

अर्जन र^{*}ज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नद्र^{*} विल्ली-110002

नर्द्द दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 ति. य. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3029—चूं कि में, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त मधितियम' कहा गया है), की धारा 269—खं के मधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्पए से मधिक है

जिसकी संख्या 34, ब्लीक 'सी' है एवं जो वेस्ट एन्ड कालोनी में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्ट कन्सीडर रून) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पृश्य से कम के दृश्यमान प्रितिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिक्तत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल का पन्द्रह प्रतिगासे पिष्ठक है और मन्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखाउ में नास्त्रित क्य से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी पाय की वाबत जनत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ुर्धिके क्रिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिर्धिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धिनयम, या धन-कर भिर्धिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

. अतः अय, उस्त भिधिनियम की भारा 269-व के बनुबरण में, में, उस्त प्रिमियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीस :--

- (1) श्री के डी. संठी, निवासी 126 ए/डी, गांधी नगर, जम्मू। (अन्तरक)
- (2) श्री प्रेम पटनायक, 2-सेन्ट्रल एवन्यु, महारानी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जाकी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, औ भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में छे किसी व्यक्ति दारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जगत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रम्थ स्थावित हारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपक्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो छस ग्रह्माय में विया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 34, ब्लौक 'सी' क्षेत्रफल 502 वर्ग गज, वंस्टएन्ड कालोनी, नर्इ विस्ली।

> आर. बी. एल. अग्रवाल 'सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुज-।, नर्ह दिल्ली

विनीक : 6-11-1981 -----

सोहर:

प्ररूप आहु. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नहीं दिल्ली-110002

नर्द्ध दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

सदर्भ 3 नि . स . आ . आ . /एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/2992 -- चूकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है जिसकी सख्या ई-38 है एवं जो ग्रेटर कौलाश-2 में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय मे दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट पतिफल (अपार्टेंट कन्सीडर इन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है को पूर्वीक्स संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रिंतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की याबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीम् :----

(1) डा. क्लदीप सिंह द्वारा पावर आफ अटर्नी श्री सरण पाल सिंह, एम-161, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी. एम. सरवाण, ए-1/133, सफदर-जंग इनक्लेब, नुई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृशारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति न्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्चो

र्ष-38, ग्रेटर कैलाश, नर्ष दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

दिनाक : 6-11-198**1**

সক্ত্য আছু ০ লী ১ থেব০ থেব০ 🗕

कायमर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लाक, रिकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्ड दिल्ली-110002

नर्दं विल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ ३ दि स आ आ /एक्वीजीक्षन-1/एस-आर-3/3-81/2986—-चूकि मैं, आर. बी. एत. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका अधिन बाजार ग्रन्थ 25,000/- रु. स अधिक है

जिसकी गंख्या 110 है एवं जो बावर रोड में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण मंलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नहीं दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 जो हानी अकट प्रतिकृत (अपार्ट कन्मीडरोशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंततिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्श्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण रा हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएय में करी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का ?7) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गगा था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा क लिए,

अतः अब, उन्तत अधिनियम, की भारा 269-गृ के अनुसुरुण के, मी, उन्ना अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्कृतिसित् क्यास्तियों सुर्भातः— (1) श्री श्याम सुन्दर और शिव सुन्दर, शिवासी 69-नव जीवन विहार, नई दिल्ली, कटिज-40, फ्रोन्डम कालोनी इस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) में. प्रविन विल्डींग कन्सट्रक्सन के. प्रा. लि., एल-2/2, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोंडे भी आक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी ब्याक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेम्साक्षरी के गम लिखा मा जिए का सक्तरों।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहाँ अर्थ होगा के उस अध्याय भें विद्या गया हो।

अनुसूची

प्रो. नं. 110, बाबर रोड, नर्ड दिल्ली, एरीया 785 **बर्ग** गजा।

> आर. बी. एत. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र^जन-।, नर्झ दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981 मोहर; प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्ड दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3060—=चंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रत से अधिक **ह**ै जिसकी संख्या सी-50 है एवं जो ग्रेटर कौलाश-। में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची मे दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 की 16वीं) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नहीं दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टेंट कन्सीहर रून) पर हस्तान्तरित कर दी गई है को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाें) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्युष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अभने में सूविधा के लिए; और/या

रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री रजन राय और श्रीमती रीना राय ब्वारा जी/ए, श्री ए. के. राय, निवासी सी-162, किफोन्स कालोनी, नहीं विल्ली।

(अन्तरका)

(2) श्रीमती कमलेश गुप्ता पत्नी श्री बी. के. गुप्ता, निवासी इ-31, कमला नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्तु सम्मत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषों कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. सी-50, ग्रेटर कैलाश-।, नर्झ दिल्ली, 500 वर्ग गजा।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजि-।, नई दिल्ली

विमान : 6-11-1981

प्ररूप आहुरै.टी.एन.एस.-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मिन्नी सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, 'एम्च' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्इ दिल्ली-110002

नर्द दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ /एक्बीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/2984—चू कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए से ग्रधिक है

जिसकी संख्या सी-68 है एवं जो महारानी बाग में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अन्मूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्ट कन्सीडर फ्रेंग) पर हस्तान्तरित कर दी गई हैं को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रातश्वत से प्रविक है भीर अन्तरित (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गश प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक हम ने किथान नहीं किया गया है:---

- (क) श्रस्तरक से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त श्रिधिक नियम के श्रिधीन कर देने के श्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या:
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपवारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 7—346 GI/81

- (1) डा. जयन्ती मीबासेन महिंमतुरा, श्री निशान्त मिबासेन महिमतुरा, डा. श्रीमती आशा के. हाजी चन्दम, 62-बी, पेंदर रोड, बंबेय। (अन्तरक)
- (2) श्री श्राक्षन शर्मा, श्रीमती पदमा विजय कुमार शर्मा, निवासी 52, हिगीरी पेंदर रोड, बंबेय। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्न
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

हराब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

सी-68, महारानी बाग, नई दिल्ली, 800 वर्ग गज।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नर्झ दिल्ली

विनाक: 6-11-1981

प्ररूप आइ र .टी. एन. एस.------

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्ह दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/2960--च् कि में , आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम 1961 (1981 का, 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त प्रधिनियम' महा गया है); की धारा 269 व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरुय 25,000/- द॰ से अधिक है जिसकी संख्या 24, ह एवं जो पंचशील पार्क में स्थित है, जिसका अधिक विस्तत विवरण संलग्न अनसची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नर्ह दिल्ली स्थित कार्यालय में विनांक मार्च, 1981 को इसने प्रकट प्रतिफल (अपारंट कन्सीडरोगन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित अहेश्य से अन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ध्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधि-नियम के घ्रधीन कर देने के घ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविघा के लिए; घौर/या
- (च) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्रीमती चन्द्रा धवन पत्नी स्वर्गीय श्री ए. पी. धवन, एन-24, पंचशिना पार्क, नई दिल्ली।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री जे. एम. कपूर सुपुत्र श्री सी. एल. कपूर, 10 पूसा रोड, नई दिल्ली (2) श्रीमसी शशि कपूर पत्नी श्री जे. एम. कपूर। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

थ्रों. नं. 24, पंचशिला पार्क, नद्दं विल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-1, नई दिल्ली

विनाक : 6-11-1981

प्रकृष साई • टी • एन • एस • — आयकर समिवियम, 1961 (1961 का 43) की सारा 269-म (1) के अधीन सुमना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नर्हो दिल्ली-110002

नइ दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3040—च्चेंकि में, आर. बी. एल. अग्रवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

जिसकी संस्था एस-264 है एवं जो ग्रेटर केलाश-2 में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नहीं दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टेट कन्सीडर शन) पर हस्तान्तरित कर वी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से भिष्ठक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) स्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रश्चितियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उल्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उपत अधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, अन्त प्रक्षिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) स्वीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री अनिल क्मार उपल सूपृत्र श्री बृज मोहन उपल एच-17/4, मालविय नगर, नई दिल्ली।
- (अन्तरक)।
 (2) मैं एल. पी. इनवेस्टमेंट लि. पो. जगजीत नगर ही गरा, जि. कपूरथाला, (2) श्रीमती उषा चढ़ा पत्नी स्वर्गीय श्री राज पाल चढ़ा, बी-90-ए, ग्रेटर कैलाश-।, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **प्रर्थन** के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिणावित हैं, बही धर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भ्रो. नं. एस-264, ग्रंटर कौलास-2, नहीं दिल्ली, 299n वर्ग गज्।

आर. बी. एत. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) गर्जन रंज्-।, नर्ष दिल्ली

दिनांक: 6-11-1981

मोहर 🤃

प्रस्यु आहें..टी..एन्.एस..---------

बायुक र अधितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज, ''एच'' ब्लौक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टोट नर्इ दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981 संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3039--च्कि में आर. बी. अग्रवाल,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उन्ति वाजार मूल्य 25,000 रहन से अधिक है

जिसकी रां. एस-264 है एवं जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है, जिस्का अधिक विस्तृत वर्णन संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में मार्च-81

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाउस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायस्य में कभी करने या उससे बचने में सृथिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी मन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नुलिश्चित स्वृतित्यों अर्थात्:—

 श्री अनिल कुमार उपल सुपृत्र श्री बृज मोहन उपल, एच-17/4, मालवीया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मी. एल. पी. इनवेस्टमोंट लि. पी. जगजीत नगर, हमीरा, जिला-कपुरथला, (2) श्रीमती उषा चढ़ा पत्नी स्वर्गीय श्री राज पाल चढ़ा बी-90-ए, ग्रेटर कीलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीं के ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वारा
- [(च)] इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विम के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विस्त में किए जा सकरेंगे।

स्वक्यीकर्णः इसमें प्रयुक्त धन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. एस-264, ग्रैंटर कैलाश-2, नर्ह विल्ली 299 वर्ग गज।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॅज, ''एच'' ब्लौक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टट
नइ दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981
संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/381/2950—चू कि मै आर. बी. एल. अग्रवाल,
ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इएमे
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ख के ग्रधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वाम करने
का हारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसहा उचिन
वाजार मूल्म 25,000/ नवमे से प्रिकृत है
जिसकी सं. एल-1/1 है एव जो एन. डी. एस. इ. भाग-2
मो स्थित हैं। जिसका अधिक विस्तृत वर्णन मलग्न अनुसूची मे
दिया गया की पजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय मे
मार्च-81
को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मूझे यह

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिंग की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत उक्त ग्रिष्ठि-नियप के अधीन कर देने के अन्तरह के दायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
 - (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य थास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुतरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती दोवकी सरयोगी पत्नी श्री बी. के. सरायोगी, निवासी-59-आनन्द लोक, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जोगीन्दर लाल अरोड़ा सुपुत्र रोलीया राम अरोड़ा और श्रीमती इन्दीरा अरोड़ा पत्नी जोगीन्दर लाल अरोड़ा एल-1/1, एन.डी.एस.इ. भाग-2 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (ह) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नहसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्रव्ही कर यः → - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त आधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, आही सर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. एल-1/1, क्षेत्रफाल 321 वर्ग गज, एन.डी.एस.इ.; भाग-2, नर्झ दिल्ली।

आर. बी. एत. अग्रवाल सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, नहीं दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ---

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट नर्इ दिल्ली-110002

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्दीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3066--चुकि में आर.बी.एल. अग्रजाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

जिसकी सं. इ-80 हैं एवं जो जी. के. 1 में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अभीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार, मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उन्सर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- मी. इन्दर इस्टोट (दिल्ली) प्रानः िल्ला पलोट ने पुल्= सागर अपार्टमोट, 6-तिलक मार्ग नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री अमृत नारायण, श्रीमती रनु नारायण और मास्टर अमीत नारायण इ-80, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अंतरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित् को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

इ-80, ग्रैंटर कौलाश-1, नर्झ विल्ली, क्षेत्रफल-529.5, वर्ग गज।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, ''एच'' ब्लौक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट नई दिल्ली-110002

नर्ह दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ /एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3005—चुकि में, आर बी एल. अग्रवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

जिसकी सं. 6, वार्ड नं. 16 है एवं जो डब्ल्यू इ ए करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च-81

का' पृवा क्ता संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे, स्वयमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) श्रीमती ग्रमीत कारे पत्नी एस. प्रीथीपाल सिह, 27/56, पंजाबी बाग, नर्झ दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्रीमती अमरजीत कौर पत्नी स्वर्गीय रिजन्बर सिंह कप्र, जंगबहादुर सिंह और दूसरे सुपुत्र स्वर्गीय श्री राजीन्बर सिंह, कप्र, 6/12, उब्ल्यू.इ.ए. करोल वाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं. 2 और किराएदार यदि कोई हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- (4) और कोई । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं) जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (कं) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यवितयों में से किमी व्यवित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लौट नं. 12, ब्लौंक नं. 6, एम.सी डी. नं. 10309, लसरा न. 1856/1258, क्षेत्रफल 230.44, वर्ग गज, वार्ड न 16, डब्ल्य्.इ.ए. करोल बाग, नर्ड विल्ली।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम अधिकारी महायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, नर्द दिल्ली

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् ६---

दिनांक : 6-11-1981

मोहर '

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लॉंक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टोट नर्इ दिल्ली-110002

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 6 नथम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3062——चूंकि में आर. बी. एल. अग्रवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

जिसकी संख्या इ-48, है एवं जो जी. कैलाश मों स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत वर्णन मंलग्न अनुसूची मों दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय मो मार्च 81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्सिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्रिष्णाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

- श्री गुरदोव सिंह निवासी-मकान नं 52, रोड नं 42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री प्रान नाथ कश्यप, निवासी इ-48, ग्रेटर कौलाश-2, नर्ह दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अभूस्चीं

ग्राउण्ड फलार, इ-48, ग्रंटर कौलाश-2 नई दिल्ली।

आर. बी. एत. अग्रवात सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

मोहर 🕄

प्ररूप आर्ह, टी. एन. एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ''एकं'' ब्लॉक, विकास भवन, इन्स्प्रस्थस्टोट नई दिल्ली-110002

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

सदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/2955——**भ**ृंकि मैं आर. बी. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रुज. से अधिक **ह**ै जिसकी संख्याजी-5, है एवं जो एम.डी.एस. ई-2

में स्थित हैं, जिस्का अधिक विस्तृत वर्णन संलग्न अनुसूची में दिया ग्या की पंजीक रण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) को अधीन पंजीकरण अधिकारी को नर्दा दिल्ली स्थित कार्यालय में

मार्च-81

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ अरि मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि, यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की घायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ.) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिसिस ध्यक्तियाँ अर्थात्:--1-346GI/81

- 1. श्रीमती कालवती पत्नी स्वर्गीय श्री राव साहिबं पृथ्वी राज, जी-5, एन. डी. एस. इ⁻-2, नर्ड दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री अबुल हसन स्पृत्र मोहमद नुर, जहिर आलम, सइदआलम महि आलम शाह आलम और मस्द आलम सूप्त्र, अबल हमन, बारा दरी मोरादाबाद (यूपी)। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सुचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टोक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

प्रो. नं. जी-5, एन. डी. एस. ई. भाग-2, नई दिल्ली 500 वर्ग गज।

> आर. बी. एत. अग्रवाल सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

दिशांक : 6-11-1981

पुरूप आईं.टी.एन.एस.-----

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सृष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-ं।, ''एच'' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टोट . नर्इ दिल्ली-110002

नर्इ दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981 संदर्भ 3 नि. स. आः आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3046--चूर्ति मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रत. में अधिक हैं जिसकी संख्या एल/७ है एवं जो ग्रीन पार्क एक्स्टॉसन में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसची में दिया गया की पंजीकरण अधिल्यिम 1908 (1908 का. 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इसने प्रकट प्रतिफल (अपार्टेट कन्सी-डरेशन) पर ष्टम्तान्तरित कर दी गई है जो पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यभान करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुल्प, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान, प्रतिफल का पन्त्रष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिप्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत व्यधि-एपण के अभीत कर दोने के उन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

रूप से कंथित नहीं किया गया है:--

(क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्यक्षास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने यो सविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम, क्री धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अधृति :--- (1) मैं. पृश्यम इन्टरनेशनल प्रा. लि., ए-23, ग्रीन् पार्क, नर्इ दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) में. क्षेबाग थ्रा. लि., 23/2, युसफ सराय, नृहं दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त मम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त गर्धात्त को अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्त से प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सकानी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी स सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें एस लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, यही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लाट नं. एल / ७, ग्रीन पार्क एक्सटेनशन, नर्क विल्ली, १८७ वर्गगणा।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकार्रा सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नर्दा दिल्ली

धिनांक: 6-11-1981

मोहर 🖫

प्रकप प्राई० टी० एन० ए५०----

चाथकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याख्य सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, ''एच'' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट नहीं विल्ली-110002

नहीं दिल्ली-110002, विनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.अा./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/2995---च् कि में, आर.बी. एल. अग्रवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है।

जिसकी मं. 143, ब्लैक 'डब्ल्यू' है एवं जो ग्रैटर केलाश-2, नई दिल्ली में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च-81

को जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिषक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत कहीं किया प्रसा है:---

- (कर्त) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उसत अधि-नियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और अंग
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मृलिसित व्यक्तियों, अधीत्:— श्री ए. के. गंगुली, 162/सी/525, लेक गाड ने, कलकत्ता।

(ग्रन्तरक)

 श्री हरमेलसिंह, हरजीन्दर सिंह, 49 रोस कोर्स, रोड, दोहराबून, गु. पी. ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिक्ति में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं. 143, ब्लौक 'डब्ल्यु' क्षेत्रफल-334, वर्ग मीटर, (400 वर्ग गज) ग्रेंटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> आर. बी. एल. अभ्रषास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नहीं दिल्ली

दिनांक: 6-11-1981

प्रस्पु बार्ड <u>टी. पुन् पुस</u>्-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' क्लौंक, विकास भवन, इन्स्रप्रस्थस्टेट नई दिल्ली-110002

नर्द दिल्ली-110002, दिनाक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीकन-1/एस-आर-3/3-81/3016---चूिक में, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

जिसकों सं बी-5/161, है एवं जो सफदरजग् इन्केव, नई चिल्ली मो स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत वर्णन संलग्न अनुसूची मों दिया ग्या की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय मो मार्च-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से किथा नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृष्धिय के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती इवा दरता द्वारा जी/ए, डी. के. गृहा ठाकर 32, ईस्ट एवन्यू पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- श्री ओ. पी. संहगल, बी-56, डिफॅन्स कालोनी, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पव्यक्तिरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. बी-5/161, सफवरजंग इन्क्लेव, नई दिल्ली ।

आर. बी. एल अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नर्ध दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981 मोहर : प्ररूप आई ० टी० एन० एस० --

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्गज, ''एच'' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टोट नई दिल्ली-110002

नक् दिल्ली-110002, दिनाक 6 नवम्बर 1981

सदर्भ 3 नि.स आ.आ /एक्बीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/2946---चुिक मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है जिसकी मरूयाबी-11 है एवं जा एन. डी में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत वर्णन सलग्न अनुसूची मे दिया गया की पजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16ना) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नहीं दिल्ली स्थित कार्यालय में

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के इस्पमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ए'से रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित. में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएव में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. स्वर्गीय करन कनवाल जीत सिंह सुपुत्र सरवार हरवंश मिह डी-360, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 में सेनमीत प्रांपटी प्रा. लि 8-कमंक स्ट्रीट 6 फ्लार सूट न . 17, कलकरता, वर्तमान पता सी-1/58. सफदरजग डोवलपमाट एरिया नर्ड दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्चना आरी, करके प्वाकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तिया पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृक्षारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

भकान नं बी-11, एन डी एस ई भाग-2, नई विल्ली 200 वर्ग गज।

> आर. बी एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11-1981

मोहर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्णलय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लौंक, विकास भवन, इन्क्रप्रस्थस्टेट नई दिल्ली-110002

भई दिल्ली-110002, विनांक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/2997---च् िक में, आर. बी. एत. अग्रधाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहः से अधिक हैं

जिसकी संख्या एस-193, है एवं जो ग्रेटर कौलाश-2 भें स्थिश है, जिस्का अधिक विस्तृत वर्णन संलग्न अनुसूची मे दिया ग्या की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) को अधीन पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय .में सार्च-81

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, पिम्निलिखत उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- श्री एस. करतार सिंह सुपृत्र एस. मनसा सिंह निवासी 65/66, रोहतक रोड, करोलबाग नई दिल्ली वर्तमान पता 28-बी, आतम नगर, लूधियाना, पंजाब।

(अन्तरक)

 श्रीमती हरजीत कौर पत्नी एस उपकार सिंह, श्री अमरजीत सिंह सृपृत्र एस उपकार सिंह निवासी सी/453, डिफोन्स कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई: भी शाक्षेप ः-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त किपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, जहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

प्लाट नं. एस/193, ग्रेटर कोलाशं, नई दिल्ली 300 वर्ग गज।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 6-11**-**1981

माहर 🕄

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) बती धा**रा** 269-घ (1) के अभीत स्पाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, ''एच'' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टोट नर्इ दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, विनांक 6 नवम्बर 1981

संवर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3059—- जू कि में आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज में अग्रीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह यिद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

जिसकी संख्या 27, है एवं जो निजामूद्ववीन इस्ट, में स्थित हैं, जिस्का अधिक विस्तृत वर्णन संलग्न अनुसूची में विया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16यां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई विल्ली स्थित कार्यालय में मार्च-81

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रथमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिष्ठत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक ख्र्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकन अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभृति ---

- श्री मनमाहन भासीन सृपुत्र स्वर्गीय श्री धरनजीत सिंह और घरनजीत मोहन भासीन सृपुत्र स्वर्गीय घरनजीत लाल निवासी इ-4, ग्रेटर कौलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- बसीर अहमद सुपृत्र हाजी माहमद साहनी 119 राम भूसमी बाग, श्रीनगर वर्तमान पता 96, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो मी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया म्या हैं !

अनुसू**ची**

प्रो. नं. 27, निजाम<mark>ृत्सीन इ</mark>स्ट, नर्<mark>द्द दिल्ली</mark> 564.67 वर्ग गजा

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-1, नई विल्ली

विमांक : 6-11-1981

प्ररूप आर्द. टी. एन्. एस.---

मायकर अभिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ''एच'' ब्लौंक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टोट नर्इ दिल्ली-110002

नर्क दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्वर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्बीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/2943—=च्िक में आर. बी. एत. अग्रवान,

. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 - रु. से अधिक है

जिसकी सं. 521 ब्लौक 'एस' है एवं जो ग्रेटर कैलाघ-2 में स्थित है, जिस्का अधिक विस्तृत वर्णन संलग्न अनुसूची में विया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नहीं दिल्ली स्थित कार्यालय में मार्च-81

को पूर्वोक्स सम्पति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान वित्तमल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास का भी का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृष्ठ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त कि निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त कर निम्नितियत उद्योध्य से उक्त अन्तरण निम्नित्तियां वास्तिथक कप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा का सिए; बॉर/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 2.69-गं को, अनुसरण भाँ, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 2.69-भं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः-- पिकी वस्तुर पत्नी को. को. वस्तुर, एम-142, ग्रेटर कोलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. में हरूमन्त स्टील एण्ड वायर प्रा. लि., 810, मध्यात 94-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। फाइनेन्सियल एडवाइसर, श्रीमती दमयन्त कौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :--

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

प्लाट नं . 521, ब्लॉंक 'एस' 545 वर्ग गण, ग्रेटर केंनाश-2, नर्क दिल्ली ।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, नर्झ दिल्ली

विनांक : 6-11-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अरुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ''एक'' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टोट नर्इ दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनाक 6 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्यीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3016—— कृति में आर. बी. एल. अग्रवाल, आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 34) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

जिसकी संख्या इ-212 है एवं जो जी. के. 2, नई दिल्ली में स्थित हैं, जिस्का अधिक विस्तृत वर्णन संलग्न अन्मूची में दिया गया की पजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16यां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में मार्च-81

को पूर्वेक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह त्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप से किपत महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ। किसी आय की बादत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 9 --346GI/81

1. श्री हिरा लाल कवन, के-31, होज खास, नर्श विल्ली।

(अन्तरक)

 डा. कुलबीप सिंह निवासी-एम-161, ग्रेटर केलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पल्डीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

प्लाट नं. इ-212, ग्रंटर कोलाश-2, नई दिल्ली 250 वर्ग-गज।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

विनोंक 🤋 6-11-1981

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ''एक'' ब्लिकि, विकास भवत, इन्द्रप्रस्थस्टेट नर्षः दिल्ली-110002

नर्दं दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981 निर्दोश गं. 3 नि. स. आ. आ./एक्शीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/2942--चूिक मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रत. में अधिक हैं

आर जिसकी संख्या $16^{/}67-68$, है एवं जो ब्लॉक ए-सी, फेज रोड़, करोल बाग, में स्थित ही, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची मे दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके दृश्यमान प्रतिपाल से, एसे दृश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) केबीच एसे अन्तरण केलिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भी वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किमी आयकी दाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहरूतयाँ को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क्री प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए ।

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन रियनिसिम्ह स्यक्तियों अर्थात्: --

- 1. मैं. एम-एस-जे-कन्सटेन्ट लि. 16/67-68, फेज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली व्वारा अटनी टी सी. जैम, इ-57, जी.को.1, नर्इ दिल्ली। (हस्तांतरणकर्ता)
- 2. को राकंश जैन, सूपुत्र टी.सी.जैन, इ-57, ग्रेटर कोलाश-।, नई विल्ली।

(हस्तांतरिती)

क्ये यह सूचमा जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अगिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वेंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्से प्रो \cdot नं \cdot 16/67-68, ब्लींक ए-सी, फेज रोड, कराल बाग, नई दिल्ली।

> आर. बी. एन. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज-।, नर्झ दिल्ली

तारील : 6-11-1981

प्ररूप आई 🔻 ी० एन० एस० 💳

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) क अधीन सुचना नारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ''एच'' ब्लौक , विकास भवन , इन्द्रप्रस्थ एस्टेट

अर्जन रॉज-।, नर्दे दिल्ली-110002

नह दिल्ली-110002, दिनाक 6 नवस्बर 1981

निर्वाश स नि स आ आ $\sqrt{\text{एक्वीजीशन-1}/\text{एम-आर-3-81}/3054-ए---चू कि मैं, आर. बी एल अग्रवाल,$

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-रा है जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सख्या आर-664 है एव जो न्यू राजीन्दर नगर में स्थित हैं, जिसका विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में दिया गया की पजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक मार्च, 1981

का गूवा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्तिल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हो में कथित नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तयों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, श्रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री मन्द्रेहर लाल मकर सुपूत्र श्री रूप चन्द और श्री अशांक क्रुमार सुपूत्र श्री सुन्दर दास, निवासी-आर-न्यू राजीन्दर नगर, नर्झ दिल्ली। (हस्तातरणकर्ता)
- 2 श्रीमत्ती सरला कपुर पत्नी श्री बलदेव राज कपुर, 664, न्यू राजीन्यर नगर, नई दिल्ली। (हस्तातिरती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्वी

प्रो न आर-664, न्यू राजीन्बर नगर, नई दिल्ली।

आर. थी. एस. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, नई दिल्ली

वतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीस . 6-11-1981 मोहर . प्रकृप बाई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष्(1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ''एच'' ब्लॉंक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट अर्जन रॉज-।. नर्इ दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, विनांक 6 नव्मकर 1981

81/3046——चूकि में आर. बी. एल. अग्रवाल, आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 34-वी है एवं जो मालना मार्ग में स्थित है, की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची मे विया गया है पंजीकरण अधिकारी के नहीं दिल्ली स्थित कार्यालय मे दिनांक मार्च, 1981

को पूर्वोक्स सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का प्रन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; आर्/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

 श्री कृपा राम सुद, बी-82, डिफोन्स कालोनी, नर्इ दिल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

2. श्री युधिष्ट्रा कपूर, 58-डी, सालचा मार्ग, नर्हे विल्ली।

(हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की खुरीध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः--इसमें प्रयुवत शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्तृत्वी

प्रो. नं. 34-बी, भालचा मार्ग, नई विल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)! अर्जन् र जु-।, नर्द्द दिस्ली

अतः अव, उक्त अभिनियम, क्री भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-ज़ की उपधारा (1) कै अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः--

तारी**व**ः 6-11**-**1981

प्रकप आई० टी • एन • एस०----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, ''एच'' ब्लौक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट

नर्इ दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निवर्षेष सं. 3 नि. सं. आ. आ./एक्वीजीशन-1/एस-आर-3/3-81/3003—चू कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया हैं), की धारा 269- सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित ज्यका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 16/67-68 है एवं जो फीज रोड, करोल बाग, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई विल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक मार्च. 1981

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अक्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा है निए;

1. श्रीमती उपा रानी जैन, पत्नी के. आर. जैन निवासी-संजरपुर, रूरकी, (यू.पी. अटनी टी.सी. जैन सुपुत्र अमृत लाल जैन, निवासी-इ-57, ग्रेटर केलाश, नई विल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बलबिर कुमारी पत्नी श्री टी. सी. जैन, निवासी-इ-57, ग्रेटर कोलाश, नई विल्ली। (अन्तरिती)

को ग्रेह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कादबाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनीध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:—हसमो प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

1/2 हिस्से प्रो. नं. 16/67-68, क्षेत्रफल 894 वर्ग गर्ज, ब्लौंक ए-सी, फींज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-।, नई दिल्ली

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :--

तारीख : 6-11-1981

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रक्रिक सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, ''एच'' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टोट नर्ड दिल्ली-110002

नर्ह विल्ली-110002, विनांक 6 नवस्त्रर 1981

निद्वित्त स नि स आ आ /एवजीजीका 1/एप जारं-3--3-81/3000--- चूर्ति मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान 'उन्त अधिनियम' कडा एया है), की धारा 269-खं के ग्रधी। पक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति, जिन्हा उचित्त बाजार मून्य 25,000/-क्पए से ग्रधिक है

और जिसंकी सं ए-47 है एव. जो एन. डी. एस भाग-1, से स्थित है, जिसका अधिक बिस्तृत दिवरण संलग्न अनुसूची से विया गया की गंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नहीं विल्ली स्थित कार्यालय से विनांक मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रश्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्र्यमान प्रतिफल क्य पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरम ने हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर केने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करन था उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण :,अतः में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धाद्यीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थात :--

- श्री टी. डी. सेठ, सुपृत्र श्री सुन्दर दास सेठ, ए-47, एन.डी. एस. ई., भाग-1, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती गीतारानी गंगुली पत्नी श्री महीन्वर कर्मार गंगुली, निवासी-६-21, एन. डी. एस. ई., भाग-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक इशीस उन्ति के प्रजीत के लिए कार्यवाहिया करना है।

उपत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध न कोई भी अधीर :- -

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीय न 45 दिन की श्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंतन व्यक्तियों में से किसी व्यवित दारा,
- (ख) इस सूचना के राजाल में प्रजाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हिताब के किसी प्रज्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्दी तरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उका अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगर्यो

मकान नं. ए-47, एन.डी.एस.इ. भाग-1, नुई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रयालुं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नर्हो दिल्ली

ता्रीख : 6-11**-**1981

प्रकृप आई० टी० एत० एप्र०----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-१, ''एस'' ब्लोक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टंट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनाक 6 नवम्बर 1981

निद⁵श मं. 3 नि. स. आ. आ /एक्वीजीशन-1 $^{\prime}$ एस-आर-3-81/2996—-चू कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल,

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का जिल्लाका महामा प्राधिकारी का यह विक्ताम करने का कारण हा कि स्थावर भम्मात, । जिस्ता उन्चत बाद।र मूल्य 25,000/रा. में अभिक हैं

और जिसकी संख्या शी/135, ही एवं जो न्यू राजिन्दर नगर, भी स्थित ही, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संतरन अनुमूची मी दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दर्श विल्ली स्थित कार्यालय भी दियां। सारी, 1981

को पुर्शोक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मूल्य ने कम के दृष्यमा । प्रतिकल के जिए प्रतिरिश की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, एमें दृश्यमान प्रतिकल का मन्द्रश्व प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिकों) के बीच एमें जन्तरण के लिए तथ एथा गया प्रति-कल निम्नलिसित उद्देश्य स उथल करूरण कि खन के द्रशासिक हम से की गर नहार विश्वास्था हो:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की स्वत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्चने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के निए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, गैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के के अधीन निम्निलिखिन व्यक्तियों, अधीन :---

 श्री बी. बी. भला स्पृत्र श्री सालीग राम भला, डी/ 135, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

 श्री एम. एम. शर्मा सप्त्र श्री देव दत शर्मा निवासी जे/403 (एफ-एफ) न्यू राजिन्दर नगर, नई विल्ली। (हस्तांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-

प्रकृत सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिध या नरमम्बाधी व्यक्तियों पर पूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यितियों में स किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में व्रित-वद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

हपड्टीधन्तण:--- असे प्रमुक्त गढ़ों और पहें कर, जी उक्त अभिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उन श्रद्धाद में विधा गया है।

महाराष्ट्री

प्रो. नं. डी $^{\prime}$ 135, न्यू राजिन्दर नगर, न**र्इ दि**ल्ली ।

आर. बी. एल. अग्रनाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नई दिल्ली

तारीब : 6-11-1981

प्ररूप आई.टी.एन । एस . ------

आण्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज-, बोंगलोर

बेंगलोर, दिगांक 15 सितम्बर 1981

निवर्षा सं. 359/81-82---यतः मुभ्ने, डा. वि. एन. लितकमार राव.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सबें नंबर 739/9, प्लाट नंबर 22 है, तथा जो अनगोल, बेलगम में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगम अंडर डाक्ट्रमेंट नंबर 3810 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-3-1981

को पूर्वेक्स संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिष्क रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूब्धा के लिए; और/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य अहितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा की सिए;

अ्तः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) रिक्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री काडप्पा चन्नप्पा दवडी, बनहरिट, तालुक : जमकडी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनुपमा विजय तेंडोलकर, मिरा बिल्डिंग, संबाजी रोड, टिलकवाडी, बेलगम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यम्स्यी

अनगोल, बेलगम मों स्थित इमारत (जगह सहीत) जिसका नंबर है सबें नंबर 739/9, प्लोट नंबर 22।

> डा. दि. एन. लिलितक्मार राव सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज्-।, बोगलोर

तारीख : 15-9-1981

मोहर 🖫

प्रकष् वार् , टी. एन्. एस्.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-पू (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, बोंगलोर

बेंगलोर, विनांक 13 अक्तूबर 1981

निर्देश सं. 364/81-82---यतः मुभ्हे, झा वी. एन लितक गार राव,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्पंत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नंबर 34/3 है, तथा जो विव्यानगर जिमोगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जिमोगा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-3-1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास के कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल तो एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिस्त से अधिक है और अन्तरित (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित अव्वष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण् से हुइ किसी आयं की वाबतं, उक्त अभिनियमं के अभीनं कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था फिएपने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिक्तित व्यक्तियों, अधीत्:——
10-346GI/81

(1) श्री के श्रीनिवासय्या, मीनार्विक्ष भवन, बि. एच. रोड, शिमोगा।

(अन्तरक)

(2) श्रीवी चंद्रय्या, गणंश भवन केपास, विद्या-नगर, शिमोगा।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त सम्बन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टाकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

(दस्तावेज सं. 4188

ता. 11-3-1981)

विद्यानगर, शिमोगा में स्थित 1½ एके कोकोनट गार्डन 'जिसका सर्वें नं है 34/3 और गार्डन में स्थित इमारत, इलेक्ट्रिक पंप हाँस सहित।

> ा वी एत. लिलितकाूमार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, बेगलोर

तारीय : 13-10-1981

प्ररूप आई० टो॰ एम० एस०-----

श्र कर अधि वयम, 1961 (1961 का 43) घारा की 269-व (1) के धन्नीन सूचना

मारन सरकार

कार्या तय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 60/61 एरडवना, कर्व, रोड, पुना पूरा, दिनांक 15 अक्सूबर 1981

निदिंश मं. सी. ए. 5/एस. आर. ठाणे/अप्रैल 81/535/81-82---यतः मुक्ते, शशिकान्त क्लकणीं, आयभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रु स स्थिक है

और जिसकी मं, सि. स. नं. 148-बी, टिक्का नं. 13, सि. स. नं 149-बी ही, तथा जे वेद्य बिल्डिंग, जांभली नाका म्निसियल क्लाक टावर के सामने, ठाणे, (1/2, अविभाज्य हिस्सा) में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्यम निबंधक, ठाणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1981

(1908 का 16) के अशीन, तारीख 15-4-1981 को पूर्वोवत सम्पति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पखाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, से निम्नलिखित राम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकि का ने किथा नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर डेने के घन्तरक के दायित्वं में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ा, तेना किमा आप या किसी धन या भ्रन्य अस्तियों

 ा, 'र्न्' भारतीय आधकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 अपनेकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 अपोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 त्या मा किया जाना चाहिए था छिपाने म

त्रा अर उस्त अधिनियम की घारा 269 मा के अनुसरण में, में, उनन पधिनियम की घारा 269-मा की उपधारा (1) के ग्राधान निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात :—~

- (1) श्री पी. डी. धैद्य, बैद्य बिल्डिंग, जांभली नाका तलाव, पाली, ठाण।
 - (अन्तरक)
- (2) श्रीयती रक्ष्मी आर. दोशी, द्वारा सुरेश सोप अन्ड कोमिकल, एक्स हायवे, ठाणे-400604।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

छश्न सम्पत्ति के प्रर्जन् के संबंध में कौई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की धवित्र या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसकद्ध किसी घन्य व्यक्ति ग्रारा, घटोहस्ताकरी ने गस लिखित में किए जा मुकींगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रमुक्त शब्दों घीर पर्दो का, जो अवस धिवनियम के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, बड़ी ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्**ची

इमारत जो सि. स. न. 148 बी, 149 बी, टिक्का नं. 13, जांभली नाका, मृनिसिपल क्लाक टावर के सामने, ठाणे में स्थित है।

जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 346/81 जो .15-4-81 को बुय्यम निबंधक, ठाणे के दफ्तर में लिखा है ।)

शशिकान्त कर्लकर्णी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पना

तारीख : 15-10-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1361 (1981 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारप सरकार .

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

पुना, विनांक 17 अक्तूबर 1981

निद्धे सं. मी. ए. 5/एस. आर. ठाणे/अपैल 81/533/81-82—यतः मुक्ते, शशिकान्त कुलकर्णी, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक है

और जिसकी संख्या स. न. 51, टिक्का नं. 15, सि. स. न. 51, (पीटी) है, तथा जो विष्णुनगर, नवपाडा, ठाणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, ठाणे मे, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-81

को पूर्वीक्त संपरित के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण कि यभापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से उधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी झाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर देन के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे कवने में सुविधा के लिए। गौरांग
- (ख) ऐसो किसो अप्य या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो- जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सृविधा के जिए;

जन् । धन, जन्त प्रविनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, सन्त भविनियम की घारा 269-थ की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) विजयदिप एन्टरप्रायभ्रोस भागीदार : (1) मगनलाल भाणेकलाल शहा, (2) जगन्नाथ धोंड जाधद, (3) शंकर मोरोब्दर प्रभुदोसाई, 'भाग्यश्री' राम मारुती रोड, नवपाडा, ठौणे।

(अन्तरक)

(2) श्री वही . आर . नाफडे , चेअरसन , विजयश्ली सह-कारी गृहरचना संस्था , विष्णूनगर , नवपाडा , ठाणे । (अन्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के उर्ज ं लिए . कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी थाक्षा :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मक्बत्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रापंध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त असावगीं पं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को नानिन में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर समिति से हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीतमाधनी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे। -

ह्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त मन्दों और पत्रो का, जो उक्त श्रिधित्यम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसुची

सूली जिमिन और उसके उपर की इमारित जो संन. 51, टिक्का नं. 15 सि. स. नं. 51 (पीटी.) विष्णूनगर, नवपाडा, ठाणे में स्थित ही।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख के 391 जो 30-4-81 को बच्यम निबंधक, ठाण के बफ्तर में लिखा है।)

शिकान्स कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर** आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

ता्रींब : 17-10-81

प्रकप ग्राई• टी० एन• एस•----

द्यायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा · 269-व(1) के मतीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पुना

पुना, दिनांक 17 अक्तूबर 1981

निवाश सं. सी. ए. 5/एस. आर. हवैली/अप्रैल 81/534/81-82--यतः मुक्ते, शशिकान्त क्रालकणीं,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सज़म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृष्य 25,000/- प्रपे से प्रधिक है

और जिसकी संख्या स. न. 692/2 ए/1/2, 692 ए/1, 693-1 ए/2 सब—प्लाट नं. 5 है, तथा जो मार्केंट यार्ड रोड, मुजेरी, गृलटेकडी, पूणे में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुंट्यम निबंधक, हवेली-11 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन; तारीख एपित, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिगत से प्रश्चिक है भीर ग्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर पन्तरिती (ग्रन्तरितियों) ने बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए, तयपाना गया प्रति- फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक क्व से कथित नहीं किया गया है:---

- ्रि(क) सम्तरण से हुई किमी माथ की बाबत उक्त श्रीध-नियम के प्रधीन कर देने के सन्तरक के दायिक्त में कमी करने या उससे बचा में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (व) ऐसी किसी पाय गा किसी गर या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय व्याय गर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, पा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए,

अतः, अव, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के अमृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सक्ष्मीबाई काशिनाथ सोनावणे, 687, नारायण पठ, पुण-2।

(अन्तरको.

(2) अरिहत सहकारी गृहरचना संस्था मर्यादित, 321 ए, महात्मा फूले पठ, पुणे-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्थन के बिए कार्यवाधियों करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन की प्रविध या तर्समम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 ितसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसर्वे प्रयुक्त शंबदीं गीर पदों का, जी सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

यगसची

प्रापर्टी जो स. न. 692/2ए1/1/2, 692 ए/1, 693-1ए/2, सब प्लाट नं. 5, मार्केट मार्ड रोड, मुंजेरी, गुलटेकडी, पूर्णें में स्थित है।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत मिलंस क. 1739, जो एप्रिल, 1981 को बुख्यम निर्बंधक, हुवेली-11 के दंश्तर में लिखा है।)

शक्तिकान्त कालकर्णी संक्रम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पुना.

तारींब : 17-10-81

प्रस्प बाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) अर्जन र^{र्}ज, पूना

पुना, दिनांक 17 अक्तूबर 1981

निदंशि सं. सी. ए. 5/एस. आर. बाम्बे/मे 81/536/81-82--- यतः मुफ्ते, शशिकान्त कुलकणीं, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का समरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं और जिसकी संख्या प्लाट नं. 14 (जूना नं. 58) खालटा नं.

और जिसकी संख्या प्लाट न . 14 (जूना न . 58) चालटा न . 48, स . न . 269/ए/4 (पी . टी .) ठाक रली गांव और सि . स , न . 1975 , डॉबिवली , म्यूनसिपल कौ सिल है तथा जो ठाक रली गांव , डॉबिवली म्यूनसिपल कौ सिल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूप्यम निबंधक , बाम्बे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन , तारीख 2-5-1981

वर्ध पृथा कर संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफार के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि थयापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त लिखित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उनके अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जममे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अपस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः श्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिसित क्युक्तियों अधीत्:--

- (1) मैसर्स भुरके अन्त्र असोसिएटस्, 3, ब्लू नार्हनल, महात्मा फुले राड, डॉबिबबली (बेस्ट), विष्णुनगर। (अन्तरक)
- (2) ब्लू नाईल प्रिमायसेस सहकारी सोसायटी मर्यादित, डॉबिबली, 6, ब्लू नाईल, एम. पी. रोड, डॉबि-वली (वेस्ट), विष्णूनगर।

(अन्तरिती)

(3) सोसायटी के सभासक।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, धही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अन्स्ची

सुली जिमन और उपरकी इमारत जो प्लाट नं. 14 (जून नं. 58), चालटा नं. 48, स. न. $269/\sqrt{4}$ (पीटी), ठाक रली गांव और सिं. स. नं. 1975 डॉनिवली म्यूनिसिपल कॉसिल. में स्थित है।

(जीसे की रिजस्ट्रीकृत विलोध . ह. 207/79 जो 2-5-81 को वृष्यम निबंधक, बाम्धे के वप्तर में लिखा है।

शशिकाना कुलकणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बुना

ता्रीका: 17-10-81

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ----

आधारर प्रक्षिनियम, 1961 (196 रका 43) की धारा 269 व (1) के अधिक सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक मायुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 30 अक्तूबर 1981

निवांश सं. सी. ए. 5/एस. आर. कल्याण/537/मार्च 8.1/81-82—एतः मुफ्ते, शशिकान्त कुलकणीं, आयकर प्रिविनय, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंश्वात 'उस्त अधितियत' हहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सभार प्रिकिश को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति, जिमका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से प्रिकि है

और जिसकी संख्या म. न. 93ए एच. नं. 1/2 है, तथा जो रामबाग गल्ली, नं. 4, धिकणघर, कल्याण, जि. ठाणे में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वुच्यम निबंधक, कल्याण में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति क जिनत बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है पौर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिपत बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाक्तविक इन से किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबते उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या घन्य घास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर घिंचियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घं घिनियम, या घन-कर घं घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया निया पा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुन्धा के लिए;

जनाः, प्रेच, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुत्तरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीम, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्रीमती एस. वाय. काणे, 26, प्रेपसधन, डोंबि-क्ली (वेस्ट) ता. कल्याण, जि. ठाणे। (अन्तरक)
- (2) श्री एल. एन. पै, सचिव सत्यसाई सहकारी गृह-रचना संस्था मर्यादित, रामकांग गली नं. 4, कल्याण।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षंप :→--

- (कं) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45-दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, त्रो भी भविध बाव में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश र को नारो द श 45 दिन के भीतर उनत स्थान: पर्मात में हिनबाद किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधीत्स्ता तरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त याग्दां भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रम्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्यं होगा, जो उस भ्रम्याय में दिया गया है।

लमुख्ची

बुली अर्मिन और उसके उपरकी हमारत जो स. न. 930, एच. नं. 1/2, रामबाग गली नं. 4, चिकणघर कल्याण, जि. ठाणे में स्थित है।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत दिलेख क. 395 जो मार्च, 81 क्षो दुम्यम निर्वधिक के दफ्तर में लिखा है।)

> शिकास्त कृलकर्णी सक्षम प्राधिकारी स**क्ष्**यक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोंज, पुना

तारीख : 30-10-1981

मोहरू 🛭

प्ररूप ग्राई० टी० एउ० १म०----

पायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के श्रद्धील सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 60/61 एरडवना, कर्वे रोड, पूना-411004 पूना-411004, दिनाक 30 अक्तूबर 1981

निवर्ष स सी ए 5/एस आर वार्रा/538/मार्च 81/81-82---यत मुक्ते, शिश्यान्त कृलकणीं, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसपे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारा का, यह विश्वास करने का कारण है के स्थावर सम्यत्नि, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से प्रधिक है

और जिसकी ते आर एस न 18/3 है तथा को मेटानुताड सा. महाबलेश्यर, जि सातारा हो स्थित है (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय द्यम निवस्थक, वार्ष में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 19-3-81 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचितं बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिकृत का पत्नह प्रशिव प्रयाप्तिकृत का पत्नह प्रशिव प्रथमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित को में दृश्यमान प्रतिकृत का पत्नह प्रशिव प्रथमान प्रतिकृत के से प्रयाप्तिकृत का पत्नह प्रशिव प्रथमान प्रतिकृत के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्तलिखन उन्श्य स अक्त प्रस्तरण निष्वित वास्तिकृत निम्तलिखन उन्श्य स अक्त प्रस्तरण निष्वित वास्तिकृत में मायन नहीं किया गया के:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आग की बाबत, उक्त प्रधि-स्थिम के प्रधीत कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, और√या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या इक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनाये श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानां चाहिए था, छिपान स सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमः, की धारा 269-गं के अनुमरण में, में उक्तः अधिनियम की धारा 269-घं को उपधाराः (1) के अधीन निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थातः——

- श्री भोडी हरी धनवडे और अन्य 30 मेटगुत्ताड, ता. महाबलेश्वर जि. क्लातारा।
 - (अन्तरक)
- 2 श्री मोशिन ए माला मालाज फ्राइट प्रोडक्ट्स का भागी-दार, पाचगणी, ता. महाबलेश्वर, जि. सातारा । (अन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वीका सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

अक्त सम्रत्ति के अर्थन के प्रमदन्त्र में काठ मा प्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की नारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविधि, जो भं अविधि बाद मंसमापन होती हो, के भीतर पूर्वीक्त विपतियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन को तारीख में 45 दित के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्होकरण:--इस र प्रयुक्त णन्दों श्रीर पत्रों का, जी उक्त प्रधि नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उन अन्यान में दिया गया है।

अन्स्ची

जमीन जो आर.एस.न 18/3, भेट गुतांड, ता महाबलेश्वर मो स्थित हो । जिल्ला क्षेत्र 1 हो --91 आर. हो ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 328 जो 19-3-1981 को बुज्यम निबंधक, बाई के दफ्तर में लिखा है।)

> शिक्षकान्त क्ल्कणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, पूना

तारील : 30-10-1981 मोहर .

प्ररूप वार् टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, . पुना पुना-411004, दिनांक 30 अक्तूबर 1981

निर्देश सं. सी.ए. 5/एस.आर.हवेली-।।/539/एप्रिल-81/81-82---यतः मृके, शशिकान्त कुलकर्णी, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्लात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण धृष्टै कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था सि.स. नं. ।।। है तथा जो जुकवार पठ, पूणों में स्थि है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक, हवेली-।। में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस एप्रिल, 1981

16) के अधान, ताराख ए।प्रल, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमानप्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक
कप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उद्यंत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

- श्रीमती शांताबाई बत्तात्रय गोसले 2. श्री अनन्द बत्तात्रय गोसले, 3 मिसस होमलता क्षेत्रव जोगले-कर, यिश्राम चैंबुर रोलवे स्टोशन के सामने, बाम्बे-
- 84, 4 सौ. निलिमा मधुकर दशपाण्डो, 42, शनियार पेठ, प्ण-30।

(अन्तरक)

2. श्री अरुण माधव शेवडे, चेयरमेन श्री गुणेश सहकारी गृहरचना संस्था मर्यादित ।।।, शुक्रवार पेठ, पूणे-

(अन्तरिती)

ंका यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची .

खुली जमीन और उत्पर की इमारत जो सि. स. नं. ।।।, क्षुक्रवार पेठ, पूर्ण-2 में स्थित हैं।

(ज़ैसे कि रोजस्ट्रीकृत विलेख क 1760 जो 30-4-81 को बुय्यम हवेली-।। के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकान्त कुलकणी सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना

तारीख: 30-10-1981

प्ररूप आइ².टी.एम.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, 60/61 एर इवना, कर्वो, रोड, पुना एना-411004, दिनांक 30 अक्तूबर 1981

निर्देश सं. सीए 5/एस आर.कल्याण/540/मार्च 81-81-82--यतः मुभ्ते, शशिकान्त कालकणीं, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पक्ष्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रा. से अधिक हैं। और ज़िसकी संख्यानं . .46, हिस्सानं . 5, 10 है तथा जो मीजे चिकणघर, कल्याण नगरपालिका परिषद् अन्तरक नं. 1 का 1/3, अविभाज्य हिस्सा मे- स्थित ही (और इससे उपाबव्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक, कल्याण से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-3-1981 को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नोतिस्ति व्हान्य से जनत वितरण निस्ति में शास्तर्विक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण स हार्ड किसी। शाय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व से कसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर सिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियाँ अर्थात् ६—— मोहर ः

11-346GI/81

- 1. श्री विक्रेश राधा भोईर 2. श्री बालकृष्ण विठ्ठल भोईर 3. श्री परशराम विठ्ठल भोईर 4. सौ. अनुबाई विठ्ठल भोईर 5 सौ. लक्ष्मीबाई परझराम भोईर, रा. विकणघर ता. कल्याण, जि ठाणे। (अन्तरक)
- 2. श्री दौलतराम धरमदास वाच्छानी प्रवर्तक श्री विठाये कृपा सहकारी गृहरचना संस्था उल्हासनगर, ता. उल्हासनगर, जि. ठाणे।

(अन्तरिती)

 प्री बालकृष्ण विठ्ठल भोईर 2 श्री परशराम विठ्ठल भोईर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

4. श्री बालकृष्ण विठ्ठल भोई र 2. श्री परशराम विठ्ठल भोई र । (1/3 अविभाष्य हिस्सा) । (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्परित में हितबक्ष हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पृवाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा?
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 कित के भीतर उक्त स्थावर सम्भित्त में हितवह किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहनिअर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं. नं. 46, हिस्सा नं. 5, 10 मौजे चिकण-घर, कल्याण नगरपालिका परिषद् के एरिया जि. ठाणे में स्थित है।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 493 जो 16-3-1981 को दुग्यम कल्याण के वफ्तर में लिखा है)।

शशिकान्त कुलकणीं संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पूना

तारीख: 30-10-1981

प्रकप माई० टी० एन० एस०--

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 60/61 एरडियना, कर्वे, रोड, प्ना , प्ना-411004, दिनाक 30 अक्तूबर 1981

निवर्षेक्ष सं सीए 5/एस. आर. कल्याण/मार्च 81/541/81-82---यतः मुक्ते, शिकान्त कुलकणीं, भायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० मे अधिक है

और जिसकी संख्या सं नं. 46/5, 46/10 है तथा जो भौजे चिकणघर, ता. कल्याण जि. ठाणे में स्थित हैं (और इससे उपा- अव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधि- कारी को कार्यालय द्यम निबंधक कल्याण में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, क्षारीख रें 16-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण विखिन में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आये की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के घ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

े अतः अब, उबत ग्रंधिनियम, की धारा 269-ए के ग्रमुसरण में, में, धवत ग्रंधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के . क्यीन, निम्नीलिख्त व्यक्तियाँ, अर्थात् हरू श्री परणराम विठ्ठल भोईर रा. चिकणघर, ता कल्याण ।

(अन्तरक)

 श्री दौलतराम धरमदास वाच्छानी, प्रमोटर श्री विठांबा कृपा सहकारी गृहरचना संस्था उल्हासनगर, ता. उल्हासनगर, जि. ठाणें।

(अन्तरिती)

3. 1/3 अविभाज्य हिस्सा । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4 श्री विठ्ठल राधा भोईर बालकृष्ण विठ्ठल भोईर । (1/3 अविभाज्य हिस्सा) । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तानील से 30 दिन की प्रविध, जोभी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी झन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उकत अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमुस्ची

खुली जमीन जो सं. नं. 46/5, 46/10 मौजे, चिकणघर, ता. कल्याण, जि. ठाणे में स्थित है।

(अंसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख के. 494 जो 16-3-1981 को वुय्यम निबंध कल्याण के दफतर में लिखा ही)।

शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

तारीख : 30-10-1981

्रप्रकृप आई। टी॰ एन॰ एस०⊷

धायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269-थ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, पूना

पूना-411004, विनांक 30 अक्तूबर 1981

निद्धेश सं सीए/एस आर/कल्याण/542/मार्च 81/81-82—यतः मुक्ते, शशिकान्त कुलकर्णी, श्रायकर प्रशिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रशिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रशीन सम्मन्न प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जिसकी संख्या सं. नं. 46, हिस्सा नं. 5, 10 है तथा जो मीजे चिकणघर कल्याण, नगरपालिका परिषद, अन्तरक नं । 1 का 1/3 अविभाज्य हिस्सा मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक कल्याण में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-3-81 उचित बाजार मूल्य को पूर्वोक्त सम्पत्ति के कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित गई है और मुझे यह विश्वास करने का है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित ब्राजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐस, दूश्यमान प्रतिफल का प्रस्तृह प्रतिशत से अधिक है, मौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बींच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य ये उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (त) अन्तरम मे हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्राधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
- (श्वा) ऐसी किसी आय या किसी घन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रिधिनियम, या घनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की चारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अचित्ः—-

- 1. सुर्वश्री: ,
 1. बालकृष्ण विठ्ठल भोईर 2. विठ्ठल राधा भोईर 3. परशराम विठ्ठल भोईर 4. सौ. अनु- बाई विठ्ठल भोईर 5. सौ. लक्ष्मी बाई परशराम भोईर, रा. चिकणघर, ता. कल्याण जि. ठाणे। (अन्तरक)
- 2. श्री बौलतराम धरमदास वाच्यानी प्रवर्तक श्री विद्योबा कृपा सहकारी गृहरचाना संस्था रा उल्हासनगर, ता उल्हासनगर, जि. ठाणें।

(अन्तरिती)

4. श्री विक्रोंबा राधा भोई र श्री परशराम विक्रोंबा भोई र ।'
(वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में अधोहस्ताक्षरी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्रार्थिप:—
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

रुपष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही ग्रयं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

व्रमुस्ची

सुली जमीन जो सं नं 46, हिस्सा नं 5, 10, मौजे चिकणघर, कल्याण नगरपालिका परिषद का एरिया जि. ठाणे में स्थित है। अन्तरक नं 1 का 1/3 अविभाज्य हिस्सा। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 495 जो 16/3/81 को

दुस्यम निबंधक कल्याण के दफ्तर में लिखा है।)

श्रीशकान्त क लकणीं संक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रोज, पूना

तारीख: 30-10-1981

प्रकृष **धाई ं ही ॰ एन ॰ एड ॰----**ः आयक्ष**र ब्रिशिन्य**स **1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के **ब्रिशन** सुचना

मारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 19 सितम्बर 1981

निद[े]श सं. ए एस आर /81-82/209--यतः मुक्ते, आनन्द सिंह,

मायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरें इपके पश्चात् 'छक्त प्रधितियम' कहा गया है); की धारा 239-ख के प्रधीत सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पम्मति जिमका उचित बाजार मृहय 25,000/- रुपए से मधिक है

और जिसकी सं धसन्त एवन्यू में एक प्लाट है तथा जो अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर र (यन्तर हों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किमेल नहीं किया गया है:—

- (क) यन्तरण से नुई किमी भाष की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के भाषीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। प्रौर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या ग्रम्य ज्ञास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकंर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

चनः, प्रवं, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, म, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के प्राचीन निम्मुसिवित व्यक्तियों, वर्षात्ः—

- चेर्यरमैन, अमृतसर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, अमृतसर । (अन्तरक)
- श्रीमती परमजीत कौर, पत्नी परमजीत सिंह, 38-बसन्त एवन्यू, अमृतसर । (अन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर सं. नं. 2 और किरायेदार यदि कोई हों ।
 (बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति। हैं)
- और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारों में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्य है)

को यह यूचना जारी करने पूर्वोक्त भन्मित के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजगन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी धवधि बाद में नमान्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में में किसी ध्यकित द्वादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात खिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्तोक्रथण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्राध -नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

वनुसूची

बसन्त एयन्यू, अमृतसर में एक प्लाट नं. 38 (रक्षा 556 वर्ग गज) जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय के सेलडींड नं. 3530/। दिनांक 24-2-81 में दर्ज है।

आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनुरीज, 3-चन्द्रपूरी, टेलर रोड, अमृतसर

त्**रीब**ः 24-2-1981

मोहरः 🛚

प्ररूप भाई • टी ॰ एन • एस • →---

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-क (1) के प्रकीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 26 सितम्बर 1981

निर्दोध सं. ए.एस.आर/81-82/210—यतः मुभ्ते, आनन्द सिंह,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन प्रभा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार नम्मि जिसका उचित वाकार भूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं जील मण्डी में एक प्लाट ही सथा जो अमृतसर में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, तारीख फरवरी, 1981

को पृथेकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरन में हुई किसी भाग की याबत, उनत ग्रीय-नियम के अंधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बनने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य ध्रास्तिकों को जिन्हें भारतीय याय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधितियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

 अतः यन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की छपछारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—— श्री सोनी राम पुत्र लक्ष्मण दास, वासी मकबूलपुरा, अमृतसर ।

(अन्तरकः)

2. श्री सितन्दर कारे पत्नी रिजन्दर सिह, वासी चील मंडी माहन सिंह गेट, अमृतमर ।

(अन्तरिती)

 जैसा कि उत्पर सं. न . 2 और किरायेवार यदि कोई हो ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

का यह सुबना जारी करते पूर्वोंक्य सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उम्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्च में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी बा से 45 दिन को अन्निय या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता का तामी ल ने 30 दिन की प्रविष्ठ, जो भी स्ववित्र वार्में गाण्न होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीच से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोकरण :---इसमें प्रयुक्त मध्यों घोर पर्यो का, जो उक्त धाधि-नियम, के अध्याय 20क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस खब्याय में विया गमा है।

वनुसूची

जीलमंडी, भाहन सिंह गेट, अभृत्सर में एक प्लाट नं. पुराना 1801 और 2804 और नया 2522 से 2525 तक जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेलडीड नं. 3489/। दिनांक 20-2-1981 में दर्ज हैं।

> आनन्द सिंह सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जेण, 3-भन्द्रपुरी, टेल्र रोड, अमृतसर

तारीख : 26-9-1981

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार .

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 सितम्बर 1981

निद^{*}श सं. ए. एस. आर. /81-82/211----यतः मुक्ते, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'एक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26% के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थारर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. तुंगपाई अमृतसर मे एक प्लाट है तथा जां अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन तारीख फरवरी, 1981

को पूर्विक्त सम्वत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्वत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिमत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितिथों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तलिजित उद्देश्य मे अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधानयम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनियम, या ग्रन-कर ग्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अवः उस्त मधिनियम की घारा 269ना के धनुसरण में, म उस्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री साधु सिंह पुत्र इन्दर सिंह वासी तुग पाई, अजरिया गुरनाम सिंह पुत्र साधु सिंह वासी तुंग पाई, अमृतसर। (अन्तरक)
- श्री इकबाल राय पुत्र सर्वण सिंह वासी मकान नै अ 4751/37 अबादी सरवर पुरा, गली नं . 4 अमृत-सर ।

(अन्तरिती)

 जैसा कि उत्पर सं. नं. 2 और किरायेदार यवि कोंक्र हो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्परित हैं)

4 औरकोई।

(वह व्यक्तिः, जिनके बारो में अ<mark>धोहस्ताक्षरी</mark> जानता **हो कि वह सम्प**त्ति मो हितब**ब्ध हो**)

को यहं सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्थान के किए कार्यवाहियों करता हूं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूवना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्य सा तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध्य, को भी धविध्य बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्वव्ही करण रेक्ट इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित है, वहीं प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनुसूची

729 वर्ग मीटर, तुग पाई, अमृतसर में स्थित एक प्लाट जैसा कि सेलडीड नं. 9438 दिनांक 2-2-81 आफ रिजस्ट्रीकर्ता सुधि-कारी के कार्यालय अमृतसर में दर्ज हैं।

> सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज , 3-चन्द्रपूरी , टोलर रोड , अमृतसरक्

ता्रीब : 26-9-1981

माहर 🖟

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भावकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

षारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर अमृतसर, विनांक 26 सितम्बर 1981

निदर्भेश सं. ए.एस.आर/81-82/212--यतः मुक्ते, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की घारा 260-ख के धवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका छिनत बाजार मूल्य 25,000/-रूक से अधिक है

और जिसकी सं. शंपडां बाजार में एक बिल्डिंग है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, तारीख फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्रचित बाजार मूल्य स्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य में उनन प्रान्तरण निम्नलिखन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत **४वत अधि**-नियम, के मधीन कर देने के सन्तरक के वाबित्व में कमी करने या छडसे बचने में बुविधा के किए। और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय पाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियन की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-गंकी उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,अर्थात् ।——

- अथा सिंह पुत्र कर्म सिंह, वासी 287-क्षिश निवास, सम्युक्त स्ट्रीट, बादगढी, बम्बई-3 अब बाजार पांपझा अमृतसर।
 - (अन्तरक)
- में इंशर सिह सुरजीत सिह, बाजार पोपड़ा वाला, अमृतसर ।
 (अन्तरिसी)
- 3. जैसाकि उत्परनं 2 और किरायदार यदि कोई हो।
- (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

 4. और कोई ।
 (बह व्यक्ति, जिनके बार के अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्परित में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत समाति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों . में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अखोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण। -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त' अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

एक बिल्डिंग नं. 2128-2130/6 जो बाजार पाँपडा वाला अमृतसर में स्थित हैं जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेल डीड नं. 3432/ दिनांक 12-2-1981 में दर्ज हैं।

> आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 3-चन्द्रपुरी, टोलर रोड, अर्मृतसर

ता्री**सं** : 26-9-1981

, प्ररूप बार्इ.टी.एन.एस.------

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 सितम्बर 1981

निद^{ेश} सं. ए. एस. आर. /81-82/213---यतः म**्री**के, **जानन्य सिंह**,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० अधि व

और जिसकी सं. जोशी कालोनी, अमृतसर में एक भूमि का ट्कड़ा है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वं) के अधीन, तारीस फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान गितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ट्रियमान प्रतिफल से, ऐसे ट्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत व्यथिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों अर्थात् :--

- हीरा लाल अन्नन्द पृत्र श्री राम लुभाया आनन्द वासी कटड़ा बाग सिंह, गली कदां वाली, अमृतसर । (अन्तरक)
- श्री बृज मोहन पुत्र हीरा नन्द वासी कटड़ा शेर सिंह अमृतसर।

(अन्तरिसी)

- 3. जैसा कि उज्पर नं. 2 और किरायेदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)
- 4. और कोई ।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षियत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृवोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्रिकरणः--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रमुसूची

जोशी कालौनी अमृतसर में स्थित एक भूमि का दुकड़ा ससरा नं . 1324 मिन जैसा कि रिजस्ट्री नं . 3420/। दिनांक 11-2-81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में वर्ज है ।

> आनन्य सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3-चन्द्रपृरी, टोलर रोज, अमृतसर

ता्रीस : 21-9-1981

प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निद[~]श सं. ए.एस.आर/81-82/214---यतः आपन्द सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उन्तित बाजार मूल्य

25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं . दिलावरी स्ट्रीट-, पुतलीघट अमृतसर में स्थित एक बिल्डिंग (प्रापटीं) है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णत हैं), रजिस्टी-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, तारीख फरवरी, 1981 नारे पूर्वों क्त संपत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--12-346GI 81

1. राजरानी पत्नि सतीश कुमार, वासी पुतलीघर, अम्तसर।

(अन्तरक)

2. मै. सतनाम टैक्स्टाइल मैन्फेक्चरोर्स, प्तलीघर,

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्तर स. नं. 2 और किरायेदार यदि कोर्द्र

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके दारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

🖢 हिस्सा एक विल्डिंग खाना शुमारी नं . 3699 और 3708 मिन रकबा 375 वर्ग गज जो दिलावरी स्ट्रीट प्तलीघर में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्री नं. 3526/। दिनांक 23-2-1981 रिज-· स्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 3-चन्द्रपुरी, टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 19-9-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निवं शं सं. ए.एस.आर/81-82/215—यतः मुक्ते, आनन्द सिह,

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित शाजार मृह्य 25,000- इक से प्रधिक है

और जिसकी मं. दिलावरी स्ट्रीट, पुतलीघर, अमृतसर में स्थित एक प्रापटीं है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, तारीख फरवरी, 1981

(1908 का 16वा) के अधीन, तारीं के फरवरी, 1981 को पूर्तोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐये दृश्यमान प्रतिफल सा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिक्षि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 राज रानी पित्न श्री सतीश कुमार वासी पृतलीघर, अमृतसर ।

(अन्तरक)

- 2. मैं नागी टैक्स्टाईल्स मैनुफेक्चरिय, अमृतसर । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 और किरायेदार यदि कोई। हो।

् (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्परित में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:— इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गंभा है।

अनुसूची

½ हिस्सा एक बिल्डिंग खाना शूमारी नं 3699 और 3708 मिन रकवा 375 वर्ग गज जो विलावरी स्ट्रीट अमृतसर में स्थित है जैसा कि रिजेस्ट्री नं 3527 विनांक 23-2-1981 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतमर के कार्यालय में दर्ज हैं।

ानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[ी]ज, 3-चन्द्रपुरी टोनर रोड, अमृतसर

अत अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों . अर्थात :---

तारील : 19-9-1981 मोहर : प्ररूप बाई० टी० एन० एस०-----

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 सितम्बर 1981

निव के नं. ए एस आर $\sqrt{81-82/216}$ —यतः म् $\hat{\mathbf{H}}$, आनन्द सिंह,

भायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से अधिक है

और जिसकी सं चूहं बंदी, कटड़ा कर्म सिंह में स्थित एक बुकान नं 197/7, है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इमसे उपावद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रांतफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिक नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में भ्रीवधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

- (1) श्रीमती अमरजीत काँर पत्नि बलवंत सिंह, वासी 25-गोल्डन एवन्यू, अमृतसर। (ग्रन्सरक)
- (2) श्री गुरबस्था सिंह पुत्र मेहर सिंह, श्री स्रिन्द्र सिंह पुत्र गृरबस्था सिंह, वासी मजी. मण्डी, अमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर संख्या नं. 2 और किरायंदार यदि कोई हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) और कोई। (बह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जेत के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रोर पर्दों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-का में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

(अनुसूची

चूहड़ बेरी, कटड़ा कर्म सिंह, अमृतसर में स्थित एक द्कान नं. 197/7 जो सेल डीड नं. 3353/। दिनांक 3-2-81, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर के कार्यालय में दर्ज हैं।

> आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-3, चन्त्रपुरी, टोनर रोड, अमृशसर

तारी**ख** : 21-9-1981

मोहरः

प्ररूप आहर्ष. टी. एन्. एस्. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- श (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 21 सितम्बर 1981

निदंश नं. ए एस आर/81-82/217—यतः म्फे, आनन्व सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं और जिसका से. प्लाट आफ लैंड गार्डन कोलोनी, मिशन रोड, पठानकीट हैं, तथा जा अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध अमृत्वी में और पूर्ण रूप में विर्णत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के जार्यलय, एस. आर., पठानकीट में रिजस्ट्रीकर्रा अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1981 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मभ्रे यह विश्वास

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा : लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम कि धारा 269 ग के अनुसरण में, में, जनन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मनिसिस व्यक्तियों अर्थात् ---

- (1) शीतल कुमारी पत्नि रिवन्द्र कुमार, वासी काली माता रोड, नजदीक टौलिफोन एक्सचैंज, पाठन-काट।
- (2) डाक्टर बरहम प्रकाश भण्डारी पृत्र बशेशर नाथ भंडारी और श्रीमती पूनम पत्ति बी. पी. भंडारी, मान मार्कीट, जलहोजी रोड, पठानकोट।
- (3) जैसा कि संख्या नं. 2 और कोई किरायदार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) और कोर्डं। (वह व्यक्तिः, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 विज की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उसत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

एक जमीन का टुकड़ा रकवा 767 दर्ग गज, गार्डन कालौनी,) मिशन रोड़, पठानकोट में जैसा सेल डीड नं. 3212 दिनांक 9-2-81 रजिस्ट्री अधिकारी, पठानकोट में दर्ज हो।

> आनन्द सिंह सक्षम <mark>प्राधिकारी</mark> सहायक द्यायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, चन्द्रप्री, टोलर रोड, अमृतसर

तारी**स** : 21-9-1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 25 सितम्बर 1981

निवंश नं. ए एस आर/81-82/218—यतः मूभ्रे, आनन्द मिह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/ रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकी मं. एक भूमि का ट्कड़ा है, तथा जा कृष्णा नगर, लीर स रोड, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्-मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-2-1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि थ्यापूर्वीक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथ नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुं किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; बौर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री जोगिन्दर नाथ पत्र श्री जगन नाथ, डाक्टर स्रिन्दर नाथ और मोहिन्दर नाथ पत्र जगन नाथ, वासी 4-लीरांस रोड, अमृतसर।

(अन्सरक)

(2) श्री बलजीत सिंह प्त श्री राम सिंह, बासी गुरूनानक वाडा, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि संख्या नं. 2 और किरायेदार और कोई। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स-45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पळीकरण:--इसमे प्रयुक्त सन्वों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हुँ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का ट्कड़ा, 164 स्क्वेयर गज, आबादी कृष्णा नगर, लौरोस रोड, अमृतसर जैसा कि रिजस्ट्री नं 3520/1 दिनांक 23-2-81 रिजस्ट्री अधिकारी, अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-3, चन्द्रपुरी, टोलर रोड, अमृतसर

तारील : 25-9-1981

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के म्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितम्बर 1981

निवरेश नं. ए एस आर/81-82/219- स्यतः मूभ्हे, आनन्य सिंह,

बायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पृत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं एक भूमि का ट्कड़ा, स्लतान विंड, अमृतसर है, तथा जो सुलतान विंड, स्बर्धन, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 24-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्त्यों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-य की उपघारा (1) को सुधीम, निम्मुलिकित स्युक्तियों, सुधीत :--

- (1) श्री ग्रमस सिंह प्त्र बेला सिंह, वासी दबूरजी, जी. टी. रोड, अमृतसर।
- (2) श्रीमती मनजीत कार पत्नि सुखदेव सिंह, धासी मोहन नगर, अमृतसर।
- (3) जैसा कि संख्या नं. 2 और किरायेदार और कोई। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- (4) और कोई । (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के <mark>प्रर्जन के लिये</mark> कार्यवाहियां करता हूं ।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों ग्रीर पदों का, जा उक्त ग्राध-नियम, के ग्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वही ग्रयें होगा जो उस ग्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का टुकड़ा 458 स्क्वेयर मीटर, सूलतान विंड, सुबरबन अमृतसर जैसा कि रिजस्ट्री नं 10231 दिनांक 24-2-81 रिजस्ट्री अधिकारी, अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रों अ-3, चन्द्रप्री, टोलर रोड, अमृतसर

तारीख : 25-9-1981

मोह्य 🗓

प्ररूप धाई० ही• एन• एस•-----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के संशीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रांज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितम्बर 1981

निबरेश नं. ए एस आर/81-82/220—यतः म्भ्हे, आनन्द सिंह,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उना अधिनिययं कहा गया है), की बारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राविकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिलत बाजार मृस्य 25,000/- कु से अधिक है

और जिसकी सं. एक भूमि का ट्कड़ा, म्लतान विंड, अमृतसर हैं, तथा जो म्लतान विंड, स्वरंबन, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्मृती में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-2-1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रम्तिरत की गई है और मुझे यह विण्यास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूक्ष्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का प्रमह प्रतिकत से बाजिक है और अन्तरक (प्रम्तरकों) और अन्तरिती (प्रम्तरितिमों) के बीच ऐसे प्रम्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरक लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तरण से तुर्द किसी आय की बाबत जनत अधिनयम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में कुष्यिधा के लिए।

जतः, अत्र, चक्त अधिनियम की बारा 269-व के बनुसरण में, में उपत धौर्षानियम की धारा 269-व की स्ववारा (1) के बसीन निम्नलिखित स्पंतित्यों, खर्षातः——

- (1) श्री विलवाग सिंह पूत्र बेला सिंह, वासी देवूरजी, जी. टी. रोड, अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मनजीत कार पहिन् सुखदेव सिंह, वासी मोहन नगर, अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि संख्या नं . 2 और किरायेदार और कोई। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या वस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील है 30 विन की भवित, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति हारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

एक भूमि का ट्रांकड़ा 458 स्क्वेयर मीटर, स्लतान विंड, स्वरवन, अमृतसर जैसा कि रिजस्ट्री अधिकारी, अमृतसर के कार्यालय में रीजस्ट्री नं 10474 दिनांक 27-2-81 का दर्ज है।

> आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रोंज-3, चन्द्रप्री, टोनर रोड, अमृतसर

ता्रील : 25-9-1981

प्ररूप आहूरं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितम्बर 1981

निद्येश नं. ए एस आर/81-82/221— यत म्फे, आनन्द सिंह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिराका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक ट्कड़ा भूमि का खोला प्राना नं. 2802 और 2804, नया नं 2522 से 2525/1-23 हैं, तथा जो चील मन्डी, अमृतसर मो स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्सची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-2-1981

को पूर्विकत संपित्त के उजित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य में उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वायर, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के दायित्व में कभी करने मा उससे वचने में सृत्धि। के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) श्री सानी राम पुत्र लक्ष्मण दास, वासी मकबूल पुरा, अमृतसर।
- (2) भोला मिह, स्रिन्दर सिंह प्त्र बखशीश सिंह, वासी श्रील मण्डी, अमृतसर।

(अन्सरिती)

(अन्तरक)

- (3) जैमा कि मंख्या न . 2 और किरायेदार और कोई। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- (4) और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना ज़ारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्वामा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

एक भृमि का टकाडा 81 के स्क्वेयर मीटर, भानसिंह गेट, चील मण्डी, अभतसर जैसा कि रिजम्ट्री नं. 3426/।, दिनांक 11-2-81 रिजस्ट्री अधिकारी, अमृतसर के कार्यालय में दर्ज हैं।

> आनन्द मिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज-3, चन्द्रपुरी टोलर रोड, अमृतसर

तारीख ' 25-9-1981 मो**ह**र: प्र्रूष्प आई. टी. एन. एस. →-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितंबर 1981

निंदोश नं ए एस आर/81-82/222—यतः मृभ्ते, आनंद सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. एक गोहीम है तथा जो कपूर रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1981

को पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की दृं हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

गैसर्ज मेहरा खन्ना लक्की स्कीम प्राइविट लिमिटेड कूपर रोड व्वारा श्री राकेश खन्ना मैनेजिंग डाइ-रेक्टर।

(अप्तरक)

2 मैंसर्ज पुनम बिल्डर्ज, रानी का बाग द्वारा श्रीमती पूनम कुमारी प्रोप्राइटर अमृतसर।

(अन्सरिती)

- 3 जैसा कि उल्पर सं. 2 में और कोई कि रायदार ही ती
 - (बहुव्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

4 और कोई

(मह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक गोदाम एक मंजिला नं. 150, 151, 152/13-2 जो कपूर रोड, अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डींड नं. 3330/ 1 दिनांक 2-2-81 रिजस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जी रोज, 3 चंपूरी टोलर रोड, अमृतसर

ता**रीस**ः 25-9-1981

प्रकप बार्च. टी. एन्. एस.-----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-म् (1) के अधीन सूचना

ब्रारत् स्रकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त शायुक्त (निरीक्षण) अर्थन् रंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 25 सितंबर 1981

निविभ मं. ए एस आर/81-82/223—यतः मुक्ते,

भानेद सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो सुलतानविंड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अभिकारी के कार्याक्षय जमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में रास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यन में सुविधा के लिए; बीड्र/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों धर्म, जिन्हों भारतीय खायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- बतः बद्धं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गंके अनुसरण् के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-मंकी अपधारा (1)

- 1. दिलबाग सिंह गुरमृष्ट सिंह पुत्र बेला सिंह वासी सुल्तानविंड तहसील व जिला अमृतसर। (अन्तरक)
- 2. श्री नीरन्द्र सिंह पुत्र संत सिंह और देलवंत सिंह पुत्र अमर सिंह नासी सरवरपुरा, अमृतसर। (अन्तरिती)
- 3. जीसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई कि रायदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति ही)
- और कोई
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, सधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो 469 वर्ग मी. है ससरा नं. 1537 मिन है जो सुलतान विंड सब-अरदन तहसील व जिला अमृतसर मर्ट है जैसा कि सेल डीड नं. 10475/27-2-81 रिजस्ट्रीकतों अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 मंद्रपूरी टोलर रोड, अमृतसर

प्रेरूप आई• टी• एन• एस•----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 सितंबर 1981

निद्योश नं ए एस आर/81-82/224—यतः मुक्ते, शानंव सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से प्राधिक है और जिसकी सं. एक प्लाट नं. 2342 है तथा जो कटरा महा सिंह अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख फरवरी 1981

को पूर्वोक्त सन्तरित के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है यौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत है और अन्तरक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच नेसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उस्त अन्तरण निकित में वास्तिबक कप्त से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत, एकत अधि-नियम, के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अग्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या घनकर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रुव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रायित :--- श्री अमर नाथ पुत्र प्रभु दयाल वासी कटरा आल्वालीश अमतसर।

(अन्तरक)

 श्री बहादार सिंह सृपुत्र अमर सिंह वासी बाजार टाहल साहब, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हां (दह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. और कोई (यह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी स्थक्तियों पर सूचना की तामी आ के 30 दिन की घविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ब) इस पूचना के राजपत के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्धों घीर पैदों का, को उक्त प्रधितियम, के धध्याय 20-क में परिधाणित ृष्टि, बही धर्ष दोगा, जो उस प्रध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

एक जमीन का टांकड़ा नं. 2342 रकता 159 वर्ग मीटर कटरा महां सिंह अन्दरन्न पक्की गली अमृतसर जैसा कि सेल डोड नं. 3477/1 द्विनांक 20-2-81 रिजस्ट्री अधिकारी अमृतसर में वर्ज हैं।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अूर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी टोलर रोड, अमृतचर

सारीच ः 21-9-1981

(अन्तरक)

प्रकप आर्धे ही । एत । एस ---

पायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 21 सितंबर 1981

निवोध नं. ए एस आर/81-82/225---यतः मुक्ते, बानंद सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

अरि जिसकी सं. एक मकान शरीफ पुरा, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 फरवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किशत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उक्षते बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या घनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों में उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्रीमती कचन विवान विधवा श्री सत्तपाल वासी शरीफ-प्रा, अमृतसर।
- श्री गोपाल दास पुत्र श्री आत्मा राम वासी जी . टी. रोड, शरीकपुरा, अमृतसर।

(अन्तर्गरही)

जैसा कि उत्पर सं. 2 मो और कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4 और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबब्ध है)

को गइ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति हारा, श्रधोहस्ताक्तरी के पास लिखिल में किए जा संकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20 ह में परिभाषित है, बही प्रयोदीगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं 131-132, शरीकपुरा अमृतसर जैसा कि रिजस्ट्री नं 3476/।, विनांक 20-2-81 को रिजस्ट्री अधि-कारी अमृतसर के कार्यालय में वर्ज हैं।

> आनम्ब सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 3 चंत्रपृरी टोलर रोड, अमृतसर

तारीब : 21-9-1981

मोहरः

प्रक्रम पाई• टी• एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी आरा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

. कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन्रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 सितंबर 1981

निवेश नं. ए एस आर/81-82/226—यतः मुक्ते, शानन्य सिंह, आयमर सिंह, आयमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आगार मुख्य 25,000/-इ॰ से अधिक है

गौर जिसकी सं. एक मकान शरीफपुरा, है तथा जो भमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और एण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 फरवरी 1981

को पर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है जि थपापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान मितफल से, ऐसे दृश्यमान मितफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उद्दा अन्तरण निस्ति विवा में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः सब, उनल मधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उनल मधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन निम्मलिबित व्यक्तियों, प्रयोत्:— श्रीभती कंचन दीवान विश्वता श्री दीवान सक्तपाल, वासी दारीकपुरा, अमृतसर।

(अन्तरक)

श्रीमती सुहाग वती पत्नी श्री गोपाल दास वासी जी दी. रोड, शरीभपुरा, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो। (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. और कोई (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के. राजपत में प्रकाशन की तारीखा से
 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे!

स्पटीकरण !---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अये होगा, जो उस अध्याय में विया मया है।

नगृस्ची

एक मकान गं. 131-132, शरीफपूरा, जी. टी. रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री नं. 3482/। विनांक 20-2-1981 को रजिस्ट्री अभिकारी अमृतसर के कार्यालय में वर्ज हैं।

आनन्द सिंह संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्षन रोज, 3 चंद्रपुरी टोलर रोज, अमृतसर

ता**रीय**ः 21-9-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस. ------

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की धररा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 सितंबर 1981

निदोश नं. ए एस आर/81-82/227—-यतः मुभ्ते, आनन्द सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिस्की सं. एक मकान कोर हरनाम वास अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस. आर. अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी 1981

(1908 का 16) के अधान, ताराख फरेशरा 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूंच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कीनम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार्य, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सुर्थात्:-- श्रीमती स्वरन कौर पत्नी अमर सिह वासी कौर हरनाम दास अमलमर।

(अन्तरक)

2. श्री ज्ञान सिंह पुत्र भरदार सिंह वासी गुरू बाजार तरन नारन जिला अमृतसर।

(अन्तरिसी)

जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो।
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

और कोई
 (वह व्यक्ति, जिनके वार में अक्षोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथित क्यादितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ झोगा जो उस अध्याय में दिया ३ गया है।

वनुसूची

एक मकान नं. 1972/10172 क नं. 323/324 कोर तेषा सिंह और कोर हरनाम दास सुलतान सिंह रोड अमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं. 3396/। दिनांक 10-2-81 रिजस्ट्री आंधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रप्री टोलर रोड, अमृतसर

सारी**स** : 14-9-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोजे, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 सितंबर 1981

नि**दा**श नं. ए एस आर/81-82/228---यतः म्भेरे, जानंद सिंह, आई¹. आर. एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

और फिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो चौक बाबा साहिब अमृतसर मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरदरी 1981

को पूर्वेक्ति संपरित के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल को लिए अोतरित की गर्द हैं और अपने यह विस्वास करने का कारण हाँकि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक ही डागैर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह^{ें} भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ा श्रीदिव राजगुप्ता और राजकामार गुप्तापुत्र और अभीर चन्द्र पुत्र श्री रत्ये चन्द्र वासी सिरकी वाला, दिल्ली।

(अन्तरक)

- 2. श्री करेश चंद पिपलानी पुत्र श्री शास्ति सरूप बासी चौंक बाबा साहिब द्वारा शहजादा नन्द कालेज फार बोमेन चौक बाबा साहिब अमृतसर।
 - (अन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर सं. 2 मों और कोई कि रायेदार हो (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- और कोई

्(वह अयक्ति, **जिनके बार**ेमें अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं:, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मम्सूची

🖢 भाग जायदाव का नं. 1546/5-10 जो चौक बाबा साहिब अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं . 3356/1 तिथि 3-2-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आनंद सिंह, आई आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, चंद्रपूरी टोलर रोड, अमृतसर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 21-9-1981

शृख्य बाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 सितंबर 1981

निवरेश नं. ए एस आर/81-82/229--- गतः म्रुके, जानंद सिंह, आर्द: आर. एस,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जूल्य 25.000/- रु. से अधिक है'

और जिसकी सं. एक मकान बना हुआ है तथा जो एलबर्ट रोड अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1981

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुंदै जिसी जाय की वाबत उक्त अधि-ं नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/वा
- (स) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य बास्तिय!
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
 भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा
 के निए?

ब्रशः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए--- श्री कुंदन साल पुत्र श्री ठाकुर दास वासी बाजार दाम बाग, अमृतसर।

(अन्सरक)

- 2 श्री राम लुभाया पृत्र श्री राम वासी पांक बाबा साहिब, कृचा बुडा सिंह मकान नं. 1209, अमृतसर। (अन्तरिती)
- 3 जैसाकि उज्परसं. 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. और कोई ं (यह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत स्विक्तवाँ में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- धव्य किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

मन्त्रवी

बना हुआ मकान जो एलबर्ट रोड अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 3401/तिथि 10-2-81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर∶ एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-3, चंत्रपूरी टोलर रोड, अमृतस्स्क

ता**रीव** 21-9-1981 मोहर : प्र**रूप भा**ई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 21 सितंबर 1981

निवरेश न ए एस आ $\tau/81-82/230$ — यत मुक्ते, आनद सिह,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे उसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ज है प्रशीन सक्षम प्राधिकारी की, पर जिल्ला करने हा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन गाजार मुख्य 25,000/- कार्य न प्रधिक है

जिसकी स एक भूमि का टुकुड़ा है तथा जा नटा कोट, उमृतरण म स्थित है (और इससे उपाबद्दा अनसूचों में और पूर्ण रूप म विण्त है), रिजर्ट्रीकर्ता अधिकाणों के कार्यालय अमृतसण में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस 3-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिष्फल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत प्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरिक (ग्रन्तरिकों) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त ग्रन्तरण निष्ति ने वास्तविक क्या से प्रधिन नहीं किया गया है:—

- (क) यरतरणा वर्षा जिसी प्रायं की बावत उका प्रधि-नियम, के प्रधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में हमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों ना, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा की 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।→── 14—346€1/81

- भैसर्ज बीनेक्स एक्सपोर्टिस, महा सिह भेट, अमृत-भर।
 - (अन्तरक)
- 2 मैसर्ज डीनक्स बूलन प्रार्झवट लिमिट ड बीमाल, अमृतसर।
 - (अन्तरिती)
- 3 जैसा कि उज्यर म 2 में और कोई किरायेदार हो (वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सपत्ति हो)
- 4 और कोई (यह व्यक्ति, जिनके बार मा अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति मा हितबब्ध है)

हो यह सूचना जारी करके पूर्वोत्रक्ष सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हैं।

उक्त समानि के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (ह) इस सूचना के राजपत मैं प्रकाशन की नारीख से 45 दिन हा प्रविध या नत्मवंधी व्यक्तियों गर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पब्दी हरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रहगाय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक भूमि का टुकडा 15 कनाल 4 मरला नया कांट, अमृतसर जैमा कि रजिस्टरी अधिकारी अमृतसर को कार्यालय रजिस्ट्री न . 9482/। दिनाक 3-2-81 को दर्ज हैं।

आन**द सिह्** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 3 **चद्र**प्री टेलर रोड, अमृतसर

तारीक 21-9-1981 मोहर अरूप ग्राई० टी० एन० एस०----

वायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतगर, दिनांक 21 सितंबर 1981

रिदोश नं. ए एस आर/81-82/231—स्तः मुभे, आनंद सिंह. आई. आर. एस,

आपकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ब्रिक्के पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण . ब्रिहे कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-म्याप से ग्रिधिक है

और जिसकी सं. एक जायवाद है तथा जो राम तीर्थ रोड, गवाल मंडी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और असतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विज्ञ है), रिबस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजरट्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तथीन, तारील फरवरी 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्दर प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) को जन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ज्यास्था गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में जाम्बिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त पृथ्वितयम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या ब्रम्य ब्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्तअधिनियम की धार⁄ 269 ग के ग्रनुसरण भें में उक्त ग्रिधिनियम की धार⁄ 269 व की उपधारा(1) केअग्रीन निम्निसियन व्यक्तियों ग्रथींत्ः ---

- श्री पतह सिंह पृत्र टेहल सिंह वासी थी. टी. रोड, फतह सिलाई मशीनज पुतलीघर, अमृतसर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती सूरजीत कौर पत्नी सवर्ण सिंह भूमिहरो कौर पत्नी नीरन्द्र सिंह, जसविन्द्र कौर पत्नी प्रिथीपाल सिंह वासी फतहगढ़ चूड़ियां जिला ग्रदासपुर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा िक उत्पर सं. 2 में और कोई िक रायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4 और कोई (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह मुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजफत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध-या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पन्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्वो का, जो उनत ग्रिधिनियम के घड्याप 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद नं 1616/13 जो 166 वर्ग मी है जो कि राम तीर्थ रोड, गवाल मंडी अमृतसर में है जैसा कि संल डीड नं 3490/1 तिथि 20-2-81 रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आनंद सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी टोनर रोड, अमृतसर

तारीक 21-9-1981 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

आयक्तर घिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के घिष्ठीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 सितंबर 1981

निद्येश नं. ए एस आर/81-82/232—यतः मूकी, आनंद सिंह, आर्दे. आर. एस,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान नं. 26-ए हैं तथा जो कि हुक्म सिंह रोड़ अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाधद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विषय हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण ने हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिधिक नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, मन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण भें, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीम, निम्निखित व्यक्तियो,प्रयात्।—— कुलवंत कार पत्नी चनन सिंह वाभी अन्य प्र तहसील अजनाला जिला अमृतमर द्यारा गजन सिंह मुसतार आम।

(अन्तरक)

2. श्री तेजा सिंह पृत्र बुड़ सिह, कालदीय कार पत्नी तेजा सिंह पृत्र पूड सिंह, कालदीय कार पत्नी तेजा सिंह वासी गांव सूफिया तहसील अजनाला जिला अमृतसर।

(अन्तरिनी)

3. जैसा कि उत्पर स. 2 में और काई कि रायदार हो (बह व्यक्ति जिसके अधिकार में संपत्ति हैं)

4 और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बार म अधाहस्ताक्षरी जानता ही कि वह संपत्ति में हितबबुध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के तम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदीं का, जो उन्त ग्रीत नियम के भ्रष्टाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रार्थ होगा, जो उस ग्राष्ट्रयात में दिया गया है।

अनुसूची

अभाग मकान का नं. 26-ए जो हुक्स सिंह रोड, अमृतसर में हैं जैसा कि सेल जीड नं. 3567/1 तिथि 27-2-81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज हैं।

> आनंद सिंह, आर्ड. आर एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 3 चंद्रपुरी टोलर रोड अमृतसर

तारीब : 25-9-81

प्ररूप भाई० टी • एन • एस • ---

आयकर भविनियन; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 सितंबर 1981

निदश नं. ए एस आर/81-82/24!— यतः मुक्ते, आनंद सिंह, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो रानी बाजार शरीफपुरा अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 19:18 (1908 का 16) के अभीन, तारीक फरवरी 1981

की भूवेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का छनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत मधिक है भौर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्लिखिन उर्देश्य से उना अन्तरण लिखित में बास्तविक स्वा किया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िहसी आप को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने मा उससे बचने में सृविधा के लिए: और'या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जग्ना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

स्रतः अनः, उक्तं द्राधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती चंचल क्मारी पत्नी श्री प्यारा लाल पुत्र पंडित इछ्या राम 101, जोशी कालोनी अमृतसर।
- श्रीमती पूतम रानी पत्नी श्री विकम जीत शर्मा मकान नं 224/13, शरीफपूरा, अमृतसर।
- (अन्तरिती) 3. जैंसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4 और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपंत्रिम हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति **के धर्जन** के लिए **कार्यवाद्वि**यां **कर**ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी
 भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दारा, ग्राधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं. $1-\epsilon^2/57$ और $1751/\sqrt{VX-II}$ जो रानी बाजार शरीफपूरा अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 3863 तिथि 27-3-81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में **दर्ज हैं**।

आनंद सिंह, आई आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, 3 चंद्रपूरी टोलर रोड, अमृतसक्

तारीङ : 19-9-1981

प्रश्रव शार्षक ही व एतव एसक-----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 19 सितम्बर 1981

निवंश नं. ए. एस. आर/81-82/242—यतः मूभ्के, आनंद सिंह, आर्ड. आर. एस.,

बायकर बांबनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खकत प्रश्नित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- व• से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान है जो तथा कटड़ा खजाना अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णिस है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्णलय अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है पौर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर बन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स हुइ किसा धाय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनयम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

ग्रतः अय, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुबरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपन्नारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तिमीं, प्रयातः--

 श्री दिवन्द्र क्रमार पुत्र श्री मोती राम कटड़ा खजाना गली बाग चौधरी अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्रीमती प्रेम लता पत्नी श्री मनोहर लाल वासी कटड़ा लजाना अमृतसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तार। छ से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए ना सकेंगे।

स्पट्टो हरग -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ो अबंहोगा जो उस अध्याय मं विमा गया है।

अनुसूची

एक मकान नं. 1585/9-1 और 1609/-1। जो गली बाग चौधरी कटड़ा खजाना अमृतसर में है जैसा कि संल डीड नं. 3719/1 तिथि 16-3-81 रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आईं. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 3 चंद्रपृरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख: 19-10-81

प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 19 अक्तूबर 1981

निदंशक नं. ए. एस. आर./81-82/243 --यतः मुभी, आनंद सिंह, आर्थ. आर. एस.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक दुकान है तथा जो निमक मंडी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णिज्य है), रिजस्ट्रीक ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निवित व्यक्तियों, अधीत् :--

- श्री फकीर चंद सचदेवा पुत्र श्री फतह चंद सचदेवा वासी बंबई ब्वारा श्री दंवकी नंदन सचदेवा पुत्र श्री हीरा लाल सचदेवा वासी 10 कोर्ट रोड, अमृतसर (अन्तरक)
- 2. श्री प्यारा लाल और श्री कवल कृष्ण उर्फ केवल कुमार पुत्र वास देव चावला वासी बाजार निमक मंडी, अमृतसर

(अन्तरिती)

3 जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई कि रायेवार हो श्री प्यारा लाल श्री केवल कृष्ण उर्फ केवल कुमार और डाक्टर हरी चन्द्र अरोरा

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्य हैं)

को यह सूचना चारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में क्योर्ड भी बाक्षोप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- अव्धि किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक मकान नं. 693 और नं. 762/पुराना नं. 703 जो निमक मंडी अमृतसर में हैं (एरिया 80 वर्ग मी.) हैं जैसा कि सेल डीड नं. 3648/1 तिथि 9-3-81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में हैं।

आनंद सिंह, आई. आर. एस. सक्सम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज 3 चन्द्रपुरी टोनर रोड़, अमृतसर

तारील : 19-10-81

प्रकप माई • ही • एत • एत • --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जून रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 अक्तूबर 1981 निदेश नं. ए. एस. आर./81-82/244—यतः मृभे, आनंद सिंह, आई. आर. एस

आनव सिंह, आहे. आर. एस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उन्दः अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम अधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छचित बाजार मूम्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं एक इमारत है तथा जो रामसर रोड़, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुशे यह विश्वास करने का का रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का प्रश्नह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्म के लिए नय प्राया गया प्रतिकल, निम्नचित्रित उद्देश्य से उन्त अन्तर्म निर्मित विश्वा यथा गया प्रतिकल, निम्नचित्रित उद्देश्य से उन्त अन्तर्म निर्मित विश्वा यथा गया प्रतिकल, निम्नचित्रित उद्देश्य से उन्त अन्तर्म निर्मित विश्वा यथा है !—

- (क) प्रस्तरण से तुई किमी भाग की बाबत, उक्त प्रक्षितियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिएक में कमी करने या उससे बजने में सुविका के लिए। धीर/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसो बन या अन्य भास्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त भिधिनियम, या अन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव उक्त भिन्नतियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त भिन्नियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिक्ति व्यक्तियों सुर्थातः --

- श्री अमोलक सिंह पुत्र हरनाम सिंह, हीरा देवी विश्वा हरनाम सिंह, विभला, पूष्पा पृत्रीयां स हरनाम सिंह वासी रामसर रोड, अमृतसर (अन्तरक)
- श्रीमती हरजिन्द्र कार पुत्री अमरीक सिंह मकान नं.
 2741/वी-18, रामसर रोड अमृतसर (अन्तरिती)।
- 3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायदार हो लाल बहाद र, धर्म पाल

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) 4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सृष्या के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्कत स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकी।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में वियागया है।

अनुसूची

4/5 भाग इमारत नं. 2741/वी-18 और 2485/वी-18 जो रामसर रोड़, अमृतसर में हैं (अनिवभाजित भाग) जैसा कि सेल डीड नं. 3640/1 तिथि 16-3-81 रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी अमृतसर में वर्ज हैं।

आनंद सिंह, आई आर एस सक्षम अधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)-अर्जन रॉज 3 चन्द्रपुरी टोलर रोड़, अमृतसर

त्रारील : 19-10-81

प्रकप नाहै. टी. एन. एस.------आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की 'भारा 269-म (1) के नधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 अक्तूबर 1981

निवंश नं ए. एस. आर. /81-82/245—यतः मुक्ते, आनंद सिंह, आई. आर. एस आनंद सिंह, आई. आर. एस प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-द० से मधिक है

और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो कास्त्री नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण इप में दर्णित है), रिजस्ट्रीक तो अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, खसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह्र प्रतिप्रत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गथा प्रतिक्रत, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (अ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्त्यों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिप्रिनयम, या धन-कर श्रिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिक्त व्यक्तियों अर्थात्ः--

- 1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र हरनाम सिंह कट्डा मित सिंह वाजार हंसली अमृतसर (अन्तरक)
- श्री अलोचन सिह ख्राना प्त्र श्री बलबीर सिंह और गुरचरण सिंह और निरन्त्र सिंह प्त्र त्रलोचन सिंह कट्डा दल सिंह गली गरवीया, अमृतसर (अन्तरिसी)
- जैसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायदार हो तो (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारो में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति मो हितवव्थ हैं)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जे
 भी प्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकोंगे।

हपद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रयी होगा, जो उस श्रक्ष्याय में विया गया है।

जनुसूची

एक भूमि का प्लाट 857.6 वर्गमी. है जो शास्त्री नगर। अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड न. 3605/1 तिथि 3-3-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज हो।

> आनंद सिंह, आई. आर. एस., सक्षम अधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 3 चन्त्रपूरी टेलर रोड़, अमृतसर

तारीख : 19-10-81

प्ररूप आहुँ. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्तूबर 1981

निदोश नं. ए. एस. आर./81-82/246---यतः मुभौ, आनंद सिंह, आई. आर. एस

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रन. से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान ससरा नं. 83 है तथा जो गुमटाना तहसील अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीक ता अधिकारी के कार्यासय अमृतसर में रजिस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मार्च 1981

को पूर्वों क्स संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रिपिकल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्वेदेश से उक्त अन्तरण शिक्ति में वास्तिकक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आब या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ॥व, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ह—-

 श्री अमरपाल सिंह पूत्र ग्रचरण सिंह 26-ए एलवर्ट सेड, अमतसर

(उन्सरक)

(अन्तरिती)

- श्री आर्ड. एम. बर्नार्ड वासी गुमटाला, फतहगढ़ चूडिया रोड, अमृतसर
- 3. जीसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायेक्षार हो (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई

(बहु व्यक्ति, जिनके बार में अधिहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब्ध हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्परित के अर्जन के कार्य-वाहियां करता हूं।

उन्द सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (व) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अमुसुची

एक मकान ससरा नं. 83 मिन जो गुमटाला, फतहगढ़ जूडियां रोड, अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 3721/1 तिथि 16-3-81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज हैं।

> आनंद सिंह, आर्द्ध. आर. एस. सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, चन्द्रपूरी टोनर रोड, अमृतसर

ता**रीत** : 6-10-81

मोहर 🗄

प्रकप बाईं टी॰ एन॰ एस॰-

आयकर प्रश्चितिवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रथीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 19 अक्तबर 1981

निवेश न ए एस आर /81-82/247—यत मुफे, आनद सिह, आई आर एम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिस्की स एक दुकान है तथा जो कनक मड़ी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मार्च 1981

की पूर्वोक्त सम्पति के बिंदत बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिश्रल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनक दृश्यमान प्रतिकृत में, एने दृश्यमान प्रतिश्रल के पन्तर् प्रतिशा ने पश्चि है और गई कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्थ के लिए तय पाया भया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त ध्रम्तर्थ निश्चित में वास्तिक का से क्यान तहीं किया गया है:——

- (क) घरनरग से हुई किमी प्राप्त को बाबत उणत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमो करने पा उनने बचने में मुक्षिधा के निए; सोर/या
- (आ) ऐसी किसी आय पाकिसी धा या प्रस्थ प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धन्तरिती ज्ञारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

जत: घन, उस्त आधानयम की धारा 269क्न के समुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269क् की उपचारा (1) के मधीन निम्निश्चित व्यक्तियों सर्चात:---

- 1 श्री महिन्द्र पाल, जोगिन्द्र पाल और जबाहर लाल पृत्र पिडत मनोहर लाल वासी गाव चवा तहसील अमृतसर और श्रीमती जगवीश कुमारी शर्मा पृत्र पृडित मनोहर लाल द्वारा अवाहर लाल मुखतार आम (अन्तरका)
- मैंस्रज मोहन आध्ल मिल्म बाहर गेंट भगताबाला, अमृतसर

(अन्तरिती)

3 जैसा कि उत्पर स 2 में कोई किरायदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सपत्ति है)

4 और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अभाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह मूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी बन्ध व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पाथ लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदोंका, जो 'खबत अक्षि-नियम', के अख्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अख्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक बुकान न 1226/6 जो बाजार कनक मण्डी अमृतसर में हैं (एरिया 85 वर्ग गज हैं) जैसा कि भील डीड न 3704/1 तिथि 13-3-81 रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

> आनद सिह, आई आर एस सक्षम पाधिकार्र सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, 3 चन्द्रपुरी टोलर रोड, अमृतसर

तारीख 19-10-81 मोहर . प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ं धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 15 अक्तूबर 1981

निवोश सं. ए. एस. आर./81-82/248—यतः म्फे, आनंव सिंह, आई. आर. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. स अधिक है

थार जिसकी सं. एक मकान है तथा जो कि आबादी गोकल बन्द किला भंगीयां अमृतसर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मार्च 1981 करे पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त मंपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एर्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती

(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल निम्नलिश्वित उद्यवेषय से उद्यत अन्तरण लिखित में बास्त-

विक रूप से कथित नहीं किए। गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों मुर्मातः--

1. श्री संत राम कालिया पृत्र पंडित ठाकुर वास वासी किला भंगीयां, आबादी गोकलचंद (आबादी श्री गुरू राम दास) अमृतसर

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती शशी भाटीया पत्नी श्री शारी लाल वासी किलो भंगीयां अमृतसर
- (अन्तरिती) "3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ही)

4. और कोई ·

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए जा सकोंगे।

· स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का जो उक्त अजिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा खो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसू**ची**

एक मकान न 1876/8-17 जो किला भंगीयां आवादी गोकल चंद महला जी गुरू राम दास में है जैसा कि सेल डीड न 3703/1 तिथि 13-3-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.

स<mark>क्षम प्राधिकारी</mark> स**हायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रॉज, 3 चंद्रपूरी टोलर रोड, अमृतसर

तारी**य** : 15-10-1981

प्र**क्षप बार्ड** टी० एन० एस०-

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन कूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 19 अक्तूबर 1981

निविधा स. ए. एस आर. /81-82/249—यतः मूक्ते, आज्ञेन्द मिंह, आर्द. आर. एस.

धायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्. 'उन्त प्रवितियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/-रुपये से प्रविक है

और जिसकी सं. भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गारडन कलौनी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीक तां अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूर्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अप्रने
का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूर्य
छसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरके (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया वया
प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत जकत प्रधि-नियम के मजीन कर देने के सन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विष; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिवित्यम, या धनकर मिलियम, या धनकर मिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त बांधानयम की धारा 269मा के अनुसरण में, में, दक्त अविनियम की धारा 269-म की उपवासा (1) के ब्रामीन क्वस्तियों, निम्निसिन्त अर्थात :--

- श्री रिविन्द्र काुमार पुत्र दवारका दासः, लारौस रोड अमृतसर
- 2. श्रीमती कमलेश काुमारी पत्नी अशोक काुमार, कटडा खणाना अमृतसर (अन्तरिती)
- *3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में और कोई किरायदार ही (बहुव्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित ही).

"4 और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवेषुध है")

को यह सूचना बारी **चरके पूर्वोक्त** संपत्ति के ग्रर्वन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई मी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामीन से 30 दिन की अविध जो भी भविध
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 दितबंद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्याचारण :-- इसमें प्रयुक्त शंक्यों भीर पदों का, को जनत प्रविभियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होना जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 19 का 1/3 भाग जो न्यू गार्डन कलौनी अमृतसर में हैं (एरिया 292.3 वर्ग गज हैं) जैसा कि सेल डीड नं. 3614/1 तिथि -5-3-1981 रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

आनंद सिंह, आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 3 चंद्रप्री टेलर रोड, अमतसर

तारीस · 19-10-1981 मोहर 🛭

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रांज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 अक्तूबर 1981

निदंश सं. ए. एस. आर./81-82/250---यत. म्भे, आनंद सिंह, आर्क. आर. एस.,

आवकर प्रधितियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधितियस' कहा गया है), की धारा 269-च के खडीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थायद संस्थित, जिसका उचित साथार मूख्य 25,000/- द० से खिक है

और जिसकी सं बाली भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डन कर्जोंनी अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्लय अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मार्च 1981

16) क अधान, तारास माच 1981 को पूर्यांक्त संपरित के उपित बाजार मून्य से किन के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सप्तित का उचित बाजार मून्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अनतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाचा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वारय से उक्त अन्तरण लिएत में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उसम बचने में मृविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय वा किसी बन या प्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत श्रिष्ठिनियम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसिन व्यक्तियों, अर्थात् :--.

- श्री रिवन्द्र कुमार पुत्र द्वारका दास, लारौस रोड अमृतसर
 - (अन्तरक)
- विनाद कमार पत्र शोरी लाल . कटडा लजानो अमृत-सर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायेंदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित है)

"4 और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसवे**व्**ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति लिए कार्वेकाहियां करता हूँ।

उनत सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविद्य या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की प्रविद्य को भी प्रविद्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबर्ध किनी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्तानरी के पास शिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणा---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निवम के अध्याय 20-क में परिचाबित है, वहीं अबं होगा, जो उस अध्याय में विधागया है।

अनुत्वो

प्लाट न . 19 का 1/3 भाग जो न्यू गार्ड न कलाेनी में हैं जिसका एरिया (292 \cdot 3 वर्ग गज) हैं जैसा कि सेल डीड नं . 3632/1 तिथि 5-3-81 रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

आनन्य सिंह, और्द्घ आर. एस. सक्षम अ**भिकारी,** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज, 3 चंद्रप्री टेनर रोड, अमृतसर

ता्रीख : 19-10-81

प्रकृप काई॰ टी॰ एत॰ एस॰----

भायकर प्रश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 अक्तूबर 1981

निद्धां न ए. एस. आर. /81-82/251---यतः मुक्ते,. आनंद सिंह, आर्द्धाः आर. एस., आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-धं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित जाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो फतहगढ़ चूडियां रोड़, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के शिये अन्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविच्च है और प्रकारक (प्रकारकों) भीर प्रकारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रकारण के लिये तम पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों की जिम्हें भारतीय आयकर अग्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अग्निनियम, या धन-कर अग्निनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अग्निरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उनत अधिनियम, की ब्राचा 269-ग के जनु-सरण में, में, बनत अधिनियम की धारा 269-व की छपंधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !--

- श्री कोर सिंह पुत्र मधर सिंह बासी फतहेगढ़ चूड़ियां (अन्तरक)
- 2 ं श्री रोशन लाल पृत्र सन्त राम र्वे भाग रमेश रानी पत्नी रोशन लाल र्वे भाग वासी फतेगढ चूड़ियां, तहसील बटाला

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायेषोर हो श्री सलामत राए, श्री हरिकशन दुर्ग राम, श्री ओम प्रकाश डांगरा पिछले एक रिहायश में दूसरे किराये-वार

(बहुव्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित है)

4 और कोई (वह व्यक्ति, जिनकेबारेमे अधोहस्साक्षरी जानताहै कि वह सम्पत्ति में हितवद्यथ हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्लेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणक्ष--इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पर्यों का, जो उक्त अधि-गियन, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस जब्याय में विया गया है।

म्पूप्यी

एक इमारत खसरा न. 316 ओ मेन बाजार फतहगढ़ चूड़िय में हैं जैसा कि सेल डीड न. 7109 तिथि 6-3-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में दर्ज हैं।

> आनंद सिह, आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकार सङ्ख्यक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चन्द्रपुरी टोलर रोज, अमृतसर

तारीख : 15-10-1981

प्ररूप आहु .टी . एन . एस . -----

जायकर जिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निदोत्त सं. चण्डी/347/80-81~-अतः मुक्ते, सुख् दोव चन्द्र,

मारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. संअधिक है

और जिसकी सं. मकान न. 1016 है तथा जो सैक्टर 27-बी, जण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डी- गढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ब्राजार मूल्य से कम के रहयमान - प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ये यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित ब्राजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुक् किसी साथ की वावत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः सव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को पंधीन निम्मलिखित स्थितिस्यों अर्थोतः -- श्री बशपाल सपुत्र श्री खुशल चन्द्र मिलाप भवन मिलाप गोड़ जालंधर (मिलाप भवन)

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरबन्स क्रार पत्नी श्री हरबन्स सिंह शाहपुरी श्री थवीन्द्र बीर सिंह, श्री परवीन्द्र सिंह सपृत्र श्री हरबन्म सिंह शाहपुरी सभी निवासी 1016, सैक्टर-27 बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यश्रीहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी स्थित ब्यारा;
- (क) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिंचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरि अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसंची

मकान जायदाव नं 1016, सैक्टर 27-बी, वण्डीगढ़। (जायदाव जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय विलेख संख्या 1941 फरवरी, 1981 के अधीन दर्ज हैं)

> स्**स व**ें **चन्द** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारीच : 19-11-1981

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 15th October 1981

No. P. 1814-Admn.II.-Shri Zafar Elahi Shaikh, Meteoro logist Grade II of the India Meteorological Department, and at present working as Senior Programmer in the office of Union Public Service Commission is hereby relieved of his duties in the office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 15th October 1981, consequent on his selection for appointment as Programmer under the Government of Iraq under the foreign assignment scheme on the sponsorship of the Department of Personnel and A. Rs, in terms of their letter No. 7/30/80-FAS dated 8th January

> Y. R. GANDHI Under Secy. for Chairman Union Public Service Commission

New Delhi, the 16th October 1981

No. A-32013/1/80-Admn.II.—The Chairman, UPSC, hereby appoints Shri Bharat Singh a permanent Statistical Assistant of the IARS, New Delhi, and officiating Programmer in the Office of the Union Public Service Commission to officiate as Senior Programmer on an ad-hoc basis with effect from 16th October 1981, till further orders or till regular appointment is made, whichever is earlier.

2. Shri Bharat Singh should note that his appointment to the post of Senior Programmer is purely on temporary and on ad-hoc basis and will not entitle him to claim seniority or absorption in the said post of Senior Programmer.

> D. S. PAHWA Section Officer for Chairman Union Public Service Commission

New Delhi, the 15th October 1981

No. A-35014/1/79-Admn.H.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri D. R. Madan, a permanent Section Officer of CSS Cadre of Union Public Service Commission to officiate on an ad-hoc basis on deputation to the post of Section Officer (Special Services) for a period from 12th August 1981 to 11th November 1981, or until further orders, whichever is carlier.

2. On his appointment to the post of Section * Officer (Special Services), the pay of Shri D. R. Madan will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure OM No. F. 10(24)-E,III dated 4th May 1961, as amended from time to time.

The 15th October 1981

No. A-32014/4//80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri R P Singh, a permanent Estate Supervisor of this office, to officiate as Estate Manager and Meeting Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on an ad-hoc basis for a period of three months with effect from 21st October 1981 or until further orders whichever is earlier.

2. Shri R. P. Singh should note that his ud-hoc appointment to the post of Estate Manager and Meeting Officer will not automatically entitle him for regular absorption or for seniority in the grade.

> D. S. PAHWA Section Officer for Secv. Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 24th September 1981

No. A-32013/1/81-Admn,I.—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of CSS to officiate as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission on an ad-hoc basis for the period shown against each :-

S. No., Name & Period

S/Shri

1, Y. R. Gandhi w.e.f. 26th May 1981 to 25th August 1981.

- 2. Vaid Parkash w.e.f. 26th May 1981 to 31st July 1981.
- 3. B K. Bhattacharya w.e.f. 16th June 1981 to 15th September 1981.
- 4. S. K. Mishia w.e.f. 29th June 1981 to 28th September 1981.

H. C. JATAV Jt Secv. Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 8th September 1981

No. A-11016/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following Section Officers of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of Union Public Service Commission for a period of 3 months w.e.f. 1st September 1981 or until further orders whichever is earlier :-

S. No. & Name

- S/Shri
- 1. Kailash Chandra 2. M. C. Khorana
- 2. The above officers shall draw Special Pay @ Rs. 75, per month in terms of D.O.P. & A.R. O.M. No. 12/1/74-CS (I), dated 11th December 1975.

The 28th September 1981

No. A-11016/1/76-Admn.III.--The President is pleased to Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of Union Public Service Commission with effect from 1st October 1981 to 19th November 1981 or until further orders whichever is earlier.

2. Shri Yoginder Nath shall draw special pay @ Rs. 75/-per month in terms of D.O.P. & A.R. O.M. No. 12/1/74-CS (I), dated 11th December 1975.

The 21st October 1981

No. A-19014/12/80-Admn.I.—Consequent upon his select'on for appointment as Reader, Jamia Millia Islamia University. New Delhi, Shri Mohammad Miyan, Lecturer in Educa-tion in National Council of Educational Research and Training and at present on deputation as Under Secretary in Union Public Service Commission, has been relieved of his duties in the office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 21st October 1981.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admin) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNFL & A. R. (CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION)

New Delhi, the 6th November 1981

No. S/19/65/Ad.V.—On attaining the age of superannuation, Shri Shambhu Lal Sharma, Dy. Superintendent of Police, CBI relinquished charge of the office of Dv. Supdt. of Police with effect from the afternoon of 31st October 1981.

No A-19021/7/81-AD.V.—The services of Shrí Gurbachan Lagat, IPS (PB-1966) Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Chandiparh Branch were placed back at the disposal of the Government of Puniab with effect from 30th October 1981 afternoon, on repatriation.

The 7th November 1981

No. Λ-19036/1/81-Ad.V.—In supersession of this office Notification No. A-19036/1/81-Ad.V. dated 29th May 1981. the Director, CBI and IGP/SPE is pleased to appoint Shri Rapiit Kumar Ghosh, DSP, an officer of the Assam State Police to officiate as Dv. Supdt. of Police on deputation in State CBI with effect from the forenoon of 11th May 1981 until further orders.

No. A-19036'3/81-Ad.V.—In supersession of this office Notification No A-19036/3/81-Ad.V., dated 16th October 1981, the Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri S. Dorendra Singh, DSP, an officer

of the Manipur State Police to officiate as Dy. Supdt. of Police on deputation in C.B.I. with effect from the forenoon of 6th October 1981 until further orders.

Q. L. GROVER Administrative Officer (E) C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P.F. New Delhi-110022, the 19th October 1981

1

No. P.III-7/80-Admn-III(KW).—Consequent on his retirement from Government service, Shri R. N. Agarwal, Adm. Officer of Directorate General, CRPF, relinquished charge of the post of A.O. on the afternoon of 30th September 1981.

п

Consequent on his re-employment for a period of six months from 1st October 1981 to 31st March 1982, Shri R. N. Agarwal has taken over charge of Adm. Officer in the Directorate General, CRPF, on the forenoon of 1st October 1981.

Sd./- ILLEGIBLE Deputy Director (Adm.).

New Delhi-110022, the 4th November 1981

No. O. II-1606/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Om Parkash as General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 19th October 1981 subject to his being medically fit.

The 9th November 1981

No. O-II-1575/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr (Miss) Sadhna Gupta as General Duty Officer Gd-II in the CRPF on Ad-hoc basis with effect from the forenoon of 3rd October 1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O-II-1589/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Ranbir Singh as General Duty Officer Gde-II in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 14th October 1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O-II-1591/81-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Om Prakash Patwari General Duty Officer Grade II of 64th Bn. CRPF with effect from the afternoon of 27th Oct 1981 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 4th November 1981

No. Admn.I/O.O. No. 299.—The Director of Audit (CR). hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Audit Officer, in scale of Rs. 840—1200/- with effect from the date shown against each, until further orders.

Sl. No., Name & Date of Promotion S/Shri

1. S. M. Puri-30th October 1981

2 Rajinder Singh II—30th October 1981 (AN).

V. S. VERMA Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 31st October 1981

No. Admn.I/18-132/81-82/314.—Sri M. L. Sasrty, Accounts Officer Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I. 16—346GI/81

Hyderabad, has retired from service w.e.f. 30th September 1981 (AN).

The 5th November 1981

No. Admn.I/8-132/81-82/316.—Sri E. S. Vijayaraghavan Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-I, Hyderabad, has retired from service w.e.f. 31st Oct 1981 (AN).

R. HARIHARAN Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE

(OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS)

New Delhi, the 18th August 1981

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1359/81-ADMN(G)/4856.—The President is pleased to appoint Shri A. P. Sharma, IAS (MT-1972) as Joint Chief Controller of Imports and Exports, Kanpur with effect from the forenoon of 25th July, 1981, until further orders.

MANI NARAYANSWAMI Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT. OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER - SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 5th November 1981

No. A-19018/4/73-Admn.(G).—Consequent upon his deputation under Dadra and Nagar Haveli Administration, Silvassa for appointment as General Manager, District Industries Centre, Shri G. P. Mathur relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (Mechanical) at the Extension Centre, Meerut (under the SISI, Kanpur) on the afternoon of 7th September, 1981.

No. A-19018/535/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. S. Ray Mandal as Asstt. Director (Gr. I) (Mechanical) at Branch Small Industries Service Institute Silchar, with effect from the afternoon of 1st October, 1981, until further orders.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BÜREAU OF MINES

Nagpur, the 6th October 1981

No. A-19011(295)/81-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Shri D. K. Silekar, officiating Senior Technical Assistant (Geology) to the post of Asstt. Mineral Economist (Int.), in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24th September 1981.

S. V. ALI Head of Office Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO -New Delhi, the 26th October 1981

No. 10/14/80-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri L. K. Gandotra, Sr. Fngineering Assistant All India Radio, New Delhi as Assit. Engineer at HPT., All India Radio, Khampur Delhi in a temporary capacity w.e.f. the forenoon of 30th Sept., 1981 until further orders.

H. N. BISWAS

Dy. Director of Administration

for Director General

New Delhi-1, the 28th October 1981

No. 4(3)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Ashok Kumar Jerath as Programme Executive, Radio Kashmir, Jammu, in a temporary capacity with effect from 29th September, 1981 and until further ordres.

H. C. JAYAL

Dy. Director of Administration

for Director General

(CIVIL CONSTRUCTION WING) New Delhi, the 6th November 1981

No. A-12011/1/81-CW.I.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri Anant Thyagaraj as Assistant Engineer (Civil), Civil Construction Wing, All India Radio, Bangalore in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the afternoon of 30th July 1981.

The appointment of Shri Thyagaraj will be governed interalia by the terms and conditions contained in the offer of appointment, already issued to him.

> A. E. K. MUDALIAR Engineer Officer to Addl. CE (C) for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING (FILMS DIVISION)

Bombay-400 026, the 23rd October 1981

No 24013/6/80-E(I).—The Chief Producer, Films Division, Bombay has appointed Shri S. A. Naik, Permanent Salesman in the Films Division, Bombay to officiate as Branch Manager, Films Division, Bombay with effect from the forencon of 23rd October 1981 to 21st November 1981 vice Shri P. S. Rawtel, Branch Manager granted leave.

Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 31st October 1981

No. A-19018/24/80-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Miss) Ashalata K. Aphale to the post of Homeopathic Physician in the Central Government Health Scheme in a temporary capacity with effect from the 3rd September, 1981 (Forenoon) until further orders.

The 3rd November 1981

No. A-19018/2/81-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. B. S. Sharma to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the foremoon of 1st October 1981.

The 5th November 1981

No. A-19018/5/81-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. M. B. Singh, Ayurvedic Physician on regular basis with effect from (forenoon) of 31st January, 1981.

No. A-19018/6/81-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. M. B. Singh, Ayurbost of Aqurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 23rd September 1981.

Dy. Director Admn. (CGHS.I).

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION Faridabad, the 4th November 1981

No. A-19027/2/80-A.III.—The ad-hoc appointment of Shri D. P. Bandooni to the post of Hindi Officer in this Directorate at Faridabad has been extended upto 30th November 1981 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 13th October 1981

No. PPED/3(282)/81-Estt.I-14782.—Consequent on his transfer from Directorate of Purchase and Stores, Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri B. M. Ganatra, a permanent Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of Directorate Purchase and Stores in this Division as Asstt. Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- with effect from the forenoon of September 21, 1981 until further orders.

No. PPED/3(282)/81-Estt.I-14783.—Consequent- on her transfer from Bhabha Atomic Research Centre, Director, Power Project Engineering Division, Bombay hereby appoints Kum. N. M. Merchant, a permanent Assistants Accounts Officer in BARC in this Division as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/-with effect from the forenoon of September 7, 1981 until further orders.

R. V. BAJPAI General Administrative Officer

Bombay-5, the 2nd November 1981

No. PPED/3(235)/76-Adm./14796.—Consequent on his transfer from Directorate of Estate Management, Director. Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri A. Mohammad All, a permanent Assistant and officiating Assistant Personnel Officer, of DEM in this Division in the same cabacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- with effect from the forenoon of September 16, 1981 until further orders.

B. V. THATTE. Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 31st October 1981

No. DPS/A/32011/3/76/Est./21080.—The Director. Directorate of Purchase and Sotres, Department of Atomic Energy appoints Shri Karuvathil Raveendran, a temporary Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Personnel Officer (ad hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- with effect from July 14, 1981 (FN) to October 23rd, 1981 (AN), vice Shri R. P. de Souza, Assistant Personnel Officer granted leave.

No. DPS/23/4/80-Est./21096.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri R. P. Gupta. a permanent Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer (Ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- with effect from August 17th, 1981 (FN) to October 6, 1981 (AN) vice Shri K. C. S. Pillai. Assistant Stores Officer granted leave.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 5th November 1981

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division. Department of Atomic Energy hereby approlate Shri Anunam Bakshi as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of October 23, 1981 until further orders.

No. ADM-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division. Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Bikash Sen Gupta as Scientific Officre/Engineer Grade 'SB'

in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of 21st October, 1981 until Turther orders.

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals, Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Ashok Ranjan Mukhopadhyay as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of October 23, 1981 until further orders. further orders.

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Yamuna Singh as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of 6th October, 1981 until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION (INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 7th November 1981

No. A-12040/1/81-E.I.—The President is pleased to appoint the following as Meteorologist Grade II in the India Meteorological Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th September, 1981 and until further orders :-

- Shri D. Chakrabarti
 Shri S. N. Roy
 Shri T. V. P. Bhaskara Rao
 Dr. B. K. Basu
- Dr. A. K. Bohra
 Shri Kanti Prasad
- Dr. T. Ramana Rao 8, Dr. H. K. N. Trivedi

No. A-12040/1/81-E.I.—The President is pleased to appoint the following as Meteorologist Grade II in the India Meteorological Department in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th September, 1981 and until further

- Shri R. N. Adhikari
- 2. Shri N. Y. Apte
- 3. Dr. (Miss) Surinder Kaur
- 4. Shri R. S. Dattatrayam

The 9th November 1981

 Λ -32013(DDGM)(Ad-hoc)/1/80-E.I.—In tion of notification of even number dated 22nd July, 1981, the President has been pleased to extend the ad-hoc appointment of the undermentioned Directors in India Meteorological Department as Deputy Director General of Meteorology, in the same Department for a period of three months w.e.f. 27th August 1981 or till the posts are filled up on regular basis, whichever is earlier:

- 1. Dr. A. K. Mukherjee
- Dr. A. A. Ramasastry
- 3. Dr. A. S. Ramanathan
- 4, Dr. S. M. Kulshrestha
- 2. Dr. A. S. Ramanathan has since voluntarily retired w.e.f. 1st October 1981 (F.N.).

S. K. DAS Addl. Director General of Meteorology (1)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th November 1981

No. A-32014/1/80-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. S. Rawat, Store Assistant, as Store Officer (Group 'B' post) on ad-hoc basis in the

office of the Regional Director, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay with effect from the foreneon of the 24th October, 1981, for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

> J. C. GARG Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE Bombay, the 7th November 1981

No. 1/404/81-EST,—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Das Gupta, Assistant Administrative Officer, Calcutta as Administrative Officer, in an officiating capacity, in the New Delhi Branch, with effect from the 26th September, 1981 and until further orders.

No. 1/482/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri T. Ramamurthy, Supervisor, Madras as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the periods from 2nd March 1981 to 18th April 1981 and from 6th July 1981 to 20th July 1981 against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

No. 1/342/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. R. Srinivasa Supervisor, Madras as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 2nd March 1981 to 23rd March 1981, against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

No. 1/288/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Suprapes Das, Superintendent, Calcutta as Asstt. Adm. Officer, in an Officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 14th September 1981 and until further orders.

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.)
for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 14th October 1981

16/278/77-Ests-I .- The President, FRI & Colleges, Dehra Dun, has accepted the resignation of appointment of Shri Mohinder Pal as Research Officer, Indo-Danish Project under the FRI & Colleges, Dehra Dun, w.e.f. the afternoon of 7th September, 1981.

The 4th November 1981

No. 16/371/81-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, has been pleased to appoint Shri Lalji Prasad, working as Research Asstt. Grade I at the FRI & Colleges, Dehra Dun, as Research Officer (Documentation) in the same office w.e.f. the forenoon of 20th April 1981 unitl further orders.

RAJAT KUMAR Registrar Forest Research Institute & Colleges

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS.

Bhubaneshwar, the 1st October 1981

No. 11/81.—Shri M. B. K. Rao, Superintendent, Central Excise & Customs Group 'B' posted at Rourkela Division, retired from Service from this Department on Superannuation in the afternoon of 30th September, 1981.

P. N. SARANGI Assistant Collector (Hdqrs.) Central Excise & Customs Bhubaneswar

DIRECTORATE OF OWN SERVICES CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 4th November 1981

No. 2/81.—Shri D. C. Gupta, Additional Assistant Director, Directorate of O&M Services (Customs & Central Excise) retired from service with effect from the afternoon of the 30th September 1981 on superannuation pension.

C. J RAMAN Director of O&M Services.

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi-110022, the 7th November 1981

No. 15/81.—Shri Rakesh Bhatia, lately posted as Assistant Director, Directorate of Training, New Delhi on transfer to the North Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise, at Ghaziabad vide Department of Revenue Order No. 144/81 (F. No. A-22012/77/81-Ad. H) dated 3rd August 1981, assumed charge of the post of Assistant Director Group 'A' on 21st September 1981 (forenoon).

S. B. SARKAR Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 7th November 1981

No. A-19012/958/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri D. K. Das, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoobasis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the atternoon of 1st October, 1981.

No. A-19012/967/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Phulendu Roy, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 2nd November 1981.

No. A-19012/980/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri V. V. G. Rao, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 10th August, 1981.

A. BHATTACHARYA
Under Secy.
Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Eli Lilly and Company (India) Private Limited

Bombay-2, the 12th October 1981

No. 610/7831/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Eli Lilly and Company (India) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kashipur Kiln Private Limited

New Delhi, the 23rd October 1981

No. 5991/19838.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at

the expiration of 3 months from the date hereof the name of M/s. Kashipur Kiln Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. B. SAXENA Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sri Uma Maheshwara Trading Chit Funds Private Ltd.

Bangalore, the 7th November 1981

No. 1633/560/8182.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sri Uma Maheshwara Trading & Chit Funds Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. M. R. Metals Private Limited

Bangalore, the 7th November 1981

No. 3210/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. M. R. Metals Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sudhodhara Trading & Chit Funds Private Ltd.

Bangalore, the 7th November 1981

No. 2292/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sudhodhara Trading & Chit Funds Private Itd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. N. JAGANNATH Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 3rd November 1981

No. F. 48-Ad(AT)/81.—Shri M. K. Dalvi, Personal Assistant to President, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Incometax Appellate Tribunal, Pune Bench, Pune on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of three months with effect from 2nd August 1981 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/81, dated 27th August, 1981, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Pune Bench, Pune on ad-hoc basis in temporary capacity for a further period from the 2nd November, 1981 to 30th November, 1981 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri M. K. Dalvi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA, President

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Lucknow, the 24th September 1981

No. G. I. R. No. M-127/Acq.—Whereas, {, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open plot of land No. 28 situated at Mohalla—Surkhi Chhawni, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bareilly on 20-3-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Indraject Singh

(Transferor)

(2) 1. Murari Lal

- 2. Ghanshyam Das
- Satish Chandra
 Vishnu Kumar
- 5. Smt. Rama Devi

(Transferee)

'(3) Above seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land No. 28 measuring 2585 sq. yards situate at Mohalla—Surkhi Chhawni (near Ordnance Factory), Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1269, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Bareilly on 20-3-1981.

A. S. BISEN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 24-9-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amber Properties Pvt. Ltd.

(1) Sri Surinder Kr. Das

Calcutta-29.

(Transferor)

25, Waterloo Street, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 7th September 1981

Ref. No. 947/Acq.R-III/81-82.---Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,/000- and bearing

No. 25 situated at Waterloo Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that undivided 1/8th share of the house property being premises at 25 Waterloo Street, Calcutta as per Deed No. 1646 dated 4-3-1981 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
45. Rafi Ahmed Widwai Road, Calcutta-7,00016.

Dated: 7-9-1981.

FORM ITNS-----

(1) Sri Arun Kr. Das 95/1A, R. B. Avenue, Calcutta-29.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Amber Properties Pvt. Ltd. 25, Waterloo Street, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA

Calcutta, the 7th September 1981

Ref. No. 948/AcqR.III/81-82. -Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 25 situated at Waterloo Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Calcutta on 4-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast. 1422 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Indian Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

All that undivided 1/18th share of the house property being premises at 25 Waterloo Street, Calcutta as per Decd No. 1646 dated 4-3-1981 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta,

I. V. S. JUNEJA.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
45, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Dated: 7-9-1981.

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 7th September 1981

Ref. No. 949/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I. I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property hard a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. 25 situated at Waterloo Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Calcutta on 4-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Samar Kumar Das, 95/1A, R. B. Avenue, Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Amber Properties Pvt. Ltd. 25, Waterloo Street, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of the house property being premises at 25 Waterloo Street, Calcutta as per Deed No. 1647 dated 4-3-1981 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
45, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Dated: 7-9-1981.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV

Calcutta, the 8th September 1981 Ref. No. AC-50/Acq.R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

/No. situated at Chinsurah, Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hooghly on 2-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17-346GI/81

(1) Anath Bandhu Ghosh, Manglai, P. S. Pawai Dist. Hooghly.

(Transferor)

(2) Smt. Jharma Singha Roy Pipulpati, P. S. Chinsurah, Dist. Hooghly.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 cottah 14½ chattaks, situated at Mouza No. 8 Balagarh, P. S. Chinsurah, Dist-Hooghly, Deed No. 1595 of 1981.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, No. IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor) Calcutta-700 016.

Dated: 8-9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I

2nd Floor, Handloom House, Ashram Road, Ahmedabad Ahmedabad-380 009, the 15th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1428.Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 1935/2 situated at Wadhawan, Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wadhawan on 24-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Dr. Gangadhar Amrutlal Shah; Dhrangadhara, Dist. Surendranagar.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Mahendrasinh Indrasingh of Shahbaug of

 - Wadhavan Dist. Surendranagar.

 2. Patel Harital Mohanlal, Village: Juna Devaliya, Tol. Halvad, Dist. Surendranagar.

 3. Patel Dharamshi Ukabhai, Village Suvadar, Tal Halvad, Dist. Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of th esaid property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 38720 sq. yds. i.e. 8 Acre bearing S. No. 1935/2 of Wadhawan, Surendranagar, duly registered by Sub-Registrar. Wadhavan, vide Sala-deed No. 975/24-3-81, i.e. property as fully described therein.

G .C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad.

Dated: 15-10-1981.

(1) Shri Ramniklal Bhagwanji Karia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Balmukund Bansilal Joshi; Ispat Trading Co., 7-Lati Plot, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380 009, the 15th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1429,Acq.23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 19/2 paiki Plot No. 7 situated at Village Sabalpur. Dist. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 6734 sq. mts. bearing S. No. 19/2, paiki Plot No. 7 situated at Village Sabalpur, Dist. Junagadh, duly registered by Sub-Registrar, Junagadh, vide sale-deed No. 1913/March, 1981 i.e. property as fully described therein.

G.C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 15-10-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ramniklal Bhagwanji Karla

(Transferor)

(2) Shri Ramakishan Bharudan Patel;C/o. Ispat Trading Co.,8, Lati Bazar, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 15th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1430.Acq.23-I/81-82.—Wheras, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 19/2 paiki Plot No. 8

situated at Village Sabulpur. Dist, Junagadh

(and more fully described in the schedule ahnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Junagadh on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the siad instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3416 sq. mts. bearing S. No. 19/2, paiki Plot No. 8, situated at Village Sabalpur, Dist. Junagadh duly registered vide sale deed No. 1911/March, 1981 i.e. property as fully described therein.

G.C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Dated: 15-10-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th September 1981

Ref. No. IAC/Acq./1053.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Residential house situated at Chomu (Jaipur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Returning Officer at Amer on 9-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269P of the said Act to the following persons, namely:—

 Dr. Rama Kant Purohit S/o Banshilal Ji, at Govt. Hospital Phulera Distt. Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Bajrang Lol S/o Chhitarmal Agarwal Niwasi Chomu Distt. Jaipur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of residential house situated at Purohit Mohalla & more fully described in the sale deed registered by S. R. Amer vide his registration No. 30 dated 9-3-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 14-9-1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th September 1981

Ref. No. IAC. Acq. 1059.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Residential house situated at Chomu (Jaipur) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-2-1981 at Amer on 9-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Rama Kant Purohit S/o Banshilal Ji, Govt. Hospital Phulera, Distt. Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Chhitar Mal S/o Bhanwarlal Agarwal, Niwasi Chomu Distt. Jalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of residential house situated at Purohit Mohalla & more fully described in the sale deed registered by S. R. Amer vide his registration No. 30 dated 9-3-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 14-9-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th October 1981

Ref. No. 1061.—Whereas, I.M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Factory Shed situated at Madanganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kishengarh on 10-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair mark t value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Socilitating the oncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, threfore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Panna Lal S/o Manda Chand Bardiya, Sohan Lal S/o Suganchand Garg, Ramniwas S/o Bajranglal Goyal, Niwasi Madanganj PPo. M/s Prem Printing & Dying Factory, Kishangarh.

(Transferor)

(2) Shii Deokinandan S/o Motilal, Mohari Bai, W/o Motilal Kariwal, Pushpa Devi W/o Om Ptakash Kariwal Prop. M/s Raj Krishnari Factory, Niwasi Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory shed situated at Chandra Colony, Madangani, Kishangarh & morefully described in the sale deed registered by S.R., Kishangarh Distt, Ajmer vide his registration No. 253 dated 10-4-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaiput

Date: 12-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

<u>... tidalii... liulit alukut vitusi</u>

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Laxmi Narain S/o Mansukh Dass Mundra, Niwasi Deedwana.

(Transferor)

(2) Shu Mangi Lal, Om Prakash, Chena Ram, Balla Ram, Kamlesh Kumar sons of Sunda Ram Mali, Niwasi Deedvana.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th October 1981

Ref. No. 1062.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Open Plot situated at Deedwana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Deedwana on 29-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined-in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot of land situated at Station Road, Deedwana & more fully described in the sale deed registered by S.R., Deedwana on dated 29-4-81

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-81

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th October 1981

Ref. No. 1063.-Whereus, I M. L. HAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Hotel situated at Abu Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abu Road on 18-2-1981

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 [27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-·18—346GI/81

- (1) 1. Shri Ibrahim Bhai Habib Bhai
 - 2. Huru Bai Hazi Habib Bhai,
 - 3. Hali Bai Abdul Rahim
 - Hanif Bai W/o Gulam Hussain
 Hoori Bai W/o Ismail

 - 6. Rahim Bhai Hazi Habib Bhai
 - 7. Gulam Hussain Hazi Habib Bhai Niwasi Rasulpur Taluka Mehsana (Gujarat).

(Transferor)

(2) Shri Bhanwar Lal Suresh Chand Bafna S/o chhogmal Ji Safna Niwasi Sirrohi Hall Madras 2. Kukesh Kumar Kalyan Mal modi Niwasi Sirohi Hall Abu Road.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Averest Hotel situated at Mount Road, Abu Road & more fully described in the sale deed registered by S.R., Abu Road vide his registration No. 74/81 dated 18-2-81.

M. L. CHAUHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 12-10-81

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th October 1981

Ref. No. 1064.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. Plot No. 60 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udaipur on 19-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-fax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shyam Sunder S/o Shobha Lal Gelda Niwasi Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ghisu Lal S/o Mohan Lal Chandaliya & Ramesh Chand S/o Ram Swaroop Ji Gupta, Niwasi Udaipur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by, any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 60 at Gelda Colony, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 325 dated 19-2-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 12-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th October 1981

Ref. No. 1065.—Whereas, I.M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing No. Khasara No. 267 situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Beawar on 6-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manak Chand Bajaj S/o Chand Mal Ji Bajaj, Diggi Mohalla, Beavar Distt. Ajmer.

 (Transferor)
- (2) Shri Mohan Lal alias Mankameshwar S/o Chand Mal Ji Bajaj Niwasi Diggi Mohalla, Beawar Distt. Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable properties at Khata No. 1: No. 267 situated at Narsinghpura Teh. Beawar & more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar vide his No. 523 dated 6-2-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 12-10-81

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras, the 15th October 1981

Ref No. 9261.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 192/5, situated at Rajaji Nagar, Ozukarai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ozhukarai (Doc. 122/81) on February 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 C. Mounissamy, 81, Yanam Venkatachalapillai St., Pondicherry-605 001.

(Transferor)

(2) Madame Sarma Daname, 12/34, Carpenter St., Nellithope, Pondy-605 005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 192/5, Rajaji Nagar Pondy. (Doc. 122/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 15-10-81 Seal:

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras, the 14th October 1981

Ref. No. 11342.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 225, Kittampalayam, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. 1216/81) on February 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Muthappa gounder, Ammasai gounder, Pappa gounder, Magiriyathal, Kunnammal, Pazhanathal, Saraswathy Pongiyathal, Rayakkal, Kandaswamy, A. Manickam, Pannuswamy, Palaniswamy, Ponnuswamy, C/o Pappa gounder, S/o Karuppa gounder Block No. 32, Town Market, Coonoor.

(Transferor)

 S. Saraswathy, 15/2, Raja Annamalai Chettiar Road, Sai Baba Mission, Coimbatore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 225, Kittampalayam. (Doc. 1216/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras, the 14th October 1981

Ref. No. 11342.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 225, Kittampalayam, situated at

No. S. No. 225, Kittampalayam, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Computation (Pag. 1217 (81)) and Enhancement 1901

Coimbatore (Dec. 1217/81) on February 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Muthappa Gr. Ammassai Gr. Pappa Gr. Maguriyathal, Kannammal, Pazhanathal, Saraswathy Pongiyathal, Rayakkal, Kandaswamiy, A. Manickam Ponnuswamy, Palanswamy, Ponnuswamy C/o Pappa Gr. S/o Karuppa Gr. Block No. 32, Town Market, Coonoor.

(Transferor)

 G. Jayashree, 15/2, Raja Annamalai Chettiar Road, Saibaba Mission, Coimbatore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 225, Kittampalayam, (Doc. No. 1217/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras, the 14th October 1981

Rcf. No. 11342.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and rearing

No. S. No. 225, Kittampalayam, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. 1218/81) on February 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Muthappa Gr. Ammasai Gr. Pappa Gr. Magiriyathal, Kannammal, Pazhanathal, Saraswathy Pongiyathal, Rayakkal, Kandaswamy, A. Manickam Ponnuswamy, Palaniswamy, Ponnuswamy C/o Pappa Gr. S/o Karuppa Gr. Block No. 32, Town Market, Coonoor.

(Transferor)

 G. Vanishree
 15/2, Raja Annamalai Chettiar Road, Saibaba Mission, Coimbatore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 225, Kittampalayam. (Doc. 1218/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras, the 14th October 1981

Ref. No. 9343.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3/9, Gopal Rice Mills, situated at St., Kumaralingam,

Udumalpet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Kaniyur (Doc. 133/81) on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Muthu Gopal Chettiar S/o Balaka Chettiar Kaspa Udumalpet.

(Transferor)

 S. Magoor Meera Rowther K. K. Haneefa Muthuswamy Gounder 20A, Pallivasal St., Komaralingam, Udumalpet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, building, machinery at Gopal Rice Mill Komaralingam.
(Doc. 133/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras, the 14th October 1981

Ref No. 16131.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Avt, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 178, situated at St. Mary's Road, Madras-18. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 302/81) on February 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—346GI/81

R. A. Raichandran
 R. A. Jayalakshmi
 178, St. Mary's Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) Krishna Saraf
 Usha Saraf
 Anil Saraf
 91, Mowbrays Road, Madras-18.

(Transfèree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land and building at 178, St. Mary's Road, Madras-18. (Doc. 302/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-10-81

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Amritsar, the 15th October 1981

Ref. No. 16137.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 9, Kuppu Mudali, situated at St., Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 88/81) on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Deccan Estates, 34, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) N. Sugalchand Mrs. Chandra Bai 151, Triplicane High Road, Madras-5.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 9, Kuppu Muthu Mudali St., Madras-5.

(Doc. 88/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 14-10-81

1 111—20C. 1]

FORM ITNS--

(1) A. K. Sivaramakrishnan, 14, Visweswarapuram St., Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. S. I. Brick Works, 65, Montieth Road, Madras-8.

(Transferco)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras, the 14th October 1981

Ref. No. 16149.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason of believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. 14, Visweswarapuram St., situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 314/81) on February 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein on are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 14, Visweewarepuram St., Madras-4.

(Doc. 314/18)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesseld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras, the 14th October 1981

Ref. No. 16133.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceed ng Rs 25,000/- and bearing No. 95, 96/1, situated at Anna Salai, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 223/81) on February 1981 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Haji N. Abdul Rajak, 120, Pattukottai Road, Muthupet, Tanjore.

(Transferor)

(2) M. Mohamed Farook,Beach St., Arangakudi Post,Mayuram Tk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 95, 96/1, Anna Salai, Madras (1/8th share).

(Doc.223/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 14-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras, the 15th October 1981

Ref. No. 16145.-Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 11, Venkatachala Mudali, situated at1st Lane, Mirsahib-

pet, Madras-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylapore (Doc. 284/81) on February 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) F. Ganeshmuel Sowcar, Pushpa Bai, 11. Venkatachala Mudali I Lane. Mirshhibpet, Madias-14.

(Transferor)

(2) M. Raja Mohamed, R. Kamarunnisa, 16, Begum Sahib St., Vth Lane, Royapettah, Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- '(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11, Venkatachala Mudali I Lane Madras-14.

(Doc. 284/81)

RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 15-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTNT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras, the 15th October 1981

Rcf. No. 16340.-Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 208/1 to 4, situated at Peters Road, Madras-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North (Doc 516/81) on February 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) K. T. Habibunnisa

V. I. Mohamed Ghouse

V. I. Mohammed Amzad

V. I. Alikalandar

4. Neell Godown St., Vellore.

(Transferor)

(2) K. Z. Kutub K Z Ibrahim K. Z. Younus K. Z. Moyyad 96, Pidarlar Koil St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 208/1 to 208/4, Peters Road, Madras-14.

(Doc. 516/81)

RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 15-10-81

scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 14th October 1981

Ref. No. 11295.—Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Peria valavadi, situated at Udumalpet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. 504/81) on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Jagadeshcharldran
 Vijay & Co.
 Premier House, Race Course Road, Coimbatore.

(Transferor)

(b) Rathcendran S/o Ramamurthy Naidu, Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Peria valavadi, Udumalpet. (Doc. 504/81)

RADHA BALÄKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date: 14-10-81

of :--

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1981

Ref. No. 166147.—Whereas, I, RADHA BALAKHISHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6, 101, Kanaka Sri, situated at Nagar, Cathedral Road, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylaore (Doc. 259/81). on Feburuary 1981
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Padimini, 60/3, Edward Elliots Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) S. Parushothaman, Charumathi, Kripa, 28, Sullvivan Garden St., Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, toto the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 6, 101, Kanaka Sri Nagar Cathedral Road, Madras (Doc. 2559/81).

RADHA BALAKRISHNAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.

Date: 16-10-81

FORM ITNS ----

(1) S.. Padimini. 60/3, Edward Elliots Road. Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mecra Dinadaial KKhetralani 84, Radeshram Building II, Floor, Marshall Road, Madras 8.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 14th October 1981

Ref. No. 16147.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Flat 4, 101, situated at Kanaka Sri Nagar, Cathedral

Road Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Mylapore (Do. 258/81) on February 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-20-346GI-81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hereIn as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Flat No. 4, 101, Kanaka Sri Nagar, Cathedral Road, Madras.

(Doc. 258/81).

RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II MADRAS-6

Date: 14-10-81

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 S. Padmini, 60/3, Edward Elliots Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) M/s. International Traders, 224, Ennore High Road, Madras-600 019

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October, 1981

Ref. No. F.16147.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

1, 2, 3, 7 situated at 101, Kanaka Sri Nagar, Cathedral Koad, Madras (Doc. 257/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 1, 2, 3 and 7, No. 101, Kanaka Sri Nagar, Cathedral Road, Madras (Doc. 257/81).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
MADRAS-6

Date: 16-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-H, MADRAS-6

Madras-6, the 15th October 1981

Ref. No. 16154.—Whereas, 1, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a felt market value exceeding

able property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot A-82, situated at Urur, Shastri Nagar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Saidapet (Doc. 335/81) on February 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the aapparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Cynthia Mulipsingh,
 15th Avenue, Harrington Road,
 Madras-31.

(Transferor)

C. Ramarathnam,
 Mundakanni Amman Koil III Lane,
 Madras-6600 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said intmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11, 12th Cross, Shastri Nagar, Madras-20.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
MADRAS 6

Date: 15-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1981

Ref. No 16147.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flot 8, situated at 101, Kanaka Sri Nagar, Cathedral

Road, Madras (Doc. 261/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylapore on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) S. Padimini, 60/3, Edward Elliots Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) Raj Kumai K. R. 455, Shanti Nivas, Pantheon Road, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Flat 8, 101, Kanaka Sri Nagar, Cathedral Road, Madras (Doc. 261//81).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
MADRAS-6

Date: 16-10-81

(1) S. Padimini, 60/3, Edward Elliots Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) M/s. Transport Corporation of India Ltd., 3, Chuluhane Road, Madras-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1981

Ref. No. F.16147.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, situated at 101, Kanaka Sri Nagar, Cathedral Road, Madras (Doc. 260/81).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

APPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 5, 101, Kanaka Sri Nagar, Cathedral Road, Madras. (Doc. 260/81).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
MADRAS-6

ing persons, Date: 16-10-81

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—— '

 S. Padmini, 60/3, Edward Elliots Road, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Pratap Rai P. Shah,
 Annamalai Chettiar Road,
 Madras-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1981

Ref. No. F.16147.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, 101, Kanaka Sri Nagar, situated at Cathedral Road, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mylapore (Doc. 262/81) on February 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, for the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 9, 101, Kanaka Sri Nagar, Cathedral Road, Madras. (Doc. 262/81).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-6

Date: 16-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1981

Ref. No. F.16269.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 34, situated at II, Main Road, Madras-20, (Doc. 823/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) R. Sundararaja Moopanar, Arulananda Nagar, Tanjore.

(Transferor)

(Transferee)

(2) C. S. Narasimhan,
C. S. Srivathsan,
C. S. Seshadhri,
C. S. Varadan,
17, A. T. K. Nambi St., Little Kancheepuram,
Chingleput Dt.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 34, II Main Road, Madras-20. (Doc. 823/81).

> RADHA BALAKRISHNAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, MADRAS-6

Date: 16-10-81

FORM ITNS----

 Shri Nem Chand Rekyan r/o 146, Sunder Nagar, New Delhi (FF).

(Transferor)

(2) Shri Avinash Chopra & Smt. Sudha Chopra, 146, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-81/3045.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. 146, situated at Sunder Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule anuexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 146, Sunder Nagar, New Delhi,

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range 1,
New Delhi

Dato: 6-11-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. K. D. Sethi r/o 126 A/d, Gandhi Nagar,

(Transferor)

(2) Mr. Prem Patnaik, 2-Central Avenue, Maharani Bagh, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. LAC/Acq.I/SR-III/3-81/3029.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 34, Block-C, West End Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfrer with object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 34, Block-C, mg. 502 sq. yd. West End Colony, New Delhi.

> R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--21-346GI/81

Date: 6-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H BLOCK, VIKASH BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/2992.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-38, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Kuldip Singh, through his attorney power of Attorney, Shii Sharan Pal Singh, M-161, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. G. M. Sarwan, A-1/133, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

E-38, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 6-11-1981

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H BLOCK, VIKASH BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III|3-81|2986.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 110, situated at Babar Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M/s. Pravech Buildings Construction Co., (P) Ltd., r/o 69, Nav Jiwan Vibar, New Delhi, The Cottage 40, Fliends Colony East, New Delhi respectively.

(Transferor)

(2) M/s. Praveen Buildings Construction Co., (P) Ltd., L-2/2, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires dater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 110, Babar Road, New Delhi area 785 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 6-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H BLOCK, VIKASH BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3060.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

C-50, situated at Greater Krilash-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer

at New Delhi in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shui Ranjan Roy and Smt. Rina Roy, through their G/A Shri A. K. Roy, r/o C-162, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Gupta w/o Sh. B. K. Gupta, r/o E-31, Kamla Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wating to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expuse later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Farmantion:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-50, Greater Kailash-I, New Delhi, mg. 500 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 6-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

H BLOCK, VIKASH BHAVAN, IP ESTATL, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Rci No IAC/Acq I/SR-III/3-81/2984 —Whereas I R B L AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No C-68, Maharant Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D on the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1 Dr Jayanti Mibasen Mahimtura, 2 Sh Nishant Mibasen Mahimtura, 3 Dr (Mrs.) Asha k Haji Chandan, 62-B, Pedder Road, Bombay

(Fransferor)

(2) 1 Mr Shiavan Sharma, 2 Smt Padma Vijay Kumar Sharma, 1/0 52, Hingiri, Pedder Road, Bombay

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aot, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C 68. Maharani Bagh, New Delhi admg 800 sq yd

R B L AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date 6-11-1981 Seal

FORM I.T.N.S.-

 Smt. Chandra Dhawan, w/o late Shri A. P. Dhawan, r/o N/24, Panch Sheela Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri J. M. Kapoor, s/o
 Shri C. L. Kapoor,
 Smt. Shashi Kapoor w/o
 Sh. J. M. Kapoor.
 r/o 10 Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.

H BLOCK, VIKASH BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/3-81/2960,—Whereas 1, R. B. L. AGGARWAL,

tion 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24, Panchsheela Park, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 24, Panch Sheela Park, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 6-11-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

H BLOCK, VIKASH BHAVAN, I P ESTATF, NFW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref No. IAC/Acq I/SR-III/3-81/3040 --- Whereas I, R B L AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S-264, situated at Greater Kailash-II, New Dolhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Sertion 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Anil Kumar Uppal, s/o Shri Biij Mohan Uppal, i/o H-17/4, Malviya Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) 1. M/s L P. Investments Ltd,
Po Jagnt
2 Mrs Usha Chadha, w/o
late Sh Raj Paul Chadha,
r/o B-90A, Greater Kailash-I,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a), by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. S-264, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 299 sq. yds

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 6-11-1981

Scal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H BLOCK, VIKASH BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3039.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S-264, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anil Kumar Uppal, s/o Shri Brij Mohan Uppal, r/o H-17/4, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. M/s. L. P. Investments Ltd., P.O. Jagjit Nagar, Hamira, Distt. Kapurthala,
2. Mrs. Usha Chadha w/o late Shri Raj Paul Chadha, r/o B-90A, Greater Kailash-I,

(Transfèree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. S-264, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 299 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 6-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delni, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-81/2950.—Whereas, I, R. B. I. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. I.-1/I, situated at NDSE-Part-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in

March, 1981

22-346GI/81

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Devki Saraogi w/o B. K. Sataogi, r/o 59, Anand Lok, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Lal Atora s/o Ralia Ram Arora and Smt. Indira Arora, w/o Joginder Lal Arora, r/o L-1/1, NDSE-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. L-1.1, measuring 321 sq yds. NDSE Pait-II, New Delhi.

R. B. I. AGGARWAL
Competent Authority
Imapeeting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge-I, New Delhi

Date: 6-11-1981

Seal;

FORM I.T.N.S.-

MOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. JAC/Acq.I/SR-III/3-81/3066.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1-80, situated at Greater Kailash-l, N.D. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

(1) M/s Inder Estate (Delhi) Pvt. Ltd., Flat No. L-Sagar Apartments, 6-Tilak Marg, N. Delhi,

(Transferor)

(2) Mr. Amrit Narain, Mrs. Renu Narain and Master Amit Narain, E-80, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

E-80, Greater Kailash No. I, New Delhi mg. 529.5 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated: 6-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt, Gurmeet Kaur, w/o S. Prithipal Singh, r/o 27/56, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Amarjeet Kaur, w/o late Rajinder Singh Kapoor Jang Bahadur Singh and others \$5/0 late Rajinder Singh Kapoor, r/o 6/12, WEA, Karol Bagh, N. Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATŁ, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-81/3005.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 12 Block No. 6 situated at WEA Karol Bagh New Delhi

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12 Block No. 6, MCD No. 10309, Kh. No. 1856/1258, mg. 230.44 sq. yd. Ward No. 16 WEA, Karol Bagh, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated: 6-11-81

PORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Gurdev Singh r/o H. No. 52, Road No. 42, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pran Nath Keshyap r/o E-48, G.K.II, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/3-81/3062.—Whorens, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-48, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor portion of E-48, Greater Kailash-II, New

R. B. L. AGGARWAI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I New Delhi

Dated: 6-11-81

Seal:

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGΓ-I,

H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-fII/3-81/2955.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. G-5, NDSE Part-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Phool Vat₁
 w/o late Rai Sahib Prithvi Raj
 r/o G-5, NDSE-II, New Delhi
 Karta of R. S. Prithvi Raj & Sons (HUF).
 (Transferor)
- (2) Shri Ahul Hasan s/o Mohd. Noor, Zaheer Alam, Saeed Alam, Mahe Alam, Shah Alam and Masood Alam ss/o Shri Abul Hassan 1/o Bara Dari, Moradabad (UP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-5, mg. 500 sq. yd. NDSE-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated: 6-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Pushpam International (Pvt.) Ltd.,

A-23, Green Park, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s Shebang Private Limited, 23/2, Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-81/3046.—Whereas, I,

R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

L/7, situated at Green Park Extn. New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. L/7, Green Park Extension, New Delhi mg. 187 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated: 6-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-81/2995.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 143 Block W, situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. K. Ganguly, 162/C/525, Lake Gardens, Calcutta.

(Transferor)

(2) 1. S/Shij Harmail Singh 2. Harjinder Singh, 49, Race Course Road, Dehradun (UP). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 143 in Block 'W' measuring 334 sq. mts. (400 sq vd.) in Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated: 6-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-81/3017.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-5/161, situated at Safdarjung Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mrs. Evd Dutta Through G/A Shri D. K. Guha Thakuerta,
 I-ast Avenue Punjabi Bagh, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri O. P. Sehgal,B-56, Defence Colony,New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-5/161, Safdarjung Enclave, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated: 6-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No IAC/Acq.I/SR-III/3-81/2946.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-11, situated at NDSE Part-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—346GI/81

 Lt. Col. Kanwal Jit Singh s/o Sardar Harbans Singh D-360, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Senmit Properties Pvt. Ltd., 8, Camac Street, 6th floor, Suit No. 17, Calcutta at present r/o C-1/58, Safdarjung Development Area, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-11, NDSE Part-II, New Delhi area 200 aq. vd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated: 6-11-81

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

· Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-81/2997.—Whereas, I, R. B. I., AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S-193, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bewteen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Kartar Singh s/ò S. Mansha Singh r/o 65/66, Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi-5 presently at 28-B, Atam Nagar, Ludhiana (Pb.)

(Transferor)

 Smt. Harjit Kaur w/o S. Upkar Singh
 Shri Amarjit Singh s/o S. Upkar Singh both r/o C/453, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S/193, Greater Kailash-II, New Delhi mg. 300 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated: 6-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981 Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/3-81/3059.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 27 situated at Nizamuddin East, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the R

annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Man Mohan Bhasin s/o late Sh. Charanjit Lal & Shri Chander Mohan Bhasin s/o late Shri Charanjit Lal r/o E-4, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Bashir Ahmed s/o Haji Mohd Shafi r/o 119 Ram Munshi Bagh Srinagar at present 96, Sunder Nagar, New Delbi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 27, Nizamuddin East, New Delhi mg. 564.67 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated: 6-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-81/2943.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Hicome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Plot No. 521, Block S, situated at Greater /Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration then for by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- . (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the inforestite property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Piki Dastur w/o Shri K. K. Dastur r/o M-142, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Hekmunt Steel & Wires Private Limited, 810, Meghdoot, 94-Nehru Place, New Delhi,, through its Financial Adviser Smt. Damyant Kaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovible property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 521, Block 'S' measuring 545 sq. yd. Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

· Dated: 6-11-81

(1) Shri Hira Lal Kaul r/o K-31, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. Kuldip Singh r/o M-16i, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/3-81/3016.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-212, situated at Greater Kailash-II. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at New Delhi in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following reasons namely '---

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-212, Greater Kailash- Π , New Delhi mg. 250 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated: 6-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATI NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981 -

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/3-81/2942.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16/68 Block AC Faiz Road, situated at Karol Bagh New Delhi,

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afiresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s MSJ Consultants Ltd. 16/67-68, Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi, through attorney T. C. Jain r/o E-57, G.K. I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Jain s/o Shri T. C. Jain r/o E-57, Greater Kallash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. 16/67-68, Blocq, AC, Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated: 6-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-1II/3-81/3054-A.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. R-664, situated at New Rajinder Nagar, N. Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ani/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Manohar Lal Makkar s/o Shri Rup Chand & Shri Ashok Kumar s/o Shri Sunder Dass r/o R-664, New Rajinder Nagar, New Delhl.

(Transferor)

(2) Smt Sarla Kapoor w/o Shri Baldev Ruj Kapoor r/o R-664, New Rujinder Nagar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R-664, New Rajinder Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated: 6-11-81

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-81/3008.—Whereus, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34-B, situated at Malcha Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kripa Ram Sood, r/o B-82, Defence Colony, New Delhi. New Delhi.

(2) Shri Yudhishtra Kapur, r/o 58-D, Malcha Marg, New Delhi. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 34-B, Malcha Marg, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi,

Dated: 6-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK. VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/3-81/3003 —Whereas I, R. B. I . AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. XVI/67-68, Faiz Rd. Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hercto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than believe per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—24—346GI/81

(1) Smt. Usha Rani Jain
w/o Shri K. R. Jain
1/o Khanjarpur, Roorkee (UP),
through attorney Shri T. C. Jain
5/o Shri Amrit Lal Jain
1/o E157, Greater Kailash,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Balbir Kumari w/o Shri T. C. Jain r/o E-57, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. XVI/67-68 mg. 894 sq. yd. Block AC, Faiz Road, Karol Bagh, New Delhl

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated: 6-11-81

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, H BLOCK VIKAS BHAVAN. I.P. FSTATE. NFW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/3-81/3000.—Whereas. I. R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

A-47, NDSE-I, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri T. D. Seth s/o Shri Sunder Dass Seth r/o A-47. NDSF I. New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Mrs. Gita Ram Ganguly w/o Shri Mahendra Kumar Ganguly r/o F-21, NDSE-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. A-47, NDSF-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range I,

New Delhi.

Dated: 6.11.81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, H BLOCK VIKAS BHAVAN I P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981
Ref No IAC 'Acq I SR-III 3-81/2996—Whereas I,
R. B. L. AGG ARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. D/135, New Rajinder Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii B B Bhalla s/o Shii Salig Ram Bhalla r'o D 135, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii M M Sharma 5/0 Shri Dev Datt Sharma 7/0 J 403 (FF) New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No D 135 New Rajinder Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I.
New Delhi.

Dated: 6 11 81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Kadappa Channappa Dhabadi, Merchant, R/o Banahatti, Tq. Jamakhandi.

(Transferor)

(2) Smt. Anupama W/o Sti Vijay Tendolkar Meera Building, Sambaji Road, "C" Extension, Tilakwadi, Belgaum.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE.

Bangalore-560001, the 15th September 1981 Notice No. 359/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITH-KUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 739/9 Plot No. 22,

situated at Anagol, Balgaum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Belgaum under document number 3810 on 16-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3810 Dated 16-3-81]

Land and building bearing Survey No. 739/9, Plot No. 22, situated at Angol, Belgaum.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-9-1981

 Shri K. Sriniyasaiah S/o Shiyaram Rao, Prop. M/s Meenakshi Bhayan, BH Road, Shimoga.

(2) Shri C. Chandraiah S/o Veeraiah, Opp. to Ganesh

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

BANGALORE

Bangalore-560001, the 13th October 1981

Notice No. 364/81/82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITH-KUMAR RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 34/3

transfer with the object of :-

situated at Vidyanagar, Shimoga (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shimoga under document number 4188 on 11-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bhavan, Vidyanagar, Shimoga.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4188 Dated 11-3-1981]

Coconut garden measuring one and half acre along with the building therein (including electric pumpset) bearing survey No. 34/3 and is situated at Vidyanagar, Shimoga.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 13-10-1981

Seal

FORM I'INS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

PUNE

Pune, the 15th October 1981

Nσ IAC/CA 5/SR Thane/15.4.81/535/81-82,---Whereas I SHASHIKANT KULKARNI,

IAC/CA 5/SR. Thane/15-4-81/535/81-82 — Ref. No. Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

as the 'taid Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CS No. 148-B, 149B, Tikka No. 13

situated at Vaidya Building, Jambli Naka, Opp, Municipal Clock Tower, Thane, 1/2 undivided share

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Thane on 15-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri P. D. Vaidya, Vaidya Building, Jambli Naka, Talao Pah, Thane.

(Transferor)

(2) Rashmi R. Doshi C o Suresh Soaps & Chemicals. Ex. Highway, Thane-400 604,

(Transferee)

(3) 1. Dr. P. S Bhagwat.2. Shri V. C. Doshi.3. Ujala Sales Agency.

(Person in occupation of the property)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 148-B, 149-B, Tikka No. at Jambli Naka, Opp. Municipal Clock Tower, Thane (1/2 undivided share).

(Property as described in the sale deed registered under document No. 346/81 dated 15-4-81 in the office of the Sub-Registrar, Thane.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 15-10-1981

PART III -SEC. 11

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, **PUNE**

Pune, the 17th October 1981

Ref. No. IAC/CA 5/SR.Thane/April 81/533/81-82.— Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 51, Tikka No. 15, C.S. No. 51 (Pt), situated at Vishnu Nagar, Naupada, Thane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thane on 30-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Partner of Vijaydip Enterprises, 1. Maganlal Maneklal Shaha, 2 Jagannath Dhodu Jadhav, 3. Shankar Moreshwar Prabhudesai, at Bhagyashree, Ram Maruti Road, Naupada, Thane.

(Transferor)

(2) Shri V. R. Nafade, Chairman of Vijayashree Co-op. Housing Society, at Vishnu Nagar, Naupada, Thane. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property S. No. 51, Tikka No. 15, CS No. 51 (Pt). Vishnunagar, Naupada, Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 391/82 dt. 30-4-81 in the office of the Sub-Registrar), Thane.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 17-10-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE.

Pune, the 17th October 1981

Ref. No. IAC/CA 5/SR.Haveli-II/534/April 81/81-82,—Whereas I SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 692/2A1/1/2, 292A/1, 693-1A/2 Sub Plot No. 5,

Market Yard Road, Munjeri, Gul Tekdi, Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering S.R.Haveli-11 on April 81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Laxmibai Kashinath Sonayane, 687, Narayan Peth. Pune-2.

(Transferor)

(2) Arihant Sahakari Griha Rachana Sanstha Ltd., 321, A. M.P. Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Plot in S. No. 692/2A1/1/2, 692A/1, 693-1A/, Sub Plot No. 5, Market Yard Road, Munjeri, Gul-Tekdi, Pune. (Property as described in the sale-deed registered under document No. 1739 in April 81 in the office of the Sub Registrar, Haveli-II, Dist. Pune).

> SHASHIKANT KULKARNI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poona

Date: 17.10.81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE.

Pune, the 17th October 1981

Ref. No. IAC/CA 5/SR.Bombay/536/April 81/81-82.— Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 14 (Old No. 58) Chalta No. 48 S. No. 269/A/4 (Pt) of Thakurli Vıll & CTS No. 1975 of Dombivali Municipal Council, situated at Thakurli Vill., Dombivli Municipal Council,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR.Bombay on 2.5.81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranafer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-25-346GI/81

(1) M/s. Bhurke & Asociates, 3, Blue Nile, MP Road, Dombivli (W), Vishnunagar.

(Transferor)

(2) Blue Nile Premises Co-op Society Ltd., Dombivli, 6, Blue Nile, M.P. Road, Dombivli (W), Vishnu-

(Transferee.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14 (Old No. 58) Chalta No. 58, S. No. 269/A/4 (Pt) of Thakurli Vill. & CTS No. 1975 of Dombivli Municipal Council.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 702/79 dated 2.5.81 in the Office of the Sub-Registrar, Bombay).

> SHASHIKANT KULKARNI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Poona.

Date: 17.10.81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX • ACQUISITION RANGE,

PUNE.

Pune, the 30th October 1981

Ref. No. IAC/CA 5/SR.Kalyan/537/Mar. 81[81-82.— Whereas I SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority and Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 93-A, H. No. 1/2 situated at

Rambaug Lane, No. 4, Chikanghtar, Kalyan, Dist. Thane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 81.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. S. Y. Kanc, 26, Prem Sadan, Dombivli (East), Tal, Kalyan, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri L. N. Pai, Secretary of Satyasai Co-op. Hsg. Society Ltd., Rambaug Lane No., 4, Kalyan.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 93-A, H. No. 1/2 situated at Rambaug Lune No. 4, Chikanghar, Kalyan, Dist. Thanc. (Property as described in the sale Deed registered in the Office of the Sub-Registrar Kalyan under Document No. 395 dated March 81.)

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range,
Poona.

Date: 30.10.81.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Dhondi Hari Dhanwade & Others 30 at Metgutand, T. I. Mahabaleshwar, Distt. Satara.

(Transferor)

Shri Moshin A. Mala, Partner of Mala's Fiuit Products, Panchagani, Tal. Mahabaleshwar, Dist. Satara.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE.

Pune, the 30th October 1981

Ref. No. IAC/CA 5/SR. Wai/538/Mar. 81/81-82.—Whereas I SHASHIKANT KULKARNI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 18/3, situated at

Metgutand, Tal Mahabaleshwar, Dist. Satara, (and more fully described in the Schedule anuexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Wai on 19-3-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing R.S. No. 18/3, situated at Metgutand Tal. Mahabaleshwar admn. 1=H81~R,

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-registrar Wai, under Document No. 328 dt. 19.3.81.

SHASHIKANT KULKARNI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30.10.81.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECITING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE.

Pune, the 30th October 1981

Ref. No. IAC/CA 5/SR Haveli II/539/April 81/81-82—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R i 25,000/- and bearing

CTS No. 111,

Shukrawar Peth, Pune-2,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Haveli Π in April 81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration

for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Shantabai Dattatraya Gokhale, 11, Shukrawar Peth, Pune-2.
 - Shri Anand Dattatraya Gokhale, 111, Shukrawar Peth, Pune2.
 - Mrs Hemalata Keshav Joglckar, Vishram, Opp. Chember Rly Stn. Bombay-84.
 - Sou. Nilima Madhukar Deshpande, 42, Shaniwar Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Arun Madhav Shevade, Chairman of Shri Gunesh Co-op Housing Society Ltd., 111, Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing CTS No. 111, situated at Shukrawar Peth, Pune-2.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1760 dated 30.4.81 in the office of the Subregistrar, Haveli II, Pune.)

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Poona.

Date: 30.10.81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PUNE.

Pune, the 30th October 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR. kalyan/540/Mar. 81/81-82.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 46, Hissa No. 5, 10,

Mouje Chikanghar within limits of Kalyan Nagarpalika Parishad, Dist. Thana 1/3rd undivided share of transferor No. 1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalyan on 16.3.81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mbarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shti Vithoba Radha Bhoir, 2. Shti Balkrishna Vithal Bhoir, 3. Shti Barsharam Vithal Bhoir, 4. Sou. Anubai Vithal Bhoir, 5. Sou Laxmibai Parsharam Bboir, Al at Chikanghar, Tal. Kalyan, Distt. Thona

(Transferor)

- (2) Shri Doulatram Dharamdas Vachhani, Promoter of Shri Vithoba Krupa Co-op, Hsg. Society, at Ulhasnagar, Dist. Thane.
- (Transferee)
 (3) Balkrishna Vithal Bhoir & Parharam Vithal Bhoir.
 (Person in occupation fo the property)
- (4) Balkrishna Vithal Bhoir & Parsharam Vithal Bhoir,
 (1/3 share of each).
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforciand persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 46, Hissa No. 5, 10 situated at Mouje Chikanghar, within limits of Kalyan Nagarpalika Parishad, Distt. Thane 1/3 undivided share of Transferor

(Property as described in the sale deed registered under Document No. 493 in the office of the Sub-Registrar, Kalyan on 16.3 81).

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona.

Date: 30.10.81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNF.

Ref. No. IAC/CA5/SR. Kalyan/Mar. 81/541/81-82.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 46/5, 46/10,

Mouje Chikanghar, Tal. Kalyan, Dist. Thane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalyan on 16.3.81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parsharam Vithal Bhoir at Chikanghar, Tal. Kalyan.

(Transferor)

(2) Shri Doulatram Dharamdas Vachhani, Promoter of Shri Vithoba Kiupa Co-op. Hsg. Society, at Ulhasnagar, Dist. Thane.

(Transferee)

(3) Undivided 1/3 share.

(person in occupation of the property)

(4) Vithal Radha Bhoir Balkrishna Vithal Bhoir, (1/3 share of each).

(Person whom the undersigned knows to be interested din the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 46/5, 46/10 situated at Mouje Chikanghar Tal. Kalyan Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under Document No. 494 in the office of the Sub-Registrar Kalyan, on 16.3.81).

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona.

Date: 30.10.81.

NOTICE UNDER SECTION (2012, (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNF.

Pune, the 30th October 1981

Ref No IAC/CA5 SR, Kalyan/542/Mar. 81/81-82.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 46, Hissa No. 5, 10, situated at Mouje Chikanghar within limits of Kalyan Nagarpalika Parishad 1/3 Undivided share of Transferor No. 1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalyan on 16-3-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Balkrishna Vithal Bhoir, 2. Shri Vithal Radha Bhoir, 3. Shri Parsharam Vithal Bhoir, 4. Sou. Anubai Vithal Bhoir, 5. Sou Laxmibai Parsharam Bhoid, All at Chikanghar, Tal. Kalyan, Dist. Thane

(Transferor)

(2) Shii Doulatram Dharamdas Vachhani, Promoter of Shri Vithoba Krupa Co-Op. Hsg. Society, at Ulhasnagar, Dist. Thane.

(Transferee)

(4) Shri Vithoba Radha Bhoir & Shri Parsharam Vithoba Bhoir,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

rroperty bearing S. No. 46, Hissa No. 5, 10 situated at Mouje Chikanghar within limits of Kalyan Nagar Palika Parishad, Dist. Thane 1/3 undivided share of Transferor No. 1.

(Property as described in the sale deed registered under Document No 495 in the office of the Sub-Registrar, Kalyan on 16.3 81).

SHASHIKANT KULKARNI.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poore

Date: 30,10.81,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Ref. No. ASR/81-82/209—Wherens, J. I. ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One plot in Basant Avenue, Amritsar

land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in Feb 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Chairman Amritsar Improvement Trust Amritsar.
(Transferor)

(2) Smt. Pa amjit Kaur W/o Sh. Paramjit Singh R/o 38-Basant Avenue, Amritsar.

(Transferec)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenants(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 38 (area 556 sq. yds.) situated in Basant Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3530/I dated 24-2-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-9-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 26th September 1981

Ref. No. ARS/81-82/200.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land in Cheel Mandi situated at Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Feb 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaidd exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
26—346GI/81

(1) Shri Soni Ram S/o Lachhman Das R/o Maqbul Pura, Amritsat.

(Transferor)

- (2) Smt. Satinder Kaur W/o Rajinder Singh r/o Cheel Mandi Mahan Singh Gate, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot khola measuring 84½ sq. mtrs. old No. 2801 & 2804/I new No. 2522 to 2522/I-23, situated in Mahan Singh Gate, Cheel Mandi, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3489/I dated 20-2-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 26-9-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 26th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/211.—Whereas, I,

ANAND SINGH, IRS, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. one plot of land in Tungpain area situated at Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Feb 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Sadhu Singh S/o Sh. Inder Singh r/o Tungpai bajria Gurnam Singh S/o Sadhu Singh r/o Tungpai Amritsar.

(Transferor)

- (2) Iqbal Rai S/o Sh. Sawaran Singh r/o House No. 4751/37 Abadi Sarwarpura Gali No. 4, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 729 sq. mtrs. situated in Tungpain Sub-urban Abadi Amritsar as mentioned in the sale deed No. 9438/dated 2-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 26-9-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 26th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/212.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building in Bazer Papran situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afiresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Aya Singh S/o Karam Singh R/o 287 Shakti Niwas Samual Street, Vadgadi, Bombay-3, now Bazar Papran, Amritsar.

(Transferor)

(2) Firm M/s. Isher Singh Suijit Singh Bazar Papran wala Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 2128-2130/6 situated in Bazar Papran wala Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3432/I, dated 2-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Dato: 26-9-81,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 21st September 1981

Ref. No. ASR/81-82/213.—Whereas, I,

ANAND SINGH, IRS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding,

Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant plot of land in Joshi Colony situated at Amritsar (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Feb 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Hira Lal Anand S/o Sh. Ram Labhaya Anand R/o Ktr. Bagh Singh Gali Kadan Wali Amritsar.
- (2) Sh. Brij Mohan S/o Hira Nand R/o Katia Sher Singh Amritsar,

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land khasra No. 1324 Min. situated in Joshi colony Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3420/I dated 11-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 21-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Amitsar, the 19th September 1981

Ref No ASR '81-82/214.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS., being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Dilawari Street Putlighar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on Feb 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Raj Rani w/o Satish Kumar r/o Putlighar Amritsar.
- (2) M/s. Satnam Textile Manufacturers Putlighar Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One hair share building No. khanashumari 3699 & 3708 min (area 375 sq. yds.) situated in Dilawari Street, Putilighar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3526/I dated 3-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH (RS)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 19-9-81

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 19th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/215.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property in Dilawari Street Putlighar situated at Amritaar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR, Amritsar on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to-believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Raj Rani W/o Sh, Satish Kumar R/o Putlighar Amritsar

(Transferor)

(2) M/s. Nagi Textile Machinery Manufacturing Amritsar.

Transferce

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

4 share in building No khanshumari 3699 & 3708 min (area 375 sq. yds) situated in Dilwari Street Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3521/I dated 23-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chandelpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 19-9-81

FORM ITN9----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 21st September 1981

Ref. No. ASR/81-82/216.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One shop No. 197/7 Chur Berl Ktr Karam Singh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at SR Amritsar on Feb 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Amarjit Kaur W/o Sh, Balwant Singh R/o 25 Golden Avenue Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Gurbax Singh S/o Mehar Singh, Sh. Sarinder Singh S/o Gurbax Singh R/o Majitha Mandi, Amritsar.

(Transferec)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop No. 197/7 situated in Chur Beri Ktr. Karam Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3353/1 dated 3-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 21-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, AMRITSAR ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 21st September 1981

Ref. No. ASR/81-82/217,—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot of land in Garden colony No. Mission Road, situated at Pathankot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1902 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Pathankot on February 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt, Sheetal Kumari W/o Sh, Ravinder Kumar R/o Kali Mata Road, Near Telephone Exchange, Pathankot.

(Transferor)

- (2) Dr. Brahm Parkash Bhandari S. o Bashashar Nath Bhandari & Smt. Punam W/o Sh. B. P. Bhandari, Mann Market, Dalhousie Road, Pathankot.
- (Transferee) (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 767 sq. yds situated in Garden colony off Mission Road, Pathankot, as mentioned in the sale deed No. 3212 dated 9-2-81 of the registering authority Pathankot.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Dated: 21-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 25th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/218.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land land in Krishna Nagar, Lawrance Road, situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Ast in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inc. in Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

27—346GI/81

- Shri Joginder Nath s/o Sh. Jagan Nath, Dr. Surinder Nath & Mohinder Nath ss/o Jagan Nath r/o 41, Lawrance Road, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Baljit Singh s/o Sh. Ram Singh r/o Guru Nanakwarha, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION can'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 164 sq. yds. situated in Abadi Krishna Nagar, Lawrance Road, Amritar as mentioned in the sale deed No. 3520/dated 23-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsan

Dated: 25-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 25th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/219.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land in Sultanwind Suburban,

situated at Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Amritsar on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurmukh Singh s/o Bela Singh r/o Daburji G.T. Road, Amritsar.
- (2) Smt. Manjit Kaur w/o Sukhdev Singh r/o Mohan Nagar Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any,
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 458 sq. mtrs. situated in Sultanwind Suburban Amritsar as mentioned in the sale deed No. 10231/dated 24-2-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsax

Dated: 25-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 25th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/220.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land in Sultanwind Suburban,

situated at Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

SR Amritsar on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Dilbagh Singh s/o Bela Singh r/o Daburji G.T. Road, Amritsar.
- (2) Shri Manjit Kaur w/o Sukhdev Singh r/o Mohan Nagar, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 458 sq. mtrs. situated in Sultanwind Suburban Amritsar as mentioned in the sale deed No. 10474/dated 27-2-81 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Dated: 25-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 25th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/221.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot khola o'd No. 2802 & 2804/I, New No. 2522 to 2525/I-23, Cheelmandi Amritsai,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsai on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Soni Ram s/o Lachhman Dass r/o Maqbul Pura, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Bhola Singh Surindei Singh ss/o Bakshish i/o Cheel Mandi Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measure in that Chapter.

THE SCHEDULF

One plot of land measuring 811 mtrs situated in Mahan Singh Gate, Cheel Mandi, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3426/I, dated 11-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Dated: 25-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsai, the 25th September 1981

Ref. No ASR/81-82/222 --- Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One godown on Cooper Roads Amritsan situated at Amritsan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsan on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid peroperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Mehra Khanna Lucky Scheme Private Ltd. Cooper Road, through Sh. Rakesh Khanna Managing Director.

(Transferor)

(2) M/s. Punam Boilders Rani Ka Bagh through Smt. Punam Kumati Prop. Amritsat. (Transferce)

- (3) As at Si. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One godown one storey No. 150-151-152/XIII-2 situated on Cooper Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No 3330/I, dated 2-2-81 of the Registering authority, Amritsar

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Dated . 25-9-81

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 25th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/223.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot of land in Sultanwind Suburban, situated at Amritaar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Dilbagh Singh Gurmukh Singh ss/o Bela Singh r/o Sultanwind Teh. & Distt. Amritsar.
- (2) Sh. Narinder Singh s/o Sant Singh & Balwant Singh s/o Amar Singh r/o Sarwarpura Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
- (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period confidence later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 469 sq. mtrs. khasra No. 1537 min situated on Sultanwind Suburban Teh. & Distt. Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 10475/dated 27-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Dated: 25-9-81

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 25th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/224.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot No. 2342 in Ktr. Mahan Singh situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SR Amritsar on February, 1981

for an apparent consideration which

is less that the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Amar Nath s/o Sh. Prabh Dyal r/o Aluwalia Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Bahadur Singh s/o Amar Singh 1/o Bazar Tahli Sahib, Amritsai.

 (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 2342 measuring 159 sq. mtrs. situated in Katra Mahan Singh Inside Pacci Gali Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3477/I, dated 20-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 25-9-81

NOTICE UNDER SICTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st September 1981

Ref. No. ASR/81-82/225.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. One house in Sharifpura, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

No. One house in Sharifpura, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Tebruary, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kanchan Diwan wd/o Diwan Sat Pal r/o, Sharifpura Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Gopal Dass s/o Sh. Atma Ram r 'o G.T. Road, Sharifpura Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr No 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

One built up property No. 131-132 situated in Sharifpura G.T. Road, Amritar as mentioned in the sale deed No. 3476/I dated 20-2-81 of the registering authority Amritar,

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsa

Dated: 25-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st September 1981

Rcf. No. ASR/81-82/226.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One house in Sharifpura, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to ballow that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been triply stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—28—346GI/81

- Smt. Kanchan Diwan wd/o Diwan Sat Pal r/o Sharifpura Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Suhag Wati w/o Sh. Gopal Dass r/o G.T. Road, Sharifpura, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One built up property No. 131-132 situated in Sharifpura G.T. Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3482/I, dated 20-2-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 21-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/227.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. One house in Kot. Harnam Dass situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Swaran Kaur w/o Amar Singh r/o Kot Harrnam Dass, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Gian Singh s/o Sardara Singh r/o Guru Bazar, Taran Taran Distt. Amitsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Greater of a period of 30 days from the service of notice off the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 data from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house No. 1972/10172 K. No. 323/324 situated Kot in Teja Singh & Kot Harnam Dass Sultanwind Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3396/I dated 10-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-9-81

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st September 1981

Ref. No. ASR/81-82/228.--Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair entire value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property in Chowk Baba Sahib situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent. of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be diaclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Dev Raj Gupta & Raj Kumar Gupta ss/o Sh. Amir Chand r/o Shri Rattan Chand r/o Bazar Sirkiwala Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Kesh Chander Piplani s/o Sh, Shanti Sarup r/o Chowk Baba Sahib c/o Shahzada Nand College for women, Chowk Baba Sahib Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. 1546/5-10 situated in Sale chowk Baba Sahib, Amritaar as mentioned in the sale deed No. 3356/I dated 3-2-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 21-9-81

FORM NO. LT.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st September 1981

Ref. No. ASR/81-82/229.-Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Built up house on Albert Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than " fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subaforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) Sh. Kundan Lal s/o Shri Thakur Dass r/o Bazar Ram Bagh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sri Ram Lubhaya s/o Shri Ram r/o Chowk Baba Sahib Kucha Budha Singh House No. 1209 Amrit-

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up house On Albert Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3401/I dated 10-2-81 of the registering Authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 21-9-81

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st September 1981

Ref. No. ASR/81-82/230.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority

under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter-referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot in Nawan Kot, G.T. Road, situated at Amritsar (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on February, 1981

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Binex Exports Mahan Singh Gate, Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s. Delux Woollen Pvt. Ltd. 31/C, The Mall Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land (measuring 13 K 4 marlas), situated Nawan Kot, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 9482/dated 3-2-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 21-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st September 1981

Ref. No. ASR/81-82/231.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Ram Tirath Road, situated at Gawal Mandi, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR Amritsar on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Fatch Singh s/o Tehal Singh r/o G. T. Road, Fatch Silai Machines Putlighar Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Smt. Surjit Kaur w/o Sawaran Singh Bhpinder Kaur w/o Narınder Singh, Iswinder Kaur w/o Prithipal Singh r/o Fatehgarh Churian, Distt. Gurdaspur.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)

(Transferee)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1616/13 (area 166 sq. mtrs.) situated on Ram Tirath Road, Gawal Mandi, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3490/I, dated 20-2-81 of the registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH, ARS

Compared Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Aequisition Range, Amritsar

Dated: 21-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 25th September 1981

Ref. No. ASR/81-82/232.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair and the value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One house No. 26-A, situated at Hukam Singh Road, Amritsar

(and more fully

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on subject to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt Kulwant Kau w/o Chanan Smgh r/o Anantpura Teh. Ajnala Distt Amritsar through Gajjan Singh mukhtar Aam
 - (Transferor)
- (2) Sh. Teja Singh s/o Bur Singh, Kuldeep Kaur w/o Teja Singh r/o Village Suffian, Teh. Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the that of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of house No. 26-A situated on Hukam Singh Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3567/I, daetd 27-2-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated: 25-9-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/241.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

One house in Rani Bazar, Sharifpura, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1981

Rs. 25,000/- and bearing No.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Chanchal Kumari, w/o Shti Piara Lal, s/o Pandit Ishia Ram, r/o 101 Joshi Colony, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Punam Rani w/o Shri Vikram Jit Sharma, r/o House No. 224/13, Sharifpura, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the premerty]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- 43 by any or a grossaid persons with a period of 45 days from the disconnection of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter 1974.

THE SCHEDULE

One house No. 1-E/57 & 1751/XV-II, situated in Rani Bazar, Sharifpura, Amritsar as mentioned in the sale dead No. 3863 of 27-3-81 of the Registering Fathority, Amritar.

AMAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 19-10-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, 'AMRITSAR

Amuitsar, the 19th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/242.—Whereas I, ANAND SINGH,

ing the competent authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000/- and bearing No.

One house in Katra Khajana, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—29—346GI/81

 Shri Davinder Kumar s/o Shri Moti Ram r/o Katra Khajana, Gali Bagh Chaudhary, Amritsar

(Transferor)

13367

(2) Smt. Piem Lata w/o Sh. Manohar Lal, r/o Katra Khajana, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 1595/9-I & 1609/IX-II, situated in Gali Bagh Chaudhary, Katra Khajana, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3719/I dated 16-3-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 19-10-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/243.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority, under Section 2695 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair 'market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One shop, situated in Nippak Mandi, Amritaar (and more fully described in the Schedule amused hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a spreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concessment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ladian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Faqir Chand Sachdeva s/o Shri Fateh Chand Sachdeva, r/o Bombay through Shri Devki Nandan Sachdeva: s/o Shri Hira Lal Sachdeva, r/o 10-Court Road, Amritsar.

(Transferor)
(2) Shri Piara Lal &

Shri Kewal Krishan alias Kewal Kumar ss/o Shri Vas Dev Chawla, r/o Bazar Nimak Mandi, Amritsar.

(Transfere ***

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. Sh. Piara Lai Sh. Kewal Krishan alias Kewal Kumar and Dr. Hari Chand Arora.

[Person in occupation of the prop

(4) Any other.

[Person whom the undersigned 1 to be interested in the pro-

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires the service of the respective persons.
- (b) by any other paragraphic in the said immovable property, within 45 days from the days from the cation of this netice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop No. 693 & No. 762/'old No. 703, situated ir Nimak Mandi, Amritsar (area 80 sq. mtrs) as mentioned in the sale deed No. 3648/I dated 9-3-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 19-10-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, **AMRITSAR**

 \mathbf{H}^{\prime} Amritsar, the 19th October 1981 be ... I. No. ASR/81-82/244.—Whereas I. ANAND SINGH,

ing the Competent Authority Moder Section 269B of the Competex Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One building on Ramsar Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SR Amritsar on March, 1981

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair prestot value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely :-

 Shri Amolak Singh s/o Harnam Singh, Hira Bai wd/o Harnam Singh, Bimla, Pushpa ds/o Shri Harnam Singh, r/o Ramsar Road, Amritsar.

(Transferors)

(2) Smt. Harjinder Kaur d/o Amrik Singh, r/o House No. 2741/V-18, Ramsar Road, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. Lal Bahadur Dharam Pal. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition or the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Ohapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4/5 share of building No. 2741/V-18 & 2485/V-18, situated on Ramsar Road, Amritsar (undivided shares) as mentioned in the sale deed No. 3640/I dated 16-3-81 of the Registering Authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 19-10-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/245.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding One plot of land in Shastri Nagar, situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattern has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Pritam Singh s/o Shri Harnam Singh, r/o Katra Mit Singh, Bazar Hansli,

(Transferor)

(2) Shri Tarlochan Singh Khurana, s/o Shri Balbir Singh & Gurcharan Singh and Navinder Singh, ss/o Shri Tarlochan Singh, r/o Katra Dal Singh, Gali Garwian, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) If any.

[Person whom the understand knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- 45 days from the date of publication of this notiin the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter 2944 of the said Act shall have the same meaning as given it

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 857.8 sq. mtrs. situated in Shastri Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3605/I dated 3-3-81 of the Registering Authority American.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 19-10-1981

FORM I.T.N.S.—--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 6th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/246.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority ander Section 269B of the Income-tax Act,; 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One house Kh. No. 83 at Gumtala, situated at Teh. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amrittar per March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Shri Amar Pal Singh s/o Gurcharan Singh, r/o 26-A Alber Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shii I. M. Barnaid r/o Gumtala Fategaih Churian Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dats of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house Kh. No. 83(min) situated in Gumtala Fatch Garh, Churian Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3721/I dated 16-3-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

Date: 6-10-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/247.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One shop in Kanak Mandi, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Pal, Joginder Pal & Jawahar Lal ss/o Pt. Manooar Lal, r/o Village Chabba, Teh. Amritsar, & Smt. Jagdish Kumari Sharma d/o Pt. Manohar Lal through Jawahar Lal, Mukhtar Aam

(Transferor)

(2) M/s. Mohan Oil Mills, O/S Gate, Bhagtanwals, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the arcresaid persons wants a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immunable property, within 43 days from the time of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULB

One shop No. 1226/6, situated in Bazar Kanak Mandi, Amritsar (area 85 sq. yds) as mentioned in the sale deed No. 3704/I dated 13-3-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Gempetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 19-10-1981

Seal: '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 15th October 1981

Pef. No. ASR/81-82/248.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One house in Abadi Gokal Chand situated at Qila Bhangian, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the chief of the Registering

Officer at SR Amritsar, on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1997) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sh. Snt Ram Kalia s/o Pt. Thakur Dass r/o Qila Bhangian Abadı Gokal Chand (Abadi Sri Guru Ram Dass) Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Sashi Bhatia w/o Sh. Shori Lal r/o Qlla Bhangian, Amritsar. (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of - 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 1876/VIII-17 situated in Qila Bhangian Abadi Gokal Chand Mohalla Sri Guru Ram Dass Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3703/I, dated 13-3-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 15-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/249.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant plot of land in New Garden situated at Colony Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar on March 1981

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Ravinder Kumar s/o Dawarka Dass, Lawrance Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Kamlesh Kumari w/o Ashok Kumar, Katra Khajana Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overlef and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said profesmay be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the cervice of notice on the respective persons, whichever period tensires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd of plot No. 19 situated in new garden colony Amritsar (area 292.3 sq. yds.) as mentional in the sale deed No. 3614/I, dated 5-3-81 of the registering authors.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 19-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1981

Ref. No. ASR-81-82/250—Whereas, J. ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent 1961 (43 of 1961). Thereinafter referred to as the 'aid Act'), here reason to believe that the immovable property, hereing a fair market value exceeding

Rs. 25,000/and bearing

No. Vacant plot of land in New Garden situated at colony Amritan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at SR Amritsar on March 1981

for an annarent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cost with apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:

- (1) Shri Ravinder Kumar s/o Dwarka Dass r/o Law-rance Road, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Nirdosh Kumaı s/o Sheri Lal Ktr. Khajana Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share of plot No. 19 situated in new garden colony Amritsar (area 292.3 sq. yds.) as mentioned in the sale deed No. 3632/I dated 5-3-81 of the registering authority Amritsar

ANAND SINGH IRS.

Gompetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 19-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/251.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One building at Fategarh Churian situated at Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at SR Batala, on March 1981

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Sher Singh s/o Maghar Singh r/o Fatchgark Churian,

(Transferor)

(2) Sh. Roshan Lal s/o Sant Ram 1/2 share, Ramesh Rani w/o Roshan Lal 1/2 share r/o Fateh Garf Churian, Teh. Batala.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overlef and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Colections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period applies later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms, and expressions used become are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building khasia No 316 situated in Main Bazar Fategarh Churian, as mentioned in the sale deed No 7109 dated 6-3-81 of the registering uthority Batala.

ANAND SÍNGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 15-10-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/347/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1967) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Property No. 1016, situated at Sector 27B, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh on Feb. 1981

Chandigarh on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh., Yash Pal s/o Sh. Khushal Chand, Milap-Bhawan, Milap Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Harbans Kaur w/o Sh. Harbans Singh Shahpuri, Sh Thevinder Bir Singh & Sh. Parvinder Bir Singh sons of Sh. Harbans Singh Shahpuri, all residents of 1016, Sector 27B, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No 1016, Sec. 27B, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1941 of Feb. 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated: 19-11-81